



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

GOVERNMENT OF INDIA

सं. 45]

नई दिल्ली, गणवार, नवम्बर 5, 1994/कार्तिक 14, 1916

No. 45] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 5, 1994/KARTIKA 14, 1916

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संखा दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए साधिकारी आवेदन और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence)

विधि आर न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

(न्यायिक विभाग)

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 1994

मूलना

का. आ. 3010.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के प्रनुसार में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह मूलना दी जाती है कि श्री कवल किशोर शर्मा एन्ड कॉम्पनी ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे खराह, जिला रोपड़ (पंजाब) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

नोटरी के रूप में नियक्त पर किसी भी प्रकार का शास्त्रीय इस मूलना के प्रकाशन के चाहत दिन के भीतर विभिन्न रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[नं. 5(253)/92-न्यायिक]

टी. सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

(Judicial Section)

New Delhi, the 19th August, 1994

NOTICE

S.O. 3010.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Kamal Kishore Sharma Advocate for appointment as a Notary to practise in Kharar, District Ropar (Punjab).

2. Any objection to the appointment of the said person : a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(253)/92-Judi]

P. C. KANNAN, Competent Author

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1994

सूचना

का. आ. 3011—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री कुलबीर सिंह, एडवोकेट, ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे मण्डी डबवाली (हरियाणा) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(130)/94-न्यायिक]
पी. सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 3rd October, 1994

NOTICE

S.O. 3011.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Kulbir Singh, Advocate for appointment as a Notary to practise in Mandi Dabwali (Haryana).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5 (130)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1994

सूचना

का. आ. 3012.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री प्रफुल्ल कुमार राऊत एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे भढ़क जिला (उडीसा) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[मं. 5(131)/94-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 3rd October, 1994

NOTICE

S.O. 3012.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Prafulla Kumar Raut, Advocate for appointment as a Notary to practise in Bhadrak Distt. Orissa.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(131)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1994

सूचना

का. आ. 3013.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री विपिन शिवलाल छत्रा एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जिला राजकोट (गुजरात) राज्य व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(133)/94-न्यायिक]
पी. सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 3rd October, 1994

NOTICE

S.O. 3013.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Vipin Chiv Lal Chhatra Advocate for appointment as a Notary to practise in Rajkot Distt. (Gujarat).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(133)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1994

सूचना

का. आ. 3014.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री जिनेन्द्र चन्द्र साहा, एडवोकेट, ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे तूफान गंज, जिला कूच बिलार, (पश्चिम बंगाल) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(127)/94-न्यायिक]
पी. सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 3rd October, 1994

NOTICE

S.O. 3014.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Jitendra Chandra Saha, Advocate for appointment as a Notary practise in Toofanganj, Distt. Cooch Bihar (West Bengal).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(127)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर 1994

सूचना

का. आ. 3015.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री कृष्ण कान्त पालीवाल, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे राजसमंद जिला (राजस्थान) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(129)/94-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 4th October, 1994

NOTICE

S.O. 3015.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Krishna Kant Paliwal, Advocate for appointment as a Notary to practise in Rajsamand Distt. (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(129)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली 4 अक्टूबर, 1994

सूचना

का. आ. 3016.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री एस. एन. सन्याल, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे मालदा (पश्चिम बंगाल) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(128)/94-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 4th October, 1994

NOTICE

S.O. 3016.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. S. N. Sanyal, Advocate for appointment as a Notary to practise in Malda (West Bengal).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(128)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 1994

सूचना

का. आ. 3017.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री राकेश कुमार, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(134)/94-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 4th October, 1994

NOTICE

S.O. 3017.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Rakesh Kumar, Advocate for appointment as a Notary to practise in N.C.T. of Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(134)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1994

सूचना

का. आ. 3018.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री बाबू लाल आनन्द मुतार, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे औरंगाबाद जिला (महाराष्ट्र) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(139)/94-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 5th October, 1994

NOTICE

S.O. 3018.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Babu Lal Auanda, Advocate for appointment as a Notary to practise in Aurangabad Distt. Maharashtra.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(139)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1994

सूचना

का. आ. 3019.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री छाजेद अभय भाकचत्व, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे पुणे सिटी (महाराष्ट्र) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(135)/94—न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 5th October, 1994

NOTICE

S.O. 3019.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Chajed Abhay Bhakchand, Advocate for appointment as a Notary to practise in Pune City (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(135)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1994

सूचना

का. आ. 3020.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री रणधीर सिंह सरोहा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी ने उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस पात के लिए दिया गया है कि उसे फरीदाबाद जिला (हरियाणा) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(137)/94—न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 5th October, 1994

NOTICE

S.O. 3020.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Randhir Singh Saroha, Advocate for appointment as a Notary to practise in Distt. Faridabad (Haryana).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(137)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1994

सूचना

का. आ. 3021.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री माधो राम चौधरी, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे फतेहाबाद, हिमार जिला (हरियाणा) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(138)/94—न्यायिक]

पी. वी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 5th October, 1994

NOTICE

S.O. 3021.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Madho Ram Chaudhary, Advocate for appointment as a Notary to practise in Fatehabad, Distt. Hissar (Haryana).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(138)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1994

सूचना

का. आ. 3022.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री चन्द्र प्रकाश तिवारी, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे भीलबाड़ा (राजस्थान) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(136)/94—न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 5th October, 1994

NOTICE

S.O. 3022.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Chandra Prakash Tewari, Advocate for appointment as a Notary to practise in Bhilwara (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(136)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1994

सूचना

का. आ. 3023.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री आर. एन. वानी के उक्त प्राधिकारी वो उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे मीरा रोड, याणे जिला (महाराष्ट्र) व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(143)/94—न्यायिक]

पी. सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 6th October, 1994

NOTICE

S.O. 3023.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. R. N. Vani, Advocate for appointment as a Notary to practise in Mira Road, Thane Distt. (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(143)/94-Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1994

सूचना

का. आ. 3024.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री साहब राम स्वामी, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी के उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे सूरतगढ़, जिला श्री गंगानगर (राजस्थान) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(144)/94—न्यायिक]
पी. सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 6th October, 1994

NOTICE

S.O. 3024.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Sahabram Swami, Advocate for appointment as a Notary to practise in Suratgarh, Distt. Sriganganagar (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(144)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1994

सूचना

का. आ. 3025.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री शिमिल फर्नान्डिज एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे तिलों (कवीर्णों) (केरल) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(145)/94—न्यायिक]

पी. सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 6th October, 1994

NOTICE

S.O. 3025.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Sisil Feraandez, Advocate for appointment as a Notary to practise in Quilon (Kerala).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(145)/94-Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1994

सूचना

का. आ. 3026.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्रीपति काण्णी कण्णप, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे गाढ़ीय राजधानी दिल्ली क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(143)/94—न्यायिक]

पी. सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 6th October, 1994

NOTICE

S.O. 3026.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Mrs. Kashi Kashyap, Advocate for appointment as a Notary to practise in N.C.T. of Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(143)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1994

सूचना

का. आ. 3027.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री संतोष सिंह गिल, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे रोपड़ जिला (पंजाब) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(144)/94-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 7th October, 1994

NOTICE

S.O. 3027.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Santokh Singh Gill, Advocate for appointment as a Notary to practise in Ropar Distt. (Punjab).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(144)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1994

सूचना

का. आ. 3028.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री मुरारी प्रसाद साहा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे बीगभूम जिला (पश्चिम बंगाल) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(141)/94-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 7th October, 1994

NOTICE

S.O. 3028.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Murari Prasad Saha, Advocate for appointment as a Notary to practise in Birbhum Distt. (West Bengal).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(141)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर, 1994

सूचना

का. आ. 3029.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री रमेश पंच. मोटवानी, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे बेम्बुर, बम्बई (महाराष्ट्र) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(151)/94-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 11th October, 1994

NOTICE

S.O. 3029.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Ramesh H. Motwani, Advocate for appointment as a Notary to practise in Chambur Bombay (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(151)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर, 1994

सूचना

का. आ. 3030:—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री नेमचन्द, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे लुधियाना (पंजाब) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(146)/94-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 11th October, 1994

NOTICE

S.O. 3030.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Nem Chand, Advocate for appointment as a Notary to practise in Ludhiana (Punjab).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(146)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर, 1994

सूचना

का.आ. 3031:—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री काजोरमल गुप्ता, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे लक्ष्मनगढ़, जिला, अलवर, (राजस्थान) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (152)/94-न्यायिक]
पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 11th October, 1994

NOTICE

S.O. 3031.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Kajormal Gupta, Advocate for appointment as a Notary to practise in Laxmangarh, Distt. Alwar, (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(152)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर, 1994

सूचना

का.आ. 3032:—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री अजय सिंहोही, एडवोकेट, ने उक्त प्राधिकारी द्वारा उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जिला मेरठ (उत्तर प्रदेश) में नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (147)/94-न्यायिक]
पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 11th October, 1994

NOTICE

S.O. 3032.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules 1956 application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Ajai Sirohi, Advocate for appointment as a Notary to practise in Distt. Meerut (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(147)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर, 1994

सूचना

का.आ. 3033:—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री शेष नाथ सिंह, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (150)/94-न्यायिक]
पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 11th October, 1994

NOTICE

S.O. 3033.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Shesh Nath Singh, Advocate for appointment as a Notary to practise in Gorakhpur (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(150)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर, 1994

सूचना

का.आ. 3034:—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री मिथेलेण कुमार शाहिंदल्य, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (148)/94-न्यायिक]
पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 11th October, 1994

NOTICE

S.O. 3034.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Mithlesh Kumar Shandilya, Advocate for appointment as a Notary to practise in Aligarh (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(148)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 1994

मूच्चना

का. आ. 3035.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसार में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह मूच्चना दी जाती है कि श्री वसंत राव माधोराव करहाळे, एडवोकेट ने, उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे परम्परी (गहाराठ) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आवेदन इस मूच्चना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर नियित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (149)/94-न्यायिक]
पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 17th October, 1994

NOTICE

S.O. 3035.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Vasantrao Madhorao Karhale, Advocate for appointment as a Notary to practise in Parbhani (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(149)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 1994

मूच्चना

का. आ. 3036.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसार में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह मूच्चना दी जानी है कि श्री चानन सिंह जामू, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जालंधर, चिट्ठी (पंजाब) में, व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आवेदन इस मूच्चना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर नियित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (154)/94-न्यायिक]
पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 17th October, 1994

NOTICE

S.O. 3036.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Channa Singh Janu, Advocate for appointment as a Notary to practise in Jalandhar City (Punjab).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(154)/94-Judl.]

P.C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 1994

मूच्चना

का.आ. 3037:—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसार में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह मूच्चना दी जाती है कि श्री एन.एस. सुरी, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे डिकेंस कालीनी, दिल्ली (गढ़ीय गजधारी) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आवेदन इस मूच्चना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर नियित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (153)/94-न्यायिक]
पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 17th October, 1994

NOTICE

S.O. 3037.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. N. S. Suri, Advocate for appointment as a Notary to practise in Defence Colony, i.e., NCT of Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(153)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

गृह मंत्रालय

(पुनर्वासि विभाग)

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1994

का. आ. 3038:—निष्कालन संपत्ति प्रबन्ध अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय गरकार गदाय के संग्राहक के निजी महायक को थोनाधिकार के भीतर मद्रास के संग्राहक के अतिरिक्त निजी मधिव के रूप में उनके कार्य के अलावा उद्दृत अधिनियम द्वारा अथवा उसके अन्तर्गत ऐसे महायक अभिग्रहक को संपी गए कार्यों के निष्कालन के प्रयोजन से निष्कालन संपत्ति का महायक अभिग्रहक नियुक्त करती है।

[सं. 1(5)/94-वन्दोवस्त (ख)]
प्रार. एस. श्रूजा, अवर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Rehabilitation Division)

New Delhi, the 31st August, 1994

S.O. 3038.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950) the Central Government hereby appoints the Additional Personal Assistant to the Collector of Madras as Assistant Custodian of Evacuee Property, in addition to his own duties as additional Personal Assistant to the Collector of Madras within jurisdiction for the purpose of performing the functions assigned to such Assistant Custodian by or under the said Act with immediate effect.

[No. 1(5)/94-Settlement (B)]

R. S. AHUJA, Under Secy.

संगठन का नाम

दीनदयाल रिसर्च इंस्टीट्यूट,
7-E, जानी राम तीर्थ नगर,
रानी झांसी मार्ग
नई दिल्ली-110055.

यह अधिसूचना दिनांक 7-4-94 से 31-3-97 तक अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी— 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लानी होता है।

2. संगठन को सुनाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन के अधिकार बहाने के लिए आयकर आपातक/आयकर निदेशक (छृट) जिनके सेवाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छृट), कलकत्ता भी तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियो सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या: 1157 : (एफ. सं. एन. डी. 123 म.नि./आ.क.
(छृट) 35(1)(iii)/94]

राजेन्द्र सिंह, उग निदेशक

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

आयकर महानिदेशक (छृट) का कार्यालय

कलकत्ता, 15 जुलाई, 1994

आयकर

का. आ. 3039.—गर्वमानारण को प्रभूत्वात् सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अनुरूप (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन यिहां प्राधिकारी द्वारा तिनान्तिकृत गती पर "संस्थान" संवर्तन के अधीन अनुमोदित किया गया है—

(i) संगठन/अनुसंधान कार्यों के लिए अनुग्रह लेवा बहिर्भूत स्वेच्छा;

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वैज्ञानिक प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सन्निवेश, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रीवीलिमिटी रिसर्च", न्यू मेहरानी रोड, नई दिल्ली-110016, की सेवेगा; और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-गरीबित वाणिक लेवा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छृट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयकर/आयकर महानिदेशक (छृट) जिनके द्वेषिकार में उन संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) से दो गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छृट के बारे में लेखा-परीक्षित, आयकर विभाव को भी प्रस्तुत करेगा।

2399 GI/94—2

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

Office of the Director General of Income-tax (Exemption)
Calcutta, the 15th July, 1994.

INCOME TAX

S.O. 3039.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehranli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Deen Dayal Research Institute,
7-E, Giani Ram Tirth Nagar,
Rani Jhansi Marg,
New Delhi-110055.

This Notification is effective for the period from 7-4-1994 to 31-3-1997.

(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1157/F. No. DG/IT(E)/ND-123/35(1)(ii)/94]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 18 जुलाई, 1994

आयकर

प्रा. प्रा. 3040.—सर्वसाधारण को एतद्वारा मूल्यित किया जाता कि निम्नलिखित तंगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 उपधारा (1) के बाइ (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "मंध" संबंधे के लिए अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिर्भूत रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विस्तृत वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन," न्यू मैहरीली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक सेष्टा-परीक्षित आधिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ष) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके द्वाविकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) से दी गई नियम किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में सेष्टा-परीक्षित आय-व्यय दिमाव को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

भारतीय विद्या भवन,
के एम. मुंशी मार्ग,
वस्टडी-400007

यह अधिसूचना विनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- उपर्युक्त शर्त (1) "मंध" जैसा मंदर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुमाप दिया जाता है कि वे अनुमोदित की अवधि यहाँ के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके द्वाविकार में संगठन पड़ता है के साथसम गे आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदित की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियो सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या: 1158 /एफ. सं. एम-42/कल. मनि.आ.क. (छूट)

35(1)(ii)/89]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 18th July, 1994

INCOME TAX

S.O. 3040.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Associations" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Bhartiya Vidya Bhavan,
K. Munshi Marg,
Bombay-400007.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1158/F. No. DG/IT(E)/M-42/Cal/35(1)(i)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 18 जुलाई, 1994

आयकर

प्रा. प्रा. 3041.—सर्वसाधारण को एतद्वारा मूल्यित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 ली उपधारा (1) के बाइ (ii) के लिए, आयकर नियम के लियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "मंध" संबंधे के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अमन लावा नियमों व्युत्पन्न।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विस्तृत वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन," न्यू मैहरीली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षीत वार्षिक तेजा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयकर/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके खेत्राधिकार में उत्तम संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छट के बारे में लेखा-परीक्षीत आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

बम्बई नेचरल हाइट्सी सोसायटी,
हार्टविल हाउस,
डा. सालीम अली चौक
णहीद भगत सिंह रोड,
बम्बई-400023

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उर्ध्वका धारा (1) "संघ" जैसा संबंध के लिए सागृ नहीं होगा।

2. संगठन को सुमाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयकर/आयकर निदेशक (छट) जिनके खेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किस आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 1159/(एफ. सं. एम-55/कल म.नि./आ.क. (छट))
35(1)(ii) 89-]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

INCOME TAX

Calcutta, the 18th July, 1994

S.O. 3041.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Bombay Natural History Society
Hornbill House
Dr. Salim Ali Chowk
Shaheed Bhagat Singh Road
Bombay-400023.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-1995.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1159/F. No. DG/IT(E)/M-35/35(1)(ii)/89].

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 18 जुलाई, 1994

आयकर

का०प्रा० ०४२—सर्वांगाधारण को एनडीआर सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अन्तर्गत (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन वित्ति प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संबंध के द्वारा अनुमोदित किया गया है।—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिरां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रयोग विराय वर्ष के लिए, प्रयोग वर्ष के 31 मर्च तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिकी भवन" में भैरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षीत वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयकर/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके खेत्राधिकार में उत्तम संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छट के बारे में लेखा-परीक्षीत आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ माइक्रोसर्स हेल्प
द्वारा बी. जी. एम. एल. हस्पताल,
चैम्पियन रिफरे-स पोस्ट आफिस
के. जी. एफ. 563 117 (बंगलौर)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उर्ध्वका धारा (1) "संघ" जैसा संबंध के लिए सागृ नहीं होगा।

2. संगठन को मुक्ताव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में आवेदन करे, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में कि आयेदेनपत्र की 6 प्रतियों गतिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1160 /एफ. सं. के. टी. 28 म.नि./आ.क. (छट)
35(1)(ii)/90]

राजेन्द्र मिह, उप निदेशक

Calcutta, the 18th July, 1994

INCOME TAX

S.O. 3042.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

National Institute of Miner's Health
C/o BGML Hospital,
Champion Refes. P.O.
K.G.F.-563117 (Bangalore)

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1995.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1160/F. No. DG/IT(E)/KT-28/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 18 जुलाई, 1994

आयकर

का०प्रा० 3043—सर्वेताथारण को एन्ड्रारा शुचित किया जाता है कि निम्नविवित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अन्तर्गत (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम

6 के अधीन विवित प्राधिकारी द्वारा निम्नविवित शर्तों पर "संघ" संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- संगठन अनुमोदन कार्यों के लिए अलग लेखा बहिर्यां रखेगा।
- यह अपने ऐजेंटिक अनुमोदन मम्बर्थों कार्यों का एक वार्षिक विवरण अन्वेत विलोप वार्षों में लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक रखिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रीटो-गियरी घरन" ये महाराजी रोड, नई दिल्ली-110016 ओर भेजेगा, और
- यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर सका लेखा-पर्सनली वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट), (ख) मन्त्रिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में उस संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्ट किया गम्भीर्यस्त दृष्ट के बारे में लेखा-पर्सनली आय-व्यय दियाव को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दी वांश होली फॉमिली मेडिकल
रिसर्च सोसाइटी,
संत अद्ध्रास रोड, वाद्रा
बम्बई-50

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त धारा (1) "संघ" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होता।

- संगठन को मुक्ताव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में आवेदन करे, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में कि आयेदेनपत्र की 6 प्रतियों गतिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1161 /एफ. सं. एम-93 मनि./आ.क. (छट)/
35(1)(ii)/90]

राजेन्द्र मिह, उप निदेशक

Calcutta, the 18th July, 1994

INCOME TAX

S.O. 3043.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The Bandra Holy Family Medical Research Society,
St. Andrew's Road, Bandra,
Bombay-50.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1995.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1161/F. No. DG/IT(E)/M-93/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 18 जुलाई, 1994

आयकर

का.या. 3044—संवेदन को प्रत्येक सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपचारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर विषय के विषयमें अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संबंधी के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग सेवा बहिरां रखेगा।

(ii) यह शान्त वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वैज्ञानिक प्रत्येक विस्तीर्ण वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन,” न्यू महरोली रोड, नई-दिल्ली - 110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक नेत्रो-परीक्षित वैदिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयकर महानिदेशक (छट) जिनके धेयाधिकार में उन संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छट के बारे में नेत्रो-परीक्षित आय-न्याय हिमाव को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कर्नाटक इंस्टीट्यूट ऑफ अप्लाइड
अण्ड्रीकल्चरल रिसर्च,
पी. ओ. सर्मारवदी, जिला--विजापुर
कर्नाटक-587316

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1995 तक की
अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी—1. उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संबंधी के लिए लाए नहीं देंगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदित की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर अधिनियम/आयकर निदेशक (छट) जिनके धेयाधिकार में संगठन पड़ता है के साथम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतिवर्ष में आयोद्धन करें, अनुमोदित की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतिवर्ष सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1162/एफ. सं. के.टी./11/ म.नि.शा.क. (छट)/
35(1)(ii)/89]

राजद्रष्ट रिह, उप-निदेशक

Calcutta, the 18th July, 1994

INCOME TAX

S.O. 3044.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Associations” subject to the following conditions :—

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ;

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Karnataka Institute of Applied Agricultural Research,
P.O. Samcerwadi,
Dist. Bijapur (Karnataka),
PIN-587316.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1995.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1162/F. No. DG/IT(E)/KT-11/35(1)(ii). 89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता 18 जुलाई, 1994

आयकर

का.शा. 3044.—संवेदाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के बाण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संघर्ष के प्रधान अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अन्य संस्था वहिया रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संभवी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संबित्त वैज्ञानिक अनुसंधान विभाग, "प्रोटोनिकी भवन" न्यू महरीली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक ऐसा परीक्षित आवधि लेखा की प्रति (क) आयकर मन्त्रनिवेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग; और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके अंतर्भुत विभाग में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई विवरण कार्यों संबंधी छूट के बारे में नेतृत्व-परीक्षित आय-व्यव हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

मुकुन्द फैडरेण्ट फॉर अग्रीकल्चरल
रिमर्च, 41-एफ वैकटस्वामी रोड,
आइ-एस. पुरम,
कोयम्बटूर-641002

गह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की की अवधि के लिए, प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघर्ष के लिए खाली नहीं होगा।

2. संगठन को मुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महा निदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतिमों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियो सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 1163/ (एक. म. टि. एन-16 म.नि./आ.क. (छूट)/
35(1)(ii)/89]

राजेन्द्र सिंह, उप-निदेशक

Calcutta, the 18th July, 1994

INCOME TAX

S.O. 3045.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :—

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology' Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Mulund Foundation for Agricultural Research, 41-F Venkatasamy Road, R.S. Puram, Coimbatore-641002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1163/F. No. DG/IT(E)/TN-16/35(1)(ii)/89].
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 18 जुलाई, 1994

आयकर

का.शा. 3046.—संवेदाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के बाण्ड (2) के लिये आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अन्य संस्था वहिया रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग "प्रोटोनिकी भवन" न्यू महरीली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक नेतृत्व-परीक्षित वार्षिक सेवा की प्रति (क) आयकर मन्त्रनिवेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक अनुसंधान विभाग; और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर मन्त्रनिवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई विवरण कार्यों संबंधी छूट के बारे में नेतृत्व-परीक्षित आय-व्यव हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

निम्बकर श्रीकंचरल रिसर्च,
इंस्टिट्यूट, प.ओ. बाबरम-44
फलटन-415523

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की
अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :- 1. उपर्युक्त गति (i) "संघ" जैसा संबंध के लिए लागू
नहीं होगा।

2. संगठन को सुशाब्द दिया जाता है कि वे अनुमोदन की
अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयकर निदेशक
(छट) जिनके द्वेषाधिकार में संगठन पड़ता है के
माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को
तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि
बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों
सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को
प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 1164/ए.सं.एम-16/म.नि./आ.क. (छट)/
35(1)(ii)/89]
राजेन्द्र मिह, उप निदेशक

Calcutta, the 18th July, 1994

INCOME TAX

S.O. 3046.—It is hereby notified for general information
that the organisation mentioned below has been approved by
the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax
Rules for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of
Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category
"Association" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Nimbkar Agricultural Research
Institute, P.O. Box 44,
Phaltan, Pin-415523,
Maharashtra.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner

of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1164/F. No. DG/IT(E)/M-16/35(1)(ii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 18 जुलाई, 1994

आयकर

का०था० 3047—सर्वसाधारण को एक्टडाइर मूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 को उपचारा (1) के छठे (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विकृत प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गति पर "संघ" संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा विभिन्न रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक व्याविक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'प्रोडोगिकी भवन' नं० मेरहरीनो रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वर्तिक लेखा वा गति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग; और (ग) आयकर आयकर आयकर महानिदेशक (छट) जिनके द्वेषाधिकार में उन संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में श्री गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धी छट के बारे में वैज्ञानिकीय आय-व्यय क्रियाएँ भी प्रस्तुत करेंगा।

संगठन का नाम

वी.एम. . आयलशीड्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
908, आकाश दीप ब्रिलिंग, 26-ए, बाराबर्स्वा रोड,
नई दिल्ली-110001.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की
अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त गति (1) "संघ" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं
होगा।

2. संगठन को सुशाब्द दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि
बढ़ाने के लिए आयकर आयकर निदेशक (छट) जिनके
द्वेषाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महा-
निदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें,
अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र
की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान
विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 1165/ए.सं.एन.डी.-109 म.नि./आ.क. (छट)/
35(1)(ii)/93]

राजेन्द्र मिह, उपनिदेशक

Calcutta, the 18th July, 1994

INCOME TAX

S.O. 3047.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

VMA Oilseeds Research and Development Institute, 908, Akash Deep Building, 26-4, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1165 'B' No. DG/IT(E)/ND-109/35(1)(ii)/93]

R. SINGH, Dy. Director

Calcutta, 18 July, 1994

आयकर

का.आ. 3048.—मर्वाधारण को एतद्वाग मूलिक किया जाना है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अधीन (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विद्युती प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित नं। पा. "मर्वा" गंवार के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान शार्थी के लिए प्रलग लेखा अद्यां चलेगा ।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक व्यापिक विवरण अध्येक विनीय वर्ष के लिए, प्रथम वर्ष के 31 मई तक मन्त्रित, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन," न्यू मैट्रोपोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अगस्त तक लेखा-पर्गेश्वित व्यापिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके लोकाधिकार में उत्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिमर्क कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-पर्गेश्वित आय-दाय दिग्गज को भी प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम

इस्टिट्यूट फॉर स्टडीज इन इंडस्ट्रियल ऐवलपमेंट नरेन्द्र निकेन, पुलिम ट्रैडिंगार्ट के पीछे, इन्डिप्रस्थ प्रस्टेट, नई दिल्ली-110002

यह अविस्मृता दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है ।

टिप्पणी 1. उपर्युक्त धर्त (1) "मर्वा" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा ।

2. संगठन को मुमाल दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके लोकाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकता की भीन प्रतियोगी में आवेदन करें, अनुमोदन वाली अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र भी 6 प्रतियां गतिविधि वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है ।

[संख्या : 1166/एफ. सं. एन. डी.-9 / म.नि./ग्रा. क. (छूट) / 35 (1) (iii) / 89]

राजेन्द्र मिह, उप निदेशक

Calcutta, the 18th July, 1994

INCOME TAX

S.O. 3048.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Institute for Studies in Industrial Development, Narendra Niketan, Behind Police Hqrs., Indraprastha Estate, New Delhi-110002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1166/F. No. DG/IT(E)/ND-9/35(1)(ii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 18 जुलाई, 1994

आयकर

का.आ।. 3049 :—संबंधित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के उपर्युक्त (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राथिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संबंध के अनुमोदित किया गया हैः—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए आयकर संबंधी रखेगा।

(ii) वह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वापिक विवरण प्रत्येक विस्तृत वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संचित, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मैहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वापिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिवेशक (छूट), (ख) संचित, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिवेशक (छूट) जिनके भ्रेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

पोस्टल रिसर्च इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया
सेक्टर 19, डूड़ाहेरा, दिल्ली, गुडगांव रोड,
गुडगांव-122001 हरियाणा

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभासी है।

टिप्पणी :- 1. उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुमाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके भ्रेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता

की तीन प्रतियों में व्यावेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए व्यावेदन-पत्र की 6 प्रतियां संचित, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1167/(एफ. सं. एच-1/म.नि./आ.क. (छूट)/35(1)(ii)/89]

राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 18th July, 1994

INCOME TAX

S.O. 3049.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Associations” subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, ‘Technolog. Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Potash Research Institute of India,
Sector-19, Dundahera,
Delhi-Gurgaon Road,
Gurgaon-122001, Haryana.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1167/F. No. DG/IT(E)/H-1/35(1)(ii)/89]
R. SINGH, Dy. Director

गोकर्णा, 18 जनवारी, 1994

आयकर

का. आ. 3050.—सर्वमाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन वैज्ञानिक प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संबंध के अनुमोदित किया गया है:—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा वहियां रखेगा;
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान मन्त्रन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन”, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-प्रतीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयकर/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-प्रतीक्षित आय-व्यय द्विसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

वी. वाई. एल. नायर चैरिटेबल हास्पिटल
एंड टी. एल. मेडिकल कालेज रिसर्च
सोसायटी, डा. ए. एल. नायर रोड,
बम्बई-8

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-95 तक की की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयकर/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें,

अनुमोदन की अवधि नडाने के मंत्रधर में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग का प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1168/एफ. सं. एम-133 म.नि./आ.क. (छूट)/
35(1)(ii)/90]

राजेन्द्र मिह, उप निदेशक

INCOME TAX

Calcutta, the 18th July, 1994

S.O. 3050.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Association” subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mchrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

BYL Nair Charitable Hospital and,
TN Medical College Research Society,
Dr. A. L. Nair Road,
Bombay-8.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-1995.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1168/E. No. DG/IT(E)/M-133/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 18 जुलाई, 1994

Calcutta, the 18th July, 1994

आयकर

का०आ० 3051.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन प्रनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा वहियां रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन”, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर शायुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके द्वेष्टाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धी (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

क्रिस्चीयन मेडिकल कालेज,
लूधियाना सोसायटी ब्राउन रोड,
लूधियाना, पंजाब-141008

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा प्रबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को मुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर शायुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके द्वेष्टाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियां में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1169/एफ. सं. पि.-८ म.नि./ग्रा. क. (छूट)/
(35(1)(ii)/93]

राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

S.O. 3051.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category ‘Institution’ subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Christian Medical College, Ludhiana Society, Brown Road, Ludhiana, Punjab-141 008.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1995.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1169/F. No. DG/IT(E)/F-8 (35(1)(ii)/93)]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 18 जुलाई, 1994

आयकर

का०आ० 3052 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा ;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके अधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धी (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम

अमूल रिसर्च डेवलपमेंट एसोसियेशन,
अमूल डेयरी, आनन्द-388001
गुजरात

यह अधिसूचा विनांक 1-4-94 से 31-3-95 तक की अधिकारी के लिए प्रभावी है ।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा ।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अधिकारी के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके अधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अधिकारी के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है ।

[संख्या : 1170/एफ. सं. जि-36/म.नि./आ. क. (छूट)
35(1)(ii)/90]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 18th July, 1994

INCOME TAX

S.O. 3052.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6, of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;

- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Amul Research Development Association, Amul Dairy Ahmedabad-388 001, Gujarat.

This Notification is effected from the period from 1-4-1994 to 31-3-95

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval should be sent directly to the Secretary, (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1170/F. No. DG/IT(E)'G-36/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 18 जुलाई, 1994

आयकर

का०शा० 3053.—सर्वसाधारण को एवं दूरा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपशारा (1) के अनुरूप (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "शंखा" संबंधी के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31, अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) मन्त्री, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके अधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धी छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम

ऑल इंडिया इस्टिट्यूट ऑफ फिजीकल
मेडिकल प्रैंड रिहॉबीलीटेशन सोसायटी फॉर प्रमोशन
ऑफ मेडिकल रिसर्च, हाजी अली पार्क, महालक्ष्मी,
बम्बई-34

यह अधिरुचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-96 तक की
अधिकारी के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त गति (1) "संघ" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं
होगा।

2. संगठन को मुझाब दिया जाता है कि वे अनुमोदन की
अधिकारी बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक
(छूट) जिनके अधिकारी भौतिकीय में संगठन पड़ता है के माध्यम
में आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतिशत
में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में
किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतिशत सचिव, वैज्ञानिक और
औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1171/एफ. सं. एम-134/म.नि./ग्रा. क. (छूट)/
35(1)(ii)/90]
राजेन्द्र सिंह, उप निवेशक

Calcutta, the 18th July, 1994

INCOME TAX

S.O. 3053.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

All India Institute of Physical Medicine & Rehabilitation Society for Promotion of Medical Research, Haji Ali Park, Mahalaxmi, Bombay-34.

This Notification is effected from the period from 1-4-94 to 31-3-96.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax

(Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1171/F. No. DG/IT(E)/M-134/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 18 जुलाई, 1994

आयकर

का०आ० 3054.—उर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गति पर "संघ" संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा वहियां रखेगा।
- (ii) यह धर्मों वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वैज्ञानिक विवरण प्रयोग वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक नवीन, वैज्ञानिक वैज्ञानिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू महरीली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा को प्रति (क) आयकर महानिवेशक (छूट), (ख) वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिवेशक (छूट) जिनके अधिकारी में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सोसायटी फॉर सोलन चेंज,
एच-47, एम.आई.जी. कालोनी,
इंदौर-8

यह अधिरुचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की
अधिकारी के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त गति (1) "संघ" जैसा संबंध के लिए लागू
नहीं होगा।

2. संगठन को मुझाब दिया जाता है कि वे अनुमोदन की
अधिकारी बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक
(छूट) जिनके अधिकारी में संगठन पड़ता है के माध्यम
से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतिशत
में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में
किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतिशत सचिव, वैज्ञानिक और
औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1172/एफ. सं. एम.पी/7 म.नि./ग्रा. क. (छूट)/
35(1)(iii)/92]

राजेन्द्र सिंह, उप निवेशक

Calcutta, the 18th July, 1994

INCOME TAX

S.O. 3054.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6, of the Income-tax Rules for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act 1961, under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Society for Social Change, H-47, MIG Colony, Indore-8.

This Notification is effected from the period from 1-4-93 to 31-3-96.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1172/F. No. DG/IT(E)/MP-7/35(1)(iii)]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 18 जुलाई, 1994

आयकर

का.आ. 3055.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आवकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान गमनग्री कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक दिल्लीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक मन्त्रिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रोद्योगिकी भवन" न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक नेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिमर्च कार्यों से सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परिक्षित आयव्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

पेट्रोलियम कंजरवेशन रिसर्च एसोसिएशन,
1008, नई, दिल्ली हाउस, 27,
बाराबंदा रोड, नई विल्सी।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की आवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियां में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1173 एफ. सं. एन.-डी-30 म.नि/आ.क. (छूट)/
35(1)(ii)/891

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 18th July, 1994

INCOME TAX

S.O. 3055.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of

Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan'
New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every
financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Petroleum Conservation Research Association, 1008, New Delhi House, 27, Barakhamba Road, New Delhi.

This Notification is effected from the period from 1-4-94 to 31-3-97.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1173/F. No. DG/IT(E)/ND-30/35(1)(ii).89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 18 जुलाई, 1994

आयकर

का.आ. 3056.—सर्वसाधारण को एतद्वाबाग सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया हैः—

(i) पंगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विलीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक य औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परिक्षीत वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों से अनुसंधान छूट के बारे में लेखा-परिक्षीत आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

आरोविल फाउण्डेशन, भारत निवास,
आरोविल 605101,
पांडेचरी

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त खण्ड (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[मंख्या : 1174/एफ. सं. टि.एन.-53 म.नि./आ.क. (छूट) / 35(1)(ii)/92]

राजेन्द्र, मिहू उप निदेशक

Calcutta, the 18th July, 1994

INCOME TAX

S.O. 3056.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research Activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Auroville Foundation, Bharat Niwas, Auroville-605 101, Pondicherry.

This Notification is effected for the period from 1-4-94 to 31-3-97.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1174 (P. No. DG/IT(E)/TN-53/35(1)(ii)/92]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 18 जुलाई, 1994

आयकर

का.आ. 3057.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गतीय पर “संस्था” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए भलग लेखा बहिर्यां रखया।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक

(छूट), (ख) वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके अंत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के आरे में लेखा-परीक्षित आय व्यव हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

हिंद मेन्स एसोसिएशन,
डॉ. विक्रम साराभाई रोड, वस्त्रपुर,
अहमदाबाद-380015

यह अधिसूचना दिनांक 1-6-94 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1 उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2 संगठन को मुकाबला दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके अंत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पद की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1175/एफ. सं. जि-62 म.नि./आ. क. (छूट)/
35(1)(ii)/93]

राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 18th July, 1994

INCOME-TAX

S.O. 3057.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Hind Mom's Association, Dr. Vikram Sarabhai Road, Vastraput, Ahmedabad-380 015.

This Notification is effected for the period from 30-6-94 to 31-3-97.

Notes : (i) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1175/F, No. DG/IT(E)/G-62/35(1)(ii)/93]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता 18 जुलाई, 1994

आयकर

का. आ. 3058.— सर्वेसाधारण को एन्ट्रद्वारा सूचित किया जाना है कि निम्नलिखित संगठन वो, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्ननिम्नित शर्तों पर "संस्था" संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिर्यां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्तिक विश्वरण प्रवेक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक मचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक जेवा-परीक्षित वार्तिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छट के आरे में लेखा-परीक्षित आय-ध्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

विठ्ठल मल्लिया साइंटिफिक रिसर्च फाउण्डेशन,
1, विठ्ठल मल्लिया रोड,
बंगलौर-560 001

यह अधिगृहना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2 संगठन को सुमात्रा दिया जाना है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में मंगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सत्रिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1176 (एफ. सं. के टी.-1 स.नि./आ.क. (छट)/35(1)(ii) /90]
राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 18th July, 1994

INCOME-TAX

S.O. 3058.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Vittal Mallya Scientific Research Foundation, 1, Vittal Mallya Road, Bangalore-560 001.

This Notification is effected for the period from 1-4-94 to 31-3-97.

NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1176/F, No. DG/IT(E)/KT-J/35(1)(ii)/90]
R. SINGH, Dy. Director

करकत्ता, 18 जुलाई, 1994

INCOME-TAX

आयकर

का.आ. 3059 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विद्वित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संबंध के प्रधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षीत वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षीत आय-व्यय हिस्त्र को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

लाल चन्द अग्रीकल्चरल रिसर्च
इंस्टिट्यूट, फ्लैट नं. 4 और 5, दूसरा माला,
कमशियल कम्प्लेक्स, माविदी सिनेमा के पीछे,
जी. के. पार्ट-II, न. दि.-48

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1 उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम में आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1177 (एफ सं. एन. डी/75म.नि./आ.क. (छूट)
35(1)(ii)/90]
राजेन्द्र मिश्र, उप निदेशक

Calcutta, the 18th July, 1994

S.O. 3059.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Association” subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’ New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner, of Income-Tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Lal Chand Agricultural Research Institute,
Flat No. 4 & 5, 2nd Floor,
Commercial Complex, Behind Savitri Cinema,
GK Pt-II, New Delhi-48.

This notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

- Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-Tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1177/F. No. DG/IT(E)/ND-75/35(1)(ii), 90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 29 जुलाई, 1994

Calcutta, the 29th July, 1994

आयकर

का.आ. 3060—मर्वसाधारण को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहिन प्राधिकारी द्वागे निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग नेष्ट्रा बहिर्यां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक आधिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रोटोटाइप्स की भवन” न्यू मैर्हरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक नेष्ट्रा-परीक्षित वापिक विवरण की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके भेजाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में नेष्ट्रा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को ही प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दि बम्बई टेक्सटाइल रिसर्च एम्सोसिएशन,
लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, घाटकोपर
(पश्चिम) बम्बई-400086

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन को अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके भेजाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1178 / एफ. सं. एम-79/म.नि./आ. क. (छूट)]

35(1)(ii)/90
राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

INCOME-TAX

S.O. 3060.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Maharauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemption) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The Bombay Textile Research Association
Lal Bahadur Shastri Marg,
Ghatkopar (West),
Bombay-400086.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1996.

- Note : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1178/F. No. DG/IT(E)/M-79/35(1)(ii)/90]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 29 जूनाई, 1994

आयकर

का.आ. 3061:- सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :-

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियों रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू लहरीली रोड, नई दिल्ली 110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ अरबन एफेस, 11, न्याय मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110021

यह अधिसूचिता दिनांक 1-4-90 से 1-3-91 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा प्रबंग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1179/एक. सं. प.न. डी-29 म.नि./आ.क. (छूट)/
35(1)(iii)/89]

राजिन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 29th July, 1994

INCOME-TAX

S.O. 3061.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category ‘Institution’ subject to the following conditions :-

- (i) The organisation will maintain separate books accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

National Institute of Urban Affairs,
11, Nyaya Marg,
Chankapuri,
New Delhi-110021.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTES :

- (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1179/F. No. DG/IT(E)/ND-20/35(1)(iii)/89]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 29 जूनाई, 1994

आय-कर

का.आ. 3062.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियों रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन”, न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ब) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

श्री अरबिंद इंस्टिट्यूट ऑफ एप्लाइड माइट्रोफिक रिसर्च ट्रस्ट,
एकादशी हाउस, 12, मारवा स्ट्रीट,
पॉंडिचेरी

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" ऐसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1180/एफ. सं. पोड-2 म.नि./आ. क. (छूट)/
35(1)(ii)/89]
राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 29th July, 1994

INCOME TAX

S.O. 3062.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for

every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Sri Aurobindo Institute of Applied Scientific Research Trust,
Pondicherry House,
12, Maravadi Street, Pondicherry.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 758/F. No. DG/IT(E)/W.B-8/Cal/35(1)

[No. 1180/F. No. DG/IT(E)/Pond-2/35(1)(ii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 29, जुलाई 1994

आयकर

का. आ. 3063.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अन्दर (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा वहियाँ रखेगा ;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष

- के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाच को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

हार्ट फाउण्डेशन एंड रिसर्च इन्स्टीट्यूट,
सी-11, मिल्वर ए.आर.सी. नोयर गुजरात कालेज,
रेलवे क्रासिंग, एलिक ब्रीज,
अहमदाबाद-380006

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-4-95 तक को
प्रवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :— 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के
लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुशाब्द दिया जाता है कि वे
अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर
आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके
क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम
से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता
को तीन प्रतियां में आवेदन करें, अनुमोदन
की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-
पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और
औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत
करना है।

[संख्या : 1181/एफ. सं. जि-24 म.नि./आ. क. (छूट)/
35(1)(ii)/90]

राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 29th July, 1994

INCOME TAX

S.O. 3063.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Heart Foundation & Research Institute,
C-11, Silver ARC, Near Gujarat College,
Railway Crossing, Ellie Bridge,
Ahmedabad-380006.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1995.

NOTES :

- Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1181/F. No. DG/IT(E)/G-24/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 29 जुलाई, 1994

आयकर

का.आ. 3064.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेवा बहिर्यां रखेगा ;

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक

वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

विपासना रिसर्च इंस्टीट्यूट,
ग्रीन हाउस, ग्रीन स्ट्रीट,
बम्बई-400023

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की विधि के लिए प्रभाशो है।

टिप्पणी : 1.—उपर्युक्त गति (1) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को मुक्ताव दिया जाता है कि वे अनुमोदन को अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1182/एफ. सं. एम-140 म.नि./आ. क. (छूट)/
35(1)(iii)/90]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 29th July, 1994

INCOME-TAX

S.O. 3064.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific Research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Account's and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Vipassana Research Institute,
Green House, Green Street,
Bombay-400023.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1182/F. No. DG/IT(E)/M-140/35(1)(iii)/91]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 29 जुलाई, 1994

आयकर

का. आ. 3065.—संवर्साधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गतीय पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा;
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च
और इंटरनेशनल इकोनोमिक लिरलेशन
40, लोधी स्टेट, नई दिल्ली-110003

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पण : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवंग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अधिक बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1183/(एफ. सं. एन. डि-23 म.नि./आ.फ. छूट]
35(1)(iii) /89]

राजेन्द्र सिंह, उप निवेशक

Calcutta, the 29th July, 1994

INCOME-TAX

S.O. 3065.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for

every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Council for Research on International Economic Relations,
40, Lodi Estate,
New Delhi-110003.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1996.

Notes :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1183/F. No. DGIT(E) ND-23|35(1)(iii)|89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 24 जुलाई, 1994

आयकर

का. आ. 3066.—सर्वसाधारण को एन्ड्रारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली 110016 को भेजेगा; और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक नेत्रा-परीक्षित वार्षिक लेखा को प्राप्त (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक थनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित छूट के बारे में नेत्रा-परीक्षित आयव्यय द्विसाल को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नानावती हास्पिटल मेडिकल रिसर्च सेंटर,
स्वामी विवेकानन्द रोड,
विले पार्क (प.)
बम्बई-400056

गह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संबंध के लिए नागृ नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया आता है कि वे अनुमोदन की अधिक बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर मिनिस्टर (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को सीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन यी अधिक बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या 1184 /एफ. सं. एम-58 म.नि./प्रा. क. (छट)
35(1)(ii) /89]

राजिनर पिंडु, उपनिदेशक

Calcutta, the 29th July, 1994

INCOME-TAX

S.O. 3066.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Nanavati Hospital Medical Research Centre,
Swami Vivekanand Road,
Ville Parle (West),
Bombay-400056.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

NOTES :

- Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1184/F. No. DGIT(E)|M-58|35(1)(ii)|89]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 29 जुलाई, 1994

आयकर

का.आ. 3067.—सर्वसाधारण को प्रदानारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अतीन विहित प्राधिकारी द्वारा - निम्नलिखित शर्तों पर "संघाद" संर्वां के अधिन अनुमोदित किया गया है :—

- संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहिष्ठा रखेगा।
- यह जाने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक

वर्ष के 31 मई तक संचित, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके धेनाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1)में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

फूटवीयर डिजाइन एंड डिवलपमेंट
इस्टिट्यूट, ए-8, सेक्टर 9,
नोयडा-201301

यह अधिसूचना दिनांक 28-10-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
 2. संगठन को सुनाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके धेनाधिकार में संगठन पड़ता है के भाष्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करनी हैं।

[संख्या : 1185/एफ. ए. जि-68-म.नि./आ. क. (छूट)
35(1)(ii) 94]

राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 29th July, 1994

INCOME-TAX

S.O. 3067.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Footwear Design & Development Institute,
A-8, Sector-IX,
NOIDA-201301.

This Notification is effective for the period from 28-10-93 to 31-3-1995.

NOTES :

- Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.
- The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1185/F. No. DG/IT(E)/G-68/35(1)(ii)/94]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 29 जुलाई, 1994

आयकर

का.आ. 3068.—भवंतीश्वारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम, के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा विभिन्न रखेगा।
- यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक

- अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिवेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

वाटर फाल्स इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी

ट्रांसफर, बाटरफाल्स जे.-29,

साउथ एक्सेंशन-1, नई दिल्ली-110049

यह अधिसूचना दिनांक 3-6-94 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुनिश्चित दिया जाता है कि ने अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करनी हैं।

[संख्या : 1186/एफ. सं. एन.डी-125/म.नि./आ.क. (छूट)/
35(1)(ii)/94]

राजेन्द्र सिंह, उपनिवेशक

Calcutta, the 29th July, 1994

INCOME-TAX

S.O. 3068.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Waterfalls Institute of Technology Transfer,
Waterfalls, J-29,
South Extension-1,
New Delhi-110049.

This Notification is effective for the period from 3-6-1994 to 31-3-1996.

NOTES :

- Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1186/F. No. DG/IT(E)/ND-125/35(1)(ii)/94]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 29 जुलाई, 1994

आयकर

का.आ. 3069.—संविधान को एकद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए मलग लेखा बहिर्या रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षीत वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आपूर्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च क्रिया-कलाप सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा परीक्षीत आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

हर्मोनि रिसर्च फाउण्डेशन,
ए. 8, वसुंधरा एंक्लेव,
बी-14, नीगर दालपुरा, नई दिल्ली ।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है

टिप्पणी:— 1 उपयुक्त शर्त (i) "संघ" जसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुधार दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आपूर्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलाकृता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संघर्ष में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1187/एफ. सं. एन.डी.-111 म.नि./आ.क. (छूट)/
35(1)(ii)/93]

राजन्द्र तिहा, उपनिदेशक

Calcutta, the 29th July, 1994

INCOME-TAX

S.O. 3069.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Hormone Research Foundation,
A-8, Vasundhara Enclave,
B-14, Near Dallupura,
New Delhi.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1996.

NOTES (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1187/F. No. DG/IT(E)/ND-111/35(1)(ii)/93]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 29 जुलाई, 1994

आयकर

का. आ. 3070—सर्वसाधारण की एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के छंड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर 'संस्थान' संवर्ग के अवीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिर्यां रखेगा,

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक प्रिवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मैर्होली रोड, नई दिल्ली-110 016 को भेजगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षीत वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आपूर्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है, और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च क्रिया कलाप सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षीत आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नाशन्दा डॉस रिसर्च सेंटर,
प्लॉट ए-7/1, एन.एस. रोड नं. 10,
जे. बी. पी. एस. स्कीम, विलेपार्स (प.)
बम्बई-400 049

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:— 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुनाय दिया जाता है कि वे अनुमोदित की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके भेजाधिकार में संगठन पड़ता है कि माध्यम से अवधि अनुमोदित निदेशक (छूट), कलकता को तीन प्रतियों में व्यापेदन करें, अनुमोदित की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 1188 : एफ. सं. एम-95/म.नि./प्रा. क. (छूट)/

35(1)(iii)/90]

राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 29th July, 1994

INCOME-TAX

S.O. 3070.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Nalanda Dance Research Centre,
Plot A-7/1, N. S. Road No. 10,
J.V.P.D. Scheme, Vir Park (W),
Bombay-400049.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1994.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions). Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1188/F. No. DG/IT(E)/M-95/35(1)(iii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकता, 29 जुलाई, 1994

आवेदक

कांसा. 3071 —सर्वमाधारण वो एतद्वारा सूचित दिया जाता है कि निम्नलिखित संगठन भी, आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 को उपधारा (1) के त्रैष्ठ (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिनियम द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" सर्वां के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) पंगठन अनुसंधान कार्यों के लिए प्रत्येक लेखा वहिया रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेरारोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (a) आयकर महानिदेशक (छूट), (b) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (c) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके भेजाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में वी गई रिसर्च कार्य-काला संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय विवाद को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नालंदा डांस रिसर्च सेंटर,
एस्टोट ए-7/1, एन.एस. रोड नं. 10,
जे. बी. पी. डी. स्कूल, विलेपाले (प.)
मम्बई-400049

यह आधिकृत दिनांक 1-4-91 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संर्वां के लिए नागृ नहीं होगा।
2. संगठन को सुनाय दिया जाता है कि वे अनुमोदित की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके भेजाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकता को तीन प्रतियों में व्यापेदन करें, अनुमोदित की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 1189/एफ. सं. एम-95 / म.नि./प्रा.क. (छूट)/
35(1) (iii)/90]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 29th July, 1994

INCOME TAX

S.O. 3071.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) or sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Nalanda Dance Research Centre, Plot A-7/1, N. S. Road No. 10, JVPD. Scheme, Ville Parle (W), Bombay—400 049.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to Organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1189 F. No. DG/IT(E)/M-95/35(1)(ii)/90]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 29 जुलाई, 1994

प्रावकर

का. ना. 3072.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, प्रावकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, प्रावकर नियम के नियम 6 के प्रतीन विहिन प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गार्ड पर "गंस्थान" संवर्ग के अधीन अनुपोक्ति किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिरां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वापिक विवरण प्रत्येक विविध वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" व्य. मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अप्रैल तक लेखा परीक्षित वापिक लेखा की प्रति (क) प्रावकर महानिवेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) प्रावकर प्रायुक्ति/प्रावकर महानिवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और प्रावकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35(1)में दी गई विसर्च किया से सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित प्रायुक्ति/प्रावकर हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

जवाहर लाल नेहरू कैसर अनुसंधान और निदान समिति, जे. एल. एन. मेडिकल कालेज, अजमेर।

यह अधिसूचना विनांक 7-4-94 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी ---

1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लाग नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए प्रावकर प्रायुक्ति/प्रावकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है कि माध्यम से प्रावकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में प्रावेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए प्रावेदन-पत्र की 6 प्रतियो सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1190/एफ. सं. आर-12 / भ.नि./प्रा.क. (छूट)/
35(1)(ii)/93]
राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 29th July, 1994

INCOME TAX

S.O. 3072.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Jawaharlal Nehru Cancer Anusandhan and Nidan Samiti, JLN. Medical College, Ajmer.

This Notification is effective for the period from 7-4-1994 to 31-3-1996.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to Organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1190/F. No. DG/IT(E)/R-12/35(1)(ii)/93]

R. SINGH, Dy. Director.

कलकत्ता, 29 जून 1994

आयकर

का. शा. 3073.—सर्वमाधारण को एतद्वारा सुनित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के ब्लृण्ड (iii) के लिये, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राविकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये भला लेखा बहिर्यां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान मञ्चनी कार्यों का एक वैज्ञानिक विवरण प्रत्येक वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संविधि, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेब्रा-परीक्षित नार्सिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) संविधि, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके भौतिकार में उक्त संगठन पड़ता है, और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेब्रा-परीक्षित आध-व्यय हिमाच गो भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

मंत्र कार्य प्रशास्त्र सीएनएस
एनालाइनिस इन डिवलपमेंट,
डी. 5/8, सलून्के बिहार
पृष्ठ-411048

यह अधिनियम दिनांक 1-4-94 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उत्तर्वित गति (1) "मर्थ" जैता संबंध के लिये लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुनित किया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके भौतिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों संविधि, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1191/एक. सं. एम-54 म.नि./आ.क. (छूट)
35(1)(iii)/89]

राजनीति रिपोर्ट, उपनिदेशक

Calcutta, the 29th July, 1994

INCOME TAX

S.O. 3073.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Centre for Applied Systems Analysis in Development,
D-5/8, Salunke Vihar, Pune—411 048.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1996.

NOTES :

- Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1191 (F. No. DG/IT(E)/M-54/35(1)(iii)/89]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 29 जुलाई, 1994

आदेश

का.आ. 3074.—सर्वसाधारण को एतद्वारा घूमित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के बंड(iii) के लिये, आयकर नियम के तियम 6 के अधीन विभिन्न प्राधिकारी द्वारा विभिन्न गार्ड "संस्थान" गंधर्व के प्रधीन प्रत्युमोदित किया गया है :—

(1) संगठन प्रनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखावहियां बनेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक प्रनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वापिस विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सविव, वैज्ञानिक व औद्योगिक प्रनुसंधान विभाग, "प्रोबोगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखावहियां वापिस लेवा की प्रति (क) आयकर गहानिदेशक (छट), (ख) सत्रिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक प्रनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर गहानिदेशक (छट) जिनके द्वेषाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई विवरण किया गया। सम्बंधित छट के बारे में लेखावहियां आय-अधिकार द्वितीय को भी बताएं जाएं।

संगठन आम दास

ईन्स्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग परसोनेल
सेलेक्शन, पेपर बाक्स हाउस,
महाकाली केवस रोड, अंधेरी (पू.)
बम्बई-400093

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभागी है।

टिप्पणी : उपर्युक्तशर्त (1) संघ जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सम्मान दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छट) जिनके द्वेषाधिकार में संगठन पड़ता है के पाठ्यम से आयकर गहानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये गये आवेदन-पत्र गी 6 प्रतियों संगित, वैज्ञानिक और

कौशिकी अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या 1192/एक. स. एम-138 म.पि./आ. क. (छट)
35(1)(iii)/90]

राजेश चिह्न, उपनिवेशक

Calcutta, the 29th July, 1994

INCOME TAX

S.O. 3074.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Institute of Banking Personnel Selection, Paper Box House, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay—400 093.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organization is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1192 (F. No. DG/IT(E)/M-138/35(1)(iii)/90]

R. SINGH, Dy. Director.

कलकत्ता, 29 जून 1994

आयकर

फा० प्रा० 3075—सर्वेसाधारण की प्रत्यक्षित सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अंतर्गत नियम के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी हांग निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” संबंधी के अधीन अनुमोदित किया गया है—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए प्रत्येक लेखा बहिर्भूत होगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक व्यापक विवरण प्रत्येक विभिन्न वर्षों के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संचित, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मैट्रोपोली गोड, नई दिल्ली-110016 की सेवेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक अस्त-नागरीकीय व्यापक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (कृष्ण), (ख) मन्त्रिय, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिवेशक (कृष्ण) जिनके अंतर्गत प्रत्येक वर्ष के लिए अनुसंधान कार्यों का अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में वी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छठ के बारे में नेशनल-परीक्षीयन नायक्यप्रति कियाकर भी प्रमुख करेगा।

संगठन का नाम

हाफ्काइट इमिटियट फॉर डेविल रिसर्च एंड टेस्टिंग, आजार्ड डोइ मार्ग, पारेस, बम्बई-100012

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

शिष्टणि : 1. उपर्युक्त वर्ते (1) “संघ” जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुसंधान की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (कृष्ण) जिनके अंतर्गत संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (कृष्ण), कलकत्ता को नीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदित विविध बहाने के संबंध में लिए आवेदन-पत्र भी 6 प्रतियों मन्त्रिय, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 1193/एफ. सं. एम-119 भ.नि./आ. क. (कृष्ण)
35(i)(ii)/90]

राजेन्द्र पिल्ह, उप निवेशक

Calcutta, the 29th July, 1994

INCOME TAX

S.O. 3075.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6. of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;

2399 GT/94-6

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Haffkine Institute for Training, Research & Testing, Acharya Donde Marg, Parel, Bombay—400 012.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1193 (F. No. DG/IT(E)/M-119/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director.

कलकत्ता, 29 जून 1994

आयकर

फा० प्रा० 3076—सर्वेसाधारण को प्रत्यक्षित सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अंतर्गत (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी हांग निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” संबंधी के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिर्भूत होगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक व्यापक विवरण प्रत्येक विभिन्न वर्षों के 31 मई तक संचित, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन”, न्यू मैट्रोपोली गोड, नई दिल्ली-110016 की सेवेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित व्यापक लेखा भी प्रति (क) आयकर महानिवेशक (कृष्ण), (ख) मन्त्रिय, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (कृष्ण) जिनके अंतर्गत संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में वी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छठ के बारे में नेशनल-परीक्षीयन आय-अय कियाकर भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

शिवसदन रिसर्च फाउण्डेशन, संगली,
192/3, इंडस्ट्रीयल एस्टेट,
संगली-416416

यह अधिसूचना दिनांक 8-3-94 से 31-3-96 तक की
भवित्व के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :— 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" और संघर्ग के लिए लागू नहीं
होते।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की
भवित्व बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक
(छट) जिनके भेजाधिकार में संगठन पड़ता है के
माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट) कलकत्ता को तीन
प्रतिवेदनों में आवेदन करें, अनुमोदन को अवधि बढ़ाने के
संबंध में लिए आवेदन-पत्र को छ अतिवारा सचिव, वैज्ञा-
निक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता
है।

[संख्या : 1194/एफ. स. एम/155 मनि./आ. क. (छट)
35(1)(ii)()/92]
राजेन्द्र सिंह, उप निवेशक

Calcutta, the 29th July, 1994

INCOME TAX

S.O. 3076.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology', Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Shivsadan Research Foundation, Sangli, 192/3, Industrial Estate, Sangli—416 416.

This Notification is effective for the period from 8-3-1994 to 31-3-1996.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to Organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1194 (F. No. DG/IT(E)/M-155/35(1)(ii)/92]

R. SINGH, Dy. Director.

कलकत्ता, 24 अगस्त, 1994

आयकर

का. आ. 3077.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 वीं उपधारा (1) के छट (ii) के लिये, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संघर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अमुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा वस्त्रियां रखेगा;

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोजेक्टोंग की भवन", न्यू मकरोली रोड, नई घिल्ली-110016 को भेजेगा; और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके भेजाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किमा गवा सम्बन्धित (छट) के द्वारे में लेखा-परीक्षित आग-ध्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कम्प्यूटर सोसायटी ऑफ इंडिया,
122 टी. वी. इंडस्ट्रीयल एस्टेट,
एस. के. अहिरा मार्ग, बॉम्बे-400025

यह अधिसूचना दिनांक 11-6-91 से 31-3-94 तक को
अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिये
लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुमाचर दिया जाता है कि वे
अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर
आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके
बोर्डों कार्डिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम
से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता
को तीन प्रतियों में आवेदन करे, अनुमोदन
को अवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन-
पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और
औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत
करना है।

[संख्या 1195/एफ. नं. एम-165 म.नि./ग्रा. क. (छूट)/
35(1)(ii)]

राजेन्द्र सिंह, उप निवेशक

Calcutta, the 24th August, 1994

INCOME-TAX

S.O. 3077.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of

its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Computer Society of India,
122 T.V. Industrial Estate,
S.K. Ahira Marg, Bombay-400025.

This Notification is effective for the period from 11-6-1991
to 31-3-1994.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1195/F. No. DG/IT(E)|Cal|M-165|35(1)(i)]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 24 अगस्त, 1994

आयकर

का. आ. 3078.—सर्वसाधारण को एतदव्याप्ता सूचित किया
जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये,
आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा
निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित
किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखा
बहिर्भूत रखेगा ;

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी
कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये,
प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक
अनुसंधान विभाग, "प्रोचोगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड,
नई दिल्ली-110016 को भेजेगा ; और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित
वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिवेशक (छूट),
(ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग
और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिवेशक (छूट)
जिनके बोर्डों कार्डिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर

और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है, और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित (छूट) के बारे में लवा-तरीक्ति आयकर हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कैंसर केंगर ट्रस्ट एंड रिसर्च फाउण्डेशन

3/1 रेस कोर्स रोड,
इंदौर-452003 (पर. पी.)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक यो अधिकार के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संबंध" जैगा नवार्ग के लिये लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुनिश्चित दिया जाता है कि वे प्रनुभावन को अधिकृत बहाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम द्वारा आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को नीन प्रतियोगी में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन-प्रबंध की 6 प्रतियोगी मनिश, वैज्ञानिक और आद्योगिक अनुसंधान विभाग का प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1196/एफ. सं. एम. फि-3 म.नि./आ.का. (छूट)/
35(1)(ii)/90]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 24th August, 1994

INCOME TAX

S.O. 3078.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Re-

search, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Cancer Care Trust and Research Foundation, 3/1, Race Course Road, Indore-452003. M.P.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes :

- Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1196/F. No. DG/IT(E)/MP-3/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 24 अगस्त, 1994

आयकर

का. आ. 3079.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 वी उपधारा (1) के अन्तर्गत (ii) में लिये आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विभिन्न प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गतीय पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखा बहियों रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के सिये, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संचित, वैज्ञानिक व आद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोलॉगिकी भवन" न्यू मैट्टर्सनी रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-पर्याप्ति वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा आद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट)

कारे से देखा-परीक्षित आय-व्यय विभाग को भी प्रस्तुत करेगा।

भौतिक जन संघ

नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग एवं हाउसिंग इंजिनियरिंग
विहार लेक, पा. शी. नीरी
कम्बई-400087

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1993 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

दिप्पणी :

1. उपर्युक्त मात्रां (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होता।
2. संगठन को सम्मान दिया जाता है कि के अनुसार श्री अवधि वडाने के लिए आयतन आयुक्त/आयकर निदेशक (छटा) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छटा), कलकत्ता को तान प्रीनिंग में आनंदन करें, अनुमोदन की अवधि वडाने के तंत्रमें में किए आवेदन पत्र का 6 प्रतियां संचित, बैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 1197/एफ. स. एम-72/स.नि./आ. क. (छटा)
35(1)(ii)/89]
राजेन्द्र मिह, उपनिवेशक

Calcutta, the 24th August, 1994

INCOME-TAX

S.O. 3079.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exem-

tions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

National Institute for Training
in Industrial Engineering,
Vihar Lake, P.O. Nitie,
Bombay-400087.

This No. application is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisation categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1197/F. No. DGIT(E)M-72/35(1)(ii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 24 अगस्त, 1994

आयकर

का. आ. 3080.—सर्वसाधारण को एनद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) के ताण, आयकर नियम 6 के अधीन विद्वान् प्राचिकारी इन्स्टीट्यूट निम्नलिखित शर्तों पर "विश्वविद्यालय" संवर्ग के अधिन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अवगतेखाना बहिर्यां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'प्रशिक्षणीय भवन', शू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, जो

(iii) पर प्रत्येक वर्ष के 31 प्रत्यूषर, तक देखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (a) आयकर महानिदेशक (छटा), (b) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (c) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छटा) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर नियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च किया जाय संवित (छटा)

जिसके लेखाधिकार में उचत संगठन पड़ता है, और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आयव्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

आमती नारीवाई दामोदर कक्षरसाय
उमेस—यूनीवर्सिटी, नथीवाई ठकरसे रोड,
बम्बई-400020

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 में 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त धारा (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिये लागू नहीं होगा।

2. संगठन की सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अधिक बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिसके लेखाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में प्रावेदन करे, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां संचित, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1198/एफ. सं. एम-97/म.नि./आ. क. (छूट)/
35(1)(ii)/90]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 24th August, 1994

INCOME TAX

S.O. 3080.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions),

having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Shreemati Nathibai Damodar Thackersay
Women's University,
Nathibai Thackersay Road,
Bombay-400020.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1993.

Notes :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1198/F. No. DG/IT(E)|M-97|35(1)(ii)|90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 24 अगस्त, 1994

आयकर

का. आ. 3081:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अनुपात (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा;
- (ii) यह प्रपत्र वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विस्तीर्ण वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संविध, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोलोगिकी भवन", न्यू मैट्रौनी रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा का प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) संचित, वैज्ञानिक

तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दी मदर्स इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च,
10, तालकटोरा रोड,
नई दिल्ली-110001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1993 से 31-3-1996 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :— 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा सर्वर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीम प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1199/एफ. म. एन. डी.-47 म. नि./शा. क. (छूट)/
35(1)(ii)/90]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 24th August, 1994

INCOME-TAX

S.O. 3081.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary,

Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The Mether's Institute of Research,
10, Talkatora Road,
New Delhi-110001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1199/F. No. DG/IT(F)/ND-47/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 24 अगस्त, 1994

आयकर

का. आ. 3082.—सर्वसाधारण को एनक्षारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्रधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" सर्वर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के निए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मैहरौली रोड, नई दिल्ली 110016 को भेजेगा; और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ज) सचिव, वैज्ञानिक शोर, अधिनियम अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर प्राधिकरण/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके क्षेप्त्रिकार में उक्त संगठन पड़ता है शोर आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई वित्तव्य कार्यों में भावांक्ति छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आवश्यक हिसाब तो भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फॉण्डेशन रिसर्च
होमी भाभा रोड, बम्बई-400005

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 गे 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा शब्द के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन वो सुझाव दिया जाना है कि वे अनुमोदन की अधिक व्यापक के लिए आयकर आयवत/आयकर निदेशक (छट) जिनके क्षेप्त्रिकार में संगठन पड़ता है के भाव्यमें आयकर महानिदेशक (छट), जलवत्ता को नीति प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि वडारे के तंत्र में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और अौद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1200 /एफ. सं. एम-106 /म.नि./आ. क. (छट)
35(1)(ii)]

गणेश पिछे, उप निदेशक

Calcutta, the 24th August, 1994

INCOME TAX

S.O. 3082.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Tata Institute of Fundamental Research
Homi Bhabha Road, Bombay-400005.

This Notification is effective for the period from 1-1-1991 to 31-3-1994.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1200/F. No. DG/IT(E)/Cal/M-106/35(1)(ii)]

R. SINGH, Dy. Director

कल्पकना, 24 अगस्त, 1994

आयकर

का. आ 3083.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित यत्व पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए शब्द लेखा वडियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक तिलीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व प्रौद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू रोडली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति, (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक, अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त आयकर महानिदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नेशनल एकाडेमी ऑफ मेडिकल साइंस,
अंसारी नगर, महात्मा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली-110029

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए सारू पर्ही होगा।
 2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अधिक बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करनी हैं।

[संख्या 1201/एफ. सं. एन. डी-114/म.नि./आ.क. (छूट)
35(1)(ii) 93]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 24th August, 1994

INCOME TAX

S.O. 3083.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions)

having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

National Academy of Medical Sciences,
Ansari Nagar, Mahatma Gandhi Marg,
New Delhi-110029.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

NOTES :

- Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1201/F. No. DG|IT(E)|ND-114|35(1)(ii)|93]

R. SINGH, Dy. Director.

कलकत्ता, 24 अगस्त, 1994

आयकर

का.आ. 3084—सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिर्यां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'प्रोश्योगिकी भवन' तू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर

मह निदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1)में दी गई रिसर्च कार्य कलाप मन्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

*संगठन का नाम

भोमाइटी ऑफ न्यूक्लीयर मेडिसिन,
इंडिया, द्वारा रेडियोशन मेडिसिन सेंटर
टाटा मेमोरियल होस्पीटन एनेक्स, जगद्वाय वाडिया रोड,
परेल, बम्बई-12

यह अधिभूतना दिनांक 1-4-92 से 31-3-94 तक को अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1 उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2 संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे ग्रन्तीकार आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 1202/एफ. सं. एम-26/म.नि./आ. क. (छूट)
35(1)(ii)/89]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 24th August, 1994

INCOME-TAX

S.O. 3084.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of account for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi 110 016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by 1st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of

its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Society of Nuclear Medicine, India,
C/o Radiation Medicine Centre,
Tata Memorial Hospital Annexe,
Jerbai Wadia Road, Parel,
Bombay-12.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1202/F. No. DG/IT(E)M-26/35(1)(ii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 24, अगस्त, 1994

आयकर

का.आ. 3085.—मर्वमाधारण को एतद्वारा मूल्यित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के बंद (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अंतीम विहित प्राविकारों द्वारा निम्नलिखित गती पर "संस्था" संबंध के अधीन गन्तव्यित किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए ग्राहण लेखा वहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक प्रियांशु वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेह्राली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और पारकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यकलाप संबंधी छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन वा ना

वनरा मेडिकल रिसर्च सेंटर,
श्रीमारा कदल वाद्यशाह चोक,
श्रीनगर (कश्मीर)

यह अधिभूतना दिनांक 1-4-94 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2 संगठन को मुमाल दिया जाता है कि वह अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में आवेदन करे, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 1203/एफ. सं. जे. के. 2/प.टि./प्रा. क. (छूट)/
35(1)(ii)]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 24th August, 1994

INCOME-TAX

S.O. 3083.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of account for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Batra Medical Research Centre,
Amroo Kadal, Badsha Chowk,
SRINAGAR (Kashmir).

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-5-1996.

NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1203/F. No. DG/IT(E)/J&K-2/35(1)(ii);
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 24, अगस्त, 1994

आयकर

का.आ. 3086.—सर्वभावारण को एतद्वारा सुचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपशारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर विभाग द्वारा नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए आवग लेखा प्रतियों रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेर्होली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) गविव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाबों भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एसोसियॉन फॉर दी बेलकेपर जॉफ पर्सन बोद ए मेट्टल हैंडीकॉर्प इन महाराष्ट्र, टर्म र्मेसन हाऊस (वैमेट) 16, बैंक स्ट्रीट, वम्बई-400023

यह प्रधिकूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
- 2. संगठन को मुमाल दिया जाता है कि वे अनुमोदित की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तोत प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों मध्यिक, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 1204/(एफ. सं. एम-38 म.पि/आ.क. (छूट)/

35(1)(ii)/89]

राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 24th August, 1994

INCOME TAX

S.O. 3086.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Association for the Welfare of Person with a mental handicap in Maharashtra,
Turner Mansion House (Basement),
16, Bank St., Bombay-400023.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. F. No. DG/IT(E)/M-38/35(1)(iii)/89]
R. SINGH, Dy. Director

কলকাতা, 24 অগস্ট, 1994

আয়কর

কা.ব্যা. 3087—পৰ্যাপ্ত সুবিধা কো. প্ৰযোগ সুবিধা কো. নিম্নলিখিত সংগঠন কো. আয়কর প্ৰতিনিধি, 1961 কী ধাৰা 35 কী উপধাৰা (1) কৈ বৰ্দ্ধ (ii) কে লিএ. আয়কর নিধি কী নিধি ৮ কী অধীন বিহুৎ প্ৰাধিকাৰী দ্বাৰা নিম্নলিখিত শর্তোৱে পৰ 'সন্তুষ্টান' সংৰক্ষণ কো. প্ৰযোগ সন্মুদ্ধিত কো. গোৱা হৈ :—

- (i) সংগঠন অনুসংঘান কার্যোৱে কো. লিএ. প্ৰলগ লেখা বহিয়াৰ রক্ষণা ;
- (ii) যহু অপনে বৈজ্ঞানিক অনুসংঘান সম্বন্ধী কার্যোৱে কো. এক বাণিজ্য কৃতিবৰণ প্ৰযোক বিশীয় বৰ্ষ কে লিএ. প্ৰযোক বৰ্ষ কে 31 মই তক মুক্তি, বৈজ্ঞানিক ব ঔচৰণিক অনুসংঘান বিভাগ, "প্ৰযোগিক মন্ত্ৰণা", ন্যূ মেহৰৌলী রোড, নই দিল্লী-110016 কো. মেজেডা, আৰু
- (iii) যহু প্ৰযোক বৰ্ষ কে 31 অক্টোবৰ তক সেলা-পৰীক্ষিত বাণিজ্য লেখা কী প্ৰতি (ক) আয়কর মহানিরেক (ছুট), (ক্ষ) সংৰক্ষণ,

বৈজ্ঞানিক তথা ঔচৰণিক অনুসংঘান বিভাগ আৰু (গ) আয়কর প্ৰাধিকাৰ মহানিরেক (ছুট) জিনকে ক্ষেত্ৰাধিকাৰ মেঁ উক্ত সংগঠন পড়তা হৈ আৰু আয়কর প্ৰতিনিধি, 1961 কী ধাৰা 35(1) মেঁ দী গৈ. রিসৰ্চ কাৰ্যোৱে সম্বন্ধিত ঘুট কৈ কাৰে মেঁ লেখা-পৰীক্ষিত আয়-ব্যয় হিমাত গো ভাৰ প্ৰস্তুত কোৱা।

সংগঠন কা নাম

মী. সী. আঁক রিসৰ্চ ইন্সটিটিউট,
903, অংসল ভবন, কলকাতা গাংৰী মার্গ,
নই দিল্লী-110001

যহু অধিসূচনা দিনাংক 1-4-92 সে 31-3-93 তক কী অৱধি কে লিএ. প্ৰভাৱী হৈ।

টিপ্পণী :— 1. উপৰ্যুক্ত শর্ত (i) "সংঘ" জৈসা সংৰক্ষণ কে লিএ. লা গু নহৈ হোৱা।

2. সংগঠন কো. সুযোগ দিয়া জানা হৈ কৈ বে অনুমোদন কী অৱধি বৰান্তে কে লিএ. আয়কর প্ৰাধিকাৰ মহানিরেক (ছুট) জিনকে ক্ষেত্ৰাধিকাৰ মেঁ সংগঠন পড়তা হৈ কৈ মাধ্যম নে আয়কর মহানিরেক (ছুট), ফলকতা কো. তীন প্ৰতিযোৱে মেঁ আবেদন কৰে, অনুমোদন কী অৱধি বৰান্তে কে সংৰক্ষণ মেঁ কিএ. আবেদনন্তৰ কী 6 প্ৰতিযোৱে সন্বিধ, বৈজ্ঞানিক আৰু ঔচৰণিক অনুসংঘান বিভাগ কো. প্ৰস্তুত কোৱা হৈ।

[সংখ্যা : 1205/এফ. স. এন ডি-61/ম.নি. আ.

35(1)(ii)) 90]

রাজেন্দ্ৰ সিংহ, উপ নির্দেশক

Calcutta, the 24th August, 1994

INCOME TAX

S.O. 3087.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

C. C. Shroff Research Institute, 903, Ansal Bhawan, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-93.

NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1205/F. No. DG/IT(E)/ND-61/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 24, अगस्त, 1994

प्रायकर

कांस्ट्रा० 3088.—मर्दसाधारण को एस्ट्रद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित मंगठन को प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की आरा 35 की उपधारा (1) के छंड (iii) के लिए, प्रायकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संबंध के पर्याय अनुमोदित किया गया है।—

- (i) मंगठन अनुसंधान कार्यों के लिए प्रत्येक लेखा वर्त्तियाँ रखेगा।
- (ii) यह प्रपते वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विविध वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संचित, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुगंधान विभाग, "श्रीशंगिक भवन", न्यू यार्डनी रोड, नई शिल्पी-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) प्रायकर महानिवेशक (ट्रट). (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) प्रायकर प्रायकर महानिवेशक (ट्रट) जिनके लेखा-विकार में उक्त संगठन पड़ता है और प्रायकर प्रधिनियम 1961 की आरा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित प्राय-न्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दी इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रीकल्चरल एकोनोमिस्ट्स, 46/48, एस्प्लानेड, प.म. जी. रोड, बम्बई-400001

यह प्रधिनियम दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी— 1. आर्द्ध वर्ष (i) "संघ" जैसा संबंध के लिए आम नहीं होगा।

2. मंगठन को सुनिश्चित किया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि अनुसार के लिए प्रायकर प्रधिनियम/प्रायकर निवेशक (ट्रट) जिनके लेखा-विकार के मंगठन पड़ता है के माध्यम से प्रायकर महानिवेशक (ट्रट), कलकत्ता का नाम प्रतियों में लेखा-विकार के अनुमोदन की पत्रिय वर्त्तन के अंधेरे में किए प्रावेदन करें, अनुमोदन की पत्रिय वर्त्तन के अंधेरे में किए प्रावेदन करें, कार्यालय और वैज्ञानिक अनुगंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संचार 1206/प्रक. म. एम-33/म.सि./प्रा.क. (ट्रट)/
35(1)(iii) 89]
राजेश तिहार, उप निवेशक

Calcutta, the 24th August, 1994

INCOME TAX

S.O. 3088.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

The Indian Society of Agricultural Economics, 46/48, Esplanade, M.G. Road, Bombay-400001.

This Notification is effective for the period from 1-4-93 to 31-3-96.

NOTES :

- (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions) Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions)

having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1206/F. No. DG/IT(E)/M-33/35(1)(iii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

কলকাতা, 24 অগস্ট, 1994

প্রাপ্তিৰ

কা.প্রা. 3039.—সর্বসাধারণ কো এতদ্বারা সূচিত কিয়া জাতা হৈ কি নিম্ননিচিত সংগঠন কো, আয়কর অধিনিয়ম, 1961 কী ধৰণ 35 কী উপধার্য (1) কে খণ্ড (iii) কে লিএ, আয়কর নিয়ম কে নিয়ম 6 কে অৰ্ধান বিহিত প্ৰাধিকাৰী দ্বাৰা নিম্নলিখিত শাৰ্টোৱ পৰ “সংস্থান” সংৰ্ব কে গ্ৰহীত অনুমোদিত কিয়া গয়া হৈ:—

(i) সংগঠন অনুসংধান কাৰ্যোৱ লিএ অলগ লেখা বহিধাৰণ কৰিব।

(ii) যহ অপনে বৈজ্ঞানিক অনুসংধান সংবংধী কাৰ্যোৱ এক বৰ্ণিক বিবৰণ প্ৰত্যেক বিতীয় বৰ্ষ কে লিএ প্ৰত্যেক বৰ্ষ কে 31 মেই তক সচিব, বৈজ্ঞানিক ও প্ৰৌঢ়োগিক অনুসংধান বিভাগ, প্ৰৌঢ়োগিক ভবন, ন্যূ মেহৰাঁলী রোড, নই দিল্লী-110016 কো ভোজেগা, আৰু

(iii) যহ প্ৰত্যেক বৰ্ষ কে 31 অক্টোবৰ তক লেখা-পৰিকল্পনা কৰিব কি প্ৰতি (ক) প্ৰায়কৰ মন্ত্ৰণালয় (ছুট), (খ) সংস্থা, বৈজ্ঞানিক তথা প্ৰৌঢ়োগিক অনুসংধান বিভাগ আৰু (গ) প্ৰায়কৰ আয়কৰ মহানিৰ্বাচক পত্ৰিকা কোনোভাবৰ মেঘে এক সংগঠন পড়না হৈ আৰু আয়কর অধিনিয়ম, 1961 কী ধৰণ 35(1) মেঘে দৰ্শি রিসৰ্ব কিয়া গয়া সংবংধিত ছুট কে বাবে মেঘে নেখা-পৰিকল্পনা আয়-ব্যব হিসাব কো ভোজে প্ৰস্তুত কৰিব।

সংগঠন কা নাম

মেট্টে ফৌর রিসৰ্ব এণ্ড ডেভেলপমেন্ট,
175, ডা. ডী. এন. রোড,
বম্বাই-400001

যহ অধিসূচনা দিনাংক 1-4-95 মে 31-3-96 তক কী কী অৰ্বাধি কে লিএ প্ৰাপ্তিৰ হৈ।

টিপ্পণী: 1. উপৰ্যুক্ত ধৰ্য (1) “সংষ্ঠা” জৰা সংৰ্ব কে লিএ লাগু নহীন হৈগ।

2. সংগঠন কো সুজ্ঞাব দিয়া জাতা হৈ কি কো অনুমোদন কী অৰ্বাধি বদ্ধানে কে লিএ আয়কৰ আয়কৰ/আয়কৰ নিৰ্দেশক (ছুট) পত্ৰিকা কোনোভাবৰ মেঘে এক সংগঠন পড়না হৈ কে মাঝে সে আয়কৰ মন্ত্ৰণালয় (ছুট), কলকাতা কো তীন প্ৰতিপ

মেঘে আৰ্বেদন কৰে, অনুমোদন কী অৰ্বাধি বদ্ধানে কে মৰ্বণ মেঘে কিএ আৰ্বেদন-পত্ৰ কী 6 প্ৰতিয়া সংবিল, বৈজ্ঞানিক আৰু প্ৰৌঢ়োগিক অনুসংধান বিভাগ কো প্ৰস্তুত কৰিব।

[মেঘা 1207/এফ. স. এম-৮৭/গ.নি./আ. ক. (ছুট)
35(1)(iii) 90]

শ্ৰী রাজেন্দ্ৰ পিতৃ, উপ নিৰ্দেশক

Calcutta, the 24th August, 1994

INCOME TAX

S.O. 3039.—It is hereby notified for general information that the organization mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of subsection (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions:

(i) The organization will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary Department of Scientific & Industrial Research, ‘Techno!gy Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organization, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Centre for Research & Development, 175, Dr. D. N. Road, Bombay-400001.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-96.

Notes: (1) Condition (i) above will not apply to organizations categorised as associations.

(2) The organization is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organization. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1207/F. No. DG/IT(E)/M-87/35(1)(iii)/90]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax

कलकत्ता, 24 अगस्त, 1994

आयकर

का. आ. 3090.—मर्वेभाषाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गत्तौ पर “संस्थान” संबंधी के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अन्य लेखा बहिर्यां रखेगा।
- (ii) यह संपत्ति वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वापिक विवरण प्रत्येक वैज्ञानिक वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संविधि, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, ‘प्रौद्योगिकी भवन’ स्थू. मेटरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को सेंजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वापिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) संवय, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयपत्र/आयकर महानिदेशक (फूट) जिनके थेव्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छट के बारे में लेखा-परीक्षित आयपत्र व हिसाब को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

केगला फोरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट
पीची-680653 ईस्ट, क्रिचूर

केरला

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी :— 1. उपर्युक्त घारा (1) “संघ” जैसा संबंध के लिए जारी नहीं होता।
 2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयपत्र/आयकर निदेशक (छट) जिनके थेव्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियां में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए जायेदान-पत्र की 6 प्रतियां मन्त्रिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संघ्या 1208 /एफ. सं. फै-5 /म.ति./प्रा. क. (छट)/
35(1)(ii)/90]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 24th August, 1994

INCOME TAX

S.O. 3090.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its Audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Kerala Forest Research Institute, Peechi-680653,

District, Trichur, Kerala.

This Notification is effective for the period from 1-4-94 to 31-3-97.

NOTES :

- (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1208/F. No. DG/IT(E)|K-5|35(1)(ii)|90]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax

कलकत्ता, 24 अगस्त, 1994

आयकर

का. आ. 3091.—मर्वेभाषाधारण द्वारा दर्जन किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम थे तियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गत्तौ पर “संघ” संबंधी के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा अहिंसा रखेगा।
- (ii) यह आदेत वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक व्यापिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक मणिक वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोटोगोविनी भवन", न्यू मैहरीने रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित व्यापिक लेखा की प्रति (क) आयकर मन्त्रिवेशक (छट), (ख) मणिक वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, गोव (ग) आयकर आयुक्त/आयकर मन्त्रिवेशक (छट) जिनके थोत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35(1) में दी गई विमर्श कार्यों अनुसंधान छट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय विस्तार को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एड्वांसड सेंटर आफ काइजेनीक रिसर्च,
कलकत्ता जादवपुर यन्नोवेस्टी, पो. बॉ.-17005
कलकत्ता-700032

यह अधिगूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी 1. उपर्युक्त शब्द (i) "संघ" जैसा संबंधी के लिए नाम नहीं होता।

2. संगठन को नुसार दिया जाता है कि वे अनुसंधान की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयुक्त विभिन्न विभाग (छट) जिनके थोत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर मन्त्रिवेशक (छट), कलकत्ता को नीति प्रभियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों विविक, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1209/पाक. सं. डब्ल्यूवी-18/म.नि./आ.क. (छट)
35 (1) () / 89
राजेन्द्र सिंह, उप विदेशक

Calcutta, the 24th August, 1994

INCOME TAX

S.O. 3091.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax, (b) Exemption, (c) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (d) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Advanced Centre of Cryogenic Research, Calcutta, Jadavpur University, P.B.-17005, Calcutta-700032.

This Notification is effective for the period from 1-4-94 to 31-3-95.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1209/F. No. DG/IT(E)/WB-18/35(1)(ii)/891
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 24 अगस्त, 1994

आयकर

का. आ. 1092—पर्याप्ताधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नस्थिति संगठन वै आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपशारा (1) के अंडे (ii) के लिए, आयकर विभाग के नियम 6 के अधीन विहित प्राविकारी द्वारा विभिन्निक्षण शब्दों पर "संस्थान" संबंध के अधीन घनमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए प्रत्येक लेखा अहिंसा रखेगा।

(ii) यह प्रत्येक वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक व्यापिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक मणिक वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोटोगोविनी भवन", न्यू मैहरीने रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित व्यापिक लेखा की प्रति (क) आयकर मन्त्रिवेशक (छट), (ख) मणिक वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर मन्त्रिवेशक (छट) जिनके थोत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई विमर्श कार्यों अनुसंधान छट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय विस्तार को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

मेठ वदीलाल माराभाई मेडिकल रिसर्च फाउण्डेशन ट्रस्ट,
बी. एम. होस्पिटल एलीस श्रीज
अहमदाबाद-380006

यह अधिगूचना दिनांक 30-6-94 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिये लागू नहीं होगा ।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है ।

[संख्या : 1210/एफ. सं. जी-60/म.नि./आ. क. (छूट)/
35(1)(ii)/92]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 24th August, 1994

INCOME TAX

S.O. 3092.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; &
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/ Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Sheth Vadilal Sarabhai Medical Research Foundation Trust, V. S. Hospital, Ellis Bridge, Ahmedabad-380006.

This Notification is effective for the period from 30-6-94 to 31-3-96

NOTES : 1.—Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/ Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1210/F. No. DGIT(E)G-60/35(1)(ii)/92]
R. SINGH, Dy. Director.

कलकत्ता, 24 अगस्त, 1994

आयकर

का.आ. 3093.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सुचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आपहर 2399 GI/94-8.

अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अप्पड (ii) के लिये, आवश्यक नियम, के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संघर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है ।

1. संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग सेक्षा विहिया रखेगा ;
2. यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वैज्ञानिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष को 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "औद्योगिक भवन", न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा ; और
3. यह प्रत्येक वर्ष को 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की प्रति (क) आयकर महानिवेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च क्रिया-कलाप सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कैमिकल इंजीनियर्स
डॉ. एम. एल. राय निलॉग्स
राजा मुमोद्द मसिक रोड,
कलकत्ता-700032

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की प्रवधि के लिए प्रभावी है ।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है ।

[संख्या : 1211/एफ. सं. उद्यू. बी-1/म.नि./आ. क. (छूट)/
35(1)(ii)/88]
राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 24th August, 1994

INCOME TAX

S.O. 3093.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act 1961, under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Indian Institute of Chemical Engineers,
Dr. H. L. Roy Building,
Raja Subodh Mullick Road,
Calcutta-700032.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1211/F. No. DG/IT(E)/WB-1/35(1)(ii)/88]

R. SINGH, Dy. Director

কলকাতা, 24 অগস্ট, 1994

ଆয়কর

কা.আ. 3094 :— সর্বসাধারণ কো পত্ৰধাৰা মূচ্ছি কিয়া জাতা হৈ কি নিম্ন উল্লিখিত সংগঠন কো, আয়কর অধিনিয়ম, 1961 কী ধাৰা 35 কী উপধাৰা (1) কে খণ্ড (ii) কে লিএ, আয়কর নিয়ম কে নিয়ম 6 কে অধীন বিহৃত প্ৰাধিকাৰী দ্বাৰা নিম্নলিখিত শাৰ্টে পৰ “সংস্থান” সংবৰ্গ কে অধীন অনুমোদিত কিয়া গয়া হৈ :—

- (i) সংগঠন অনুসংঘান কার্যোঁ কে নিএ গ্ৰলগ লেখা-বহিয়া রক্ষেগা ;
- (ii) যহু অপনে বৈজ্ঞানিক অনুসংঘান সম্বন্ধী কার্যোঁ কা এক বাৰ্ষিক বিবৰণ প্ৰত্যেক বিত্তীয় বৰ্ষ কে লিএ, প্ৰত্যেক বৰ্ষ কে 31 মই তক সচিব, বৈজ্ঞানিক ব ঔষোগিক অনুসংঘান বিভাগ, ‘প্ৰৌৰোগিকী ভবন’ ন্যূ মেহৰোলী রোড, নই দিল্লী-110016 কী ভেজেগা ; আৰু
- (iii) যহু প্ৰত্যেক বৰ্ষ কে 31 অক্টোবৰ তক লেখা পৰীক্ষিত বাৰ্ষিক লেখা কী প্ৰতি (ক) আয়কর মহানিদেশক (ছুট), (খ) সচিব, বৈজ্ঞানিক তথা ঔষোগিক অনুসংঘান বিভাগ আৰু (গ) আয়কর আয়ুক্ত/আয়কর মহানিদেশক (ছুট) জিনকে ক্ষেত্ৰাধিকাৰ মেঁ উক্ত সংগঠন পড়তা হৈ আৰু আয়কর অধিনিয়ম 1961 কী ধাৰা 35 (1) মেঁ বী গই রিসৰ্চ ইয়োঁ মন্বন্ধিত ছুট কে বাৰে মেঁ লেখা-পৰীক্ষিত আয়-ব্যয় হিসাব কো ভী প্ৰস্তুত কৰেগা।

সংগঠন কা নাম

শ্ৰী বৈকটেশ্বৰ ইন্সটিটুট ফার মেডিকেল মাইক্ৰোবাইোলজি
ক্ৰিস্টপুৰা-517507

যহু অধিসূচনা দিনাংক 1-8-94 সে 31-3-96 তক কী অবধি কে লিএ প্ৰভাৱী হৈ।

টিপ্পণী : 1. উপৰ্যুক্ত শাৰ্ট (1) “সংগঠন” জৈসা সংবৰ্গ কে লিএ লাগু নহীৰ হোৱা।

2. সংগঠন কা মুস্তাব কিয়া জাতা হৈ কি যে অনুমোদন কী অবধি বক্ষানে কে লিএ আয়কর আয়ুক্ত/আয়কর নিদেশক (ছুট) জিনকে ক্ষেত্ৰাধিকাৰ মেঁ সংগঠন পড়তা হৈ কে মাধ্যম সে আয়কর মহানিদেশক (ছুট), কলকাতা কী তীন প্ৰতিয়ো মেঁ আবেদন কৰে, অনুমোদন কী অবধি বক্ষানে কে সংৰংশ মেঁ কিএ আবেদন-পত্ৰ কী 6 প্ৰতিয়ো সচিব, বৈজ্ঞানিক আৰু ঔষোগিক অনুসংঘান বিভাগ কো প্ৰস্তুত কৰনা হৈ।

[সংল্পনা : 1212/এফ. সং. এ.পী.-20/ম. নি./আ.ক. (ছুট),
35(1)(ii)]

রাজেন্দ্ৰ সিংহ, উপ নিদেশক

Calcutta, the 24th August, 1994

INCOME-TAX

S.O. 3094.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Sri Venkateshwara Institute for Medical Science, Triupati-517507.

This Notification is effective for the period from 1-8-1994 to 31-3-1996.

NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1212|F. No. DG|IT(E)|Cal|AP-20|35(1)(ii)]

R. SINGH, Dy Director.

कलकत्ता, 24 अगस्त 1994

आयकर

का.आ. 3095 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न उल्लिखित संगठन को, आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (i) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिर्भूत रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक कार्यिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मेह्राली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिवेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एम. एम. एम. हृष्टि फाउण्डेशन एंड रिसर्च सेंटर
180, एन. एस. के. सलाई वडापल्ली मद्रास-600026

यह प्रधिसूचना दिनांक 9-5-94 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को मुआव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार

में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1213/एफ. सं. टी. एन. 64/म.नि./आकम. (छूट)
35(1)(ii)]

राजेन्द्र सिंह, उपनिवेशक

Calcutta, the 24th August, 1994

INCOME TAX

S.O. 3095—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exception was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

M. M. M. Heart Foundation & Research Centre,
180, N. K. Salai, Vadapalani, Madras-600026.

This Notification is effective for the period from 9-5-1994 to 31-3-1996.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1213|F. No. DG|IT(E)|TN-64|35(1)(ii)]

R. SINGH, Dy Director.

কলকাতা, ১৪ অগস্ট, ১৯৯৪

আয়কর

কা.ও.ধা. ৩০৯৬.—সর্বসাধারণ কো এতদ্বারা সুবিত কিয়া জাতা হৈ কি নিম্নলিখিত সংগঠন কো, আয়কর প্রিসিনিয়ম, ১৯৬১ কী ধাৰা ৩৫ কী উপধাৰা (১) কে খণ্ড (ii) কে লিএ, আয়কর নিয়ম কে নিয়ম ৬ কে প্ৰধীন বিদ্বিত প্ৰায়কাৰী ধাৰা নিম্নলিখিত শব্দোঁ পৰ “সংস্থা” সংৰক্ষণ কে প্ৰধীন অনুসংঘান কিয়া গয়া হৈ।

- (i) সংগঠন অনুসংঘান কাৰ্যোঁ কে লিএ আলগ লেখা বহিয়া রাখেগা।
- (ii) যহ ঘৰনে বৈজ্ঞানিক অনুসংঘান সম্বন্ধী কাৰ্যোঁ কা এক বাধিক বিবৰণ প্ৰয়োক বিস্তীৰ্ণ বৰ্ণ কে লিএ, প্ৰয়োক বৰ্ণ কে ৩১ মাৰ্চ তক সচিব, বৈজ্ঞানিক ব ঔষোঁগিক অনুসংঘান বিভাগ, “প্ৰৌঢ়োঁগিক ভবন” ন্যূ মেহৱীলী রোড, নৰ্দি দিল্লী-১১০০১৬ কো ভেজেগা, আৰু
- (iii) যহ প্ৰয়োক বৰ্ণ কে ৩১ অক্টোবৰ তক লেখা—পৰীক্ষিত বাধিক লেখা কী প্ৰতি (ক) আয়কর মহানিদেশক (ছুট), (খ) সচিব, বৈজ্ঞানিক তথা ঔষোঁগিক অনুসংঘান বিভাগ আৰু (গ) আয়কর আয়ুন্ত/আয়কর মহানিদেশক (ছুট) জিনকে বৈজ্ঞানিকাৰ মেঁ উক্ত সংগঠন পড়তা হৈ আৰু আয়কর প্ৰিসিনিয়ম, ১৯৬১ কী ধাৰা ৩৫(১) মেঁ দী গৱ রিসচ কাৰ্যোঁ সম্বন্ধিত ছুট কে ঘাৰে মেঁ লেখা—পৰীক্ষিত আয়ুন্ত হিসাব কো মো প্ৰস্তুত কৰেগা।

সংগঠন কা নাম

সেন্টাৰ ফাঁৰ লিকিবড় ফীস্টল রিসচ্ৰ,
পোস্ট বাক্স নং. 1329, জলাহলী
বাংলার-৫৬০০১৩

যহ অধিসূচনা দিনাংক 1-4-94 সে 31-3-95 তক কী অৰধি
কে লিএ প্ৰভাৰী হৈ।

টিপ্পণী :

১. উপৰ্যুক্ত শৰ্ত (i) “সংস্থা” জৈসা প্ৰৱৰ্গ কে লিএ লাগু নহীঁ হোগা।
২. সংগঠন কো সুস্থাব দিয়া জাতা হৈ কি বে অনুমোদন কী অৰধি বৰানে কে লিএ আয়কর আয়ুন্ত/আয়কর নিদেশক (ছুট) জিনকে বৈজ্ঞানিকাৰ মেঁ সংগঠন পড়তা হৈ কে মাধ্যম সে আয়কর মহানিদেশক (ছুট) কলকাতা কো তীন প্ৰতিয়োঁ মেঁ আৰোদন কৰে, অনু-

মোদন কী অৰধি বৰানে কে সংৰংশ মেঁ কিএ আৰোদন-পত্ৰ কী ৬ প্ৰতিয়োঁ সচিব, বৈজ্ঞানিক আৰু ঔষোঁগিক অনুসংঘান বিভাগ কো প্ৰস্তুত কৰনা হৈ।

[সংস্থা : ১২১৪ /এফ. সং. কে. টী.-৪৪ /ম.নি./প্রা.ক. (ছুট)/
৩৫(১) (ii) ৯৩]

রাজেন্দ্ৰ সিংহ, উপনিদেশক

Calcutta, the 24th August, 1994

INCOME-TAX

S.O. 3096.—It is hereby notified for general information that the organization mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Association” subject to the following conditions :

- (i) The organization will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption has granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Centre for Liquid Crystal Research,
Post Box No. 1329, Jalahalli,
Bangalore-560013.

This Notification is effective for the period from 1-4-94 to 31-3-95.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisation categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1214/F. No. DG/IT(E)/KT-44/35(1)(ii)/93]

R. SINGH, Dy. Director.

कलकत्ता, 24 अगस्त, 1994

प्रायकर.

कांस्ट्रॉ. 3097--संबंधान को एतदारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की वारा 35 की उपचारा (1) के अंडे (ii) के लिए, प्रायकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित मर्तों पर "संस्था" संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है:-

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए प्राप्त लेखा विद्युत रखेगा।

(ii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संचित, वैज्ञानिक व शौद्धीय अनुसंधान विभाग, "प्रीदोगिक भवन", न्यू मैहरीली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक सेवा-परेशित वैज्ञानिक लेखा की प्रति (क) प्रायकर महानिवेशक (छूट), (ख) संचित, वैज्ञानिक तथा शौद्धीय अनुसंधान विभाग दो

(ग) प्रायकर महानिवेशक (छूट) जिनके आयकर आवृत्त वैद्यालिकार में उक्त संगठन पड़ता है और प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की वारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में सेवा-परेशित प्राय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

महायको रिसर्च फाउण्डेशन

19 राज महल, 84, और नरीमन रोड
बम्बई-400020

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-95 तक की प्रवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी-- 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुनाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की प्रवधि दबाने के लिए प्रायकर प्रायकर/प्रायकर निवेशक (छूट) जिनके वैद्यालिकार में संगठन पड़ता है के वालवन से प्रायकर महानिवेशक (छूट), बलकहा को तीन प्रतिवें में प्राप्तेव करें, अनुमोदन की प्रवधि दबाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ संचित, वैज्ञानिक और शौद्धीय अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या 1215 /एक. सं. एम-90 /म.नि./प्रा. क. (छूट)/
35(1)(ii)]

राजेश सिंह, उप-निवेशक

Calcutta, the 24th August, 1994

INCOME TAX

S.O. 3097.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :—

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1215/F. No. DC/IT(E)/Cal/M-90/35(1)(ii)]

R. SINGH, Dy. Director

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

কলকাতা, 24 অগস্ট, 1994

মায়কর

শা. আ. 3098.—সংষ্কারণ কো এতদ্বারা সুচিত কিয়া জাতা হৈ কি নিম্নলিখিত সংগঠন কো, মায়কর প্রধানিয়ম, 1961 কী ধারা 35 কী উপধারা (1) কে ব্যাপ্ত (ii) কে লিএ, মায়কর নিয়ম, কে নিয়ম 6 কে অধীন বিহৃত প্রাদিকারী দ্বারা নিম্নলিখিত শর্তে পৰ “সংস্থা” সংবর্গ কে অধীন অনুমোদিত কিয়া গয়া হৈ:—

NAME OF THE ORGANISATION

Mahyco Research Foundation,
19 Raj Mahal,
84, Veer Nariman Road,
Bombay-400020.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1994.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of

(i) সংগঠন অনুসংধান কার্যো কে লিএ অলগ লেখা বহিয় রেজেগ।

(ii) যহ অপনে বৈজ্ঞানিক অনুসংধান সংবর্ধী কার্যো কা এক বার্ষিক বিবরণ প্রত্যেক বিস্তীয় বৰ্ষ কে লিএ, প্রত্যেক বৰ্ষ কে 31 মই তক সচিব, বৈজ্ঞানিক ও ঔদ্যোগিক অনুসংধান বিভাগ, “প্রৌদ্যোগিক ভবন” ন্যূ মেহরোলী রোড, নই দিল্লী-110016 কো ভেজেগা, ঔর

(iii) যহ প্রত্যেক বৰ্ষ কে 31 অক্টোবৰ, তক লেখা পরীক্ষীত বার্ষিক লেখা কী প্রতি (ক) মায়কর মহানিদেশক (ছুট) (খ) সচিব, বৈজ্ঞানিক তথা ঔদ্যোগিক অনুসংধান বিভাগ ঔর (গ) মায়কর আয়ুক্ত/মায়কর মহানিদেশক (ছুট) জিনকে ক্ষেত্রাধিকার মেঁ উক্ত সংগঠন পছতা হৈ ঔর মায়কর প্রধানিয়ম 1961 কী ধারা 35 (1) মেঁ দী গই রিসৰ্চ কার্যো সংবংধিত ছুট কে বারে মেঁ লেখা—পরীক্ষীত মায় ব্যয় হিসাব কো ভী প্রস্তুত করেগা।

संगठन का नाम

दी.ई.एफ.आई.गोसल एंड लेबर रिसर्च फाउण्डेशन
आर्मी एंड नेवी बिल्डिंग, 148 एम.जी.रोड
बम्बई-400023

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि
के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:— 1 उपर्युक्त गते (1) "संघ" जैसा संश्री के लिए लागू
नहीं होता।

2 संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे प्रत्युमोदन की
अवधि बढ़ाने के लिए आयकर माध्यकर/आयकर निवेशक
(कूट) जिनके सेवाधिकार में संगठन पड़ता है के
माध्यम से आयकर महानिदेशक (कूट), कल्पकाता को
तीन प्रतिवर्षों में आवेदन करें, प्रत्युमोदन की अवधि बढ़ाने
के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ संचित,
वैशानिक और जीवोगिक प्रत्युमोदन विभाग को प्रस्तुत
करता है।

[संख्या: 1216 /एफ. सं. एम-29 /नि./आ. क. (कूट)/
35(1)(iii)]

राजेश्वर लिल्हा, उप निवेशक

Calcutta, the 24th August, 1994

INCOME TAX

S.O. 3098.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial

Research, "Technology Bhawan", New Meharauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

The EFI Social and Labour Research Foundation, ARMY & NAVY BUILDING, 148, M.G. Road, Bombay-400023.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-95.

- Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the applications for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1216/F. No. DG/IT(E)/CAL/B-29/35(1)(iii)]

R. SINGH, Dy. Director,

वित्त मंत्रालय

(आधिकारीका विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 29 सिन्हवर, 1994

का.आ. 3099:—भारतीय नियर्थ-आयात बैंक अधिनियम, 1981 (1981 वा 28) की धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (i) के उपखण्ड (ii) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री ए.टी. पन्नीर सेलवम, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, यूनियन बैंक आफ इंडिया, बम्बई को भारतीय नियर्थ-आयात बैंक के निदेशक मण्डल में श्री टी.के.के. भागवत के स्थान पर निदेशक के रूप में मनोनीत करती है।

[सं.एफ. 7/4/92-बी.ओ.-I]
के.के. मंगल, अवार सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)
(Banking Division)

New Delhi, the 29th September, 1994

S.O. 3099.—In pursuance of sub-clause (ii) of clause (e) of sub-section (1) of section 6 of the Export-Import Bank of India Act, 1981 (28 of 1981), the Central Government, hereby nominates Shri A. T. Pannir Selvam, Chairman & Managing Director, Union Bank of India Bombay as a Director of the Board of Directors of the Export-Import Bank of India vice Shri T. K. K. Bhagavat.

[No. F. 7/4/92-BO. I]
K. K. MANGAL, Under Secy.

(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर, 1994

स्टाम्प

का.आ. 3100:—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस शुल्क को माफ करती है, जो पावर प्रिंड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया विमिटेड, नई दिल्ली द्वारा जारी किए गए 250 करोड़ रुपए (मात्र दो सौ पचास करोड़ रुपए) मूल्य के 236 करोड़ रुपए के बी-0000001 से बी-2360000 तक की विशिष्ट संख्या वाले 15% कर घेय बांडों और 14 करोड़ रुपए के बी-2360001 से बी 2600000 तक की विशिष्ट संख्या वाले 10.5 कर-मुक्त बांडों के रूप में वर्णित प्रोमिसरी नोटों के स्वरूप के बांडों पर उक्त अधिनियम के अंतर्गत प्रभार्य है।

[सं. 30/94-स्टाम्प-का.सं. 33/32/94-वि.क.]
आर.के. धर्मा, उप-सचिव

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 11th October, 1994

STAMPS

S.O. 3100.—In exercise of the powers conferred by clause of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of Promissory Notes described as 15 per cent Taxable Bonds of Rs. 236 crores bearing Distinctive numbers B-0000001 to B-2360000 and 10.5 per cent Tax free bonds of Rs. 14 crores bearing Distinctive numbers B-2360001 to B-2500000 of the value of rupee 250 crores (Two hundred and Fifty crores only) issued by Power Grid Corporation of India Limited, New Delhi are chargeable under the said Act.

[No. 30/94-Stamp-F. No. 33/32/94-ST]
R. K. VERMA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1994

का.आ. 3101:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “जवाहरलाल नेहरू हाकी टूर्नमेंट सोसाइटी, नई दिल्ली”, को 1995-96 से 1998-98 तक के कर-निर्धारण वर्षों के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (1) कर-निर्धारिती उमकी आय का इस्तेमाल अथवा उसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन इस प्रकार के संचयन हेतु उक्त खण्ड (23) द्वारा यथा-संशोधित धारा-II की उपधारा (2) तथा (3) के उपबंधों के अनुरूप पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती पर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा II की उपधारा (4) में विशिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी नियंत्रित (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर अथवा किसी अन्य वस्तु, जिसे उपर्युक्त खण्ड (23) के तीसरे परन्तुक के अधीन बोर्ड द्वारा अधिसूचित किया जाए, के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाय में सैचिलिक अंशावान से भिन्न (का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) कर-निर्धारिती अपने सदस्यों को किसी भी तरीके से अपनी आय के किसी भाग का संवितरण अपने से संबद्ध किसी एसोसिएशन अथवा संस्था को अनुदान के ग्रलावा नहीं करेगा; और
- (4) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ

यह अधिनियम द्वारा जब उसे यह बैंक का नाम होगा।
उस कर्म-नियमिति के अंदर की प्रतिनिधि के
लिए व्यापारिक लकड़ी ही नहीं हो सकती व्यापार के
साथ में गलवान से नियमिति लाएं जानी चाहीं जानी हो।

[प्रधानमंत्री सं. 9631 /पं. नं. 196/18/94-यापक
प्र. -I]

यापका भवित्व, शासन सचिव

New Delhi, the 18th October, 1994

S.O. 3101.—In exercise of the powers conferred by clause (23) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Jawaharlal Nehru Hockey Tournament Society, New Delhi" for the purpose of the said clause for assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate it for application, in consonance with the provisions of sub-section (2) and (3) of section 11 as modified by the said clause (23) for such accumulation wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture or any other article as may be notified by the Board under the third provision to the aforesaid clause (23)) for any period during the previous year(s) relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) the assessee will not distribute any part of its income in any manner to its members except as grants to any association or institution affiliated to it; and
- (iv) this notification will not apply in relation to any income, being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9631/F. No. 196/18/94-IIA II]

SADHNA PAVANIA, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1994

का.आ. 3102 :—राष्ट्रीयकृत हक्क (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1980 के अन्तर्गत (1) के साथ पठित अन्तर्गत 3 के उपबंध (क) के अन्तर्गत में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात, प्रतदिवारा श्री डॉ. पं. रामगोपाल, नरेश्वर प्रबंध निदेशक, ऐंटर्नेशनल बैंक शाफ कामर्श, जो उसके कार्यपाल गहण करने की तारीख से 31 जनवरी, 1997 तक की अवधि के लिए प्रोफेशनल बैंक शाफ कामर्श के पूर्ण नामिक निदेशक (कार्यकारी निदेशक के रूप में पहचानिए) के रूप में नियमित जानी हो।

[पं. नं. 9/13/94-वीओ-1]
के.के. मंगल, शासन सचिव

New Delhi, the 19th October, 1994

S.O. 3102.—In pursuance of sub-section (2) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri S. Rajagopal, presently Managing Director, State Bank of Indore as a whole-time director (designated as the Executive Director) of Vijaya Bank for a period of five years from the date of his taking charge.

[No. T-4330/1/94 dt. 13-10-94]
K. K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1994

का.आ. 3103 :—राष्ट्रीयकृत हक्क (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1980 के अन्तर्गत 8 के उपबंध (1) के साथ पठित अन्तर्गत 3 के उपबंध (क) के अन्तर्गत में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात, प्रतदिवारा श्री डॉ. पं. रामगोपाल, नरेश्वर प्रबंध निदेशक, ऐंटर्नेशनल बैंक शाफ कामर्श, जो उसके कार्यपाल गहण करने की तारीख से 31 जनवरी, 1997 तक की अवधि के लिए प्रोफेशनल बैंक शाफ कामर्श के पूर्ण नामिक निदेशक (कार्यकारी निदेशक के रूप में पहचानिए) के रूप में नियमित जानी हो।

[पं. नं. 9/14/94-वी.ओ-I]
के.के. मंगल, शासन सचिव

New Delhi, the 19th October, 1994

S.O. 3103.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri V. S. Thakur, present General Manager, Oriental Bank of Commerce as a whole-time Director (designated as the Executive Director) of Oriental Bank of Commerce for the period from the date of his taking charge and upto 31st January, 1997.

[F. No. 9/14/94-B.O.I.]
K. K. MANGAL, Under Secy.

मुख्य आयकर आयतन का कार्यालय

कलकत्ता, 21 सितम्बर, 1994

का.आ. 3104.—आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 120 के उपधारा (1) एवं (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग तथा पूर्वतन आदेशों का अनिकागण तथा ग्रांटिक आशोधन करने हुए हम युख्य आयकर आयकर कलकत्ता, निर्देश देते हैं कि ग्रान्टिक आयकर आयकर, कलकत्ता मर्केन्स 2 (2) कलकत्ता के स्थान पर संविधित विवरण अधिकारी आयकर अधिनियम की धारा 195 के व्रद्धीन सौन पर कारा गण कर तथा उक्त अधिनियम की धारा 221 से संविधित सभी निर्धारितियों के बारे में मूल आयकर आयकर, मुख्य आयकर आयकर-II तथा मुख्य आयकर आयकर-III कलकत्ता के क्षेत्रों के भवी मालवालों में दोषाधित वा प्राप्ति करने।

यह अधिसूचना दिनों 1-10-94 से लागू होगी।

[पं. नं. 9/13/94-प्रान्तिक/345]

पं.के. बट्टलाल, शासन सचिव
के.पी. सिंह, आयकर

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER OF
INCOME TAX

Calcutta, the 21st September, 1994

[No. 5/94-95]

S.O. 3104.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 120 of the Income Tax Act, 1961 and in partial modification and supersession of earlier orders, we, the Chief Commissioners of Income Tax Calcutta hereby direct that the concerned assessing officers, in place of the Asstt. Commissioner of Income Tax Company Circle 2(2) Calcutta, shall exercise jurisdiction in respect of all matters relating to the tax deduction at source under section 195 of the J.T. Act and also relating to section 221 of the said Act in respect of all the assesses under the regions of the Chief Commissioner of Income Tax Calcutta, the Chief Commissioner of Income-Tax II Calcutta and the Chief Commissioner of Income Tax-III Calcutta.

This notification will take effect on and from 1-10-1994.

[No. AC/HQ/Planning/345]

A. K. BATABYAL, Chief Commissioner
K. P. SINGH, Chief Commissioner

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर, 1994

का.आ. 3105:—राजनयिक कोसली अधिकारी (गणपथ एवम् शुल्क) अधिनियम 1948 (1948 का 41वां) की धारा 2 के अंक (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत का मुख्य कोसला वास, कराची में सहायक श्री राम अवतार मीना और विजय कुमार के.पी.ए. को 12-10-94 कोसली एजेंट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[सं. टी-4330/1/94]

ओस्कर केरकेटा, अवर सचिव (कोसली)

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 13th October, 1994

S.O. 3105.—In pursuance of the Clause 'A' of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers, (Oath and Fees) Act, 1948 (41 of 1948) the Central Government hereby authorises Sh. Vijaya Kumar K. P. A. and Shri Ram Avtar Meena, Asstt. in the Consulate General of India Karachi, to perform the duties of Consular Agent with effect from 12-10-1994.

[No. T-4330/1/94]
OSCAR KERKETTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर, 1994

का.आ. 3106:—राजनयिक कोसली अधिकारी (गणपथ एवम् शुल्क) अधिनियम 1948 (1948 का 41वां) की धारा 2 के अंक (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत का दूतावास रियाद में सहायक श्री के.एल. शर्मा और यू.डी.सी. जसवंत सिंह को 12-10-94 से कोसली एजेंट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[सं. टी-4330/1/94]

ओस्कर केरकेटा, अवर सचिव (कोसली)

New Delhi, the 13th October, 1994

S.O. 3106.—In pursuance of Clause 'A' of Section of the Diplomatic and Consular Officers (Oath and Fees) Act 1948 (41 of 1948) the Central Government hereby authorises Sh. K. L. Sharma, Asstt. and Jaswant Singh, UDC; in the Embassy of India Riyadh to perform the duties of Consular Agent with effect from 12-10-94.

[No. T-4330/1/94]

OSCAR KERKETTA, Under Secy. (Cons.)

विदेश मंत्रालय

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

(शुल्क भुक्त स्कीम-1 अनुभाग) इलैक्ट्रॉनिक

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 1994

का.आ. 3107:—मैं, यूनिकॉर्प इंडस्ट्रीज लि., सी-176, ओष्ठला ऑफिसिक ब्लॉक, फेस-1 नई दिल्ली-110020 को 54,40,000 रुपये (170,000 अमरीकी डालर) की लागत बीमा भाड़ा मूल्य का एक अग्रिम लाइसेंस सं.पी/एल 3489038 दिनांक 9-8-1994 और उसके साथ 65,60,000 रु. (205,000 अमरीकी डालर) का नियंत्रित आभार डीईसी बुक सं. 144042 दिनांक 9-8-1994 (भाग-1) आयात और नियंत्रित भाग-2 जारी होने की तारीख से 12 महीने की वैधता सहित अग्रिम लाइसेंस जारी किया गया था। अब फर्म ने अग्रिम लाइसेंस (सीमाणुल्क प्रयोजन हेतु प्रति) तथा डीईसी वुक (भाग-1 आयात/भाग-2 नियंत्रित दोनों) की अनुलिपि इस आवाहन पर जारी करने के लिए आवेदन किया है कि वह यो गया है/गुम हो गया है। फर्म ने अपेक्षित आवध्यक शुल्क-पत्र प्रस्तुत किया है जिसके अनुमान उक्त लाइसेंस वित्ती भी सीमाणुल्क प्राधिकरण के पास पंजीकृत नहीं कराया गया था और उसका विलक्षण श्री इस्तमाल नहीं किया गया था और लाइसेंस/डीईसी वुक के लिए लागत बीमा भाड़ा की शेष राशि 54,40,000 रु. (170,000 अमरीकी डालर) है। गणपथ पत्र में इस आवाहन की एक घोषणा भी शामिल की गई है कि उक्त लाइसेंस/डीईसी वुक के बाद में मिल या पता लग जाने पर उसे जारी करने वाले प्राधिकरण को लौटा दिया जाएगा।

2. इस बात पर संतुष्ट हो जाने पर कि मूल अग्रिम लाइसेंस (सीमाणुल्क प्रयोजन हेतु प्रति) और डीईसी वुक (भाग-1 आयात/भाग-2 नियंत्रित दोनों) यो गये हैं, मुझे यह निश्चय हुआ है कि आवेदक को अग्रिम लाइसेंस (सीमाणुल्क प्रयोजन हेतु) और डीईसी वुक (भाग-1 आयात/भाग-2 नियंत्रित दोनों) की अनुलिपि जारी कर दी जाए। विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 की धारा-9 की उपधारा (4) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं मूल अग्रिम लाइसेंस सं.पी/एल/3489038 दिनांक

9-8-1994 (सामाजिक प्रयोजन हेतु प्रति और डीईएगो बुक सं. 144042 दिनांक 9-8-94) (भाग-1 आयात/भाग-2 नियंत्रित दानों) को एनद्वारा नियंत्रित करता है।

[फा. नं. 01/83/40/84/ए एम-95/डी ई एम-I/522]

के.एम. प्रह्ले, उप भवानिदेशक, विदेश व्यापार
कृत गवानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE

(Directorate General of Foreign Trade)

(DES-I Section) ELECTRONIC

New Delhi, the 21st October, 1994

S.O. 3107.—M/s. Unicorp Industries Limited., C-176, Okhla Industrial Area Phase-I, New Delhi-110020, were granted in Advance Licence No. P/L/3489038 dated 9-8-1994 for CIF value of Rs. 54,40,000/- (US\$ 1,70,000/-) with an Export Obligation of Rs. 65,60,000/- US\$ 205,000/- along-with DEEC Book No. 144042 dated 9-8-1994 (Part-I (Import) and Export Part-II with a validity of 12 months from the date of issue of the licence. Now the firm have applied for grant of duplicate of Advance Licence (Customs/Exchange purpose copy both and DEEC Book (Part-I Import/Part-II Export both) on the ground that the same have been lost/misplaced. The firm have furnished necessary affidavit according to which the aforesaid Advance Licence was not registered with any Customs Authority and was not utilised at all and the balance CIF value against the licence/DEEC Book is Rs. 54,40,000/- (US\$ 170,000/-). A declaration has also been incorporated in the affidavit to the effect that if the said licence/DEEC Books are traced or found later on it will be returned to the Issuing Authority.

2. On being satisfied that the Original Advance Licence (Customs/Exchange purpose copy both) and DEEC Book (Part-I Import/Part-II Export both) have been lost, the undersigned directed that duplicate Advance Licence (Customs/Exchange Purpose copy both) and DEEC Book (Part-I Import/Part-II Export both) should be issued to the applicant. I also, in exercise of the powers conferred in sub-clause (4) of clause 9 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992, hereby cancel the Original Advance Licence No. P/L/3489038 dt. 9-8-94 (Customs/Exchange purpose copy both and DEEC Books No. 144042 dt. 9-8-94) (Part-I Import/Part-II Export Both).

[File No. 01/83/40/84/AM-95/DES-I/522]

K. M. BRAHME, Dy. Director General of Foreign Trade
For Director General of Foreign Trade

मानव संग्राहन विकास मंत्रालय

(महिला एवं बाल विकास विभाग)

पूर्ण विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) के मान्यते में राष्ट्रीय बाल कोष, नई विल्नी में मान्यते में

नई विल्नी, 21 सितम्बर, 1994

का.आ. 3108:—राष्ट्रीय बाल कोष, नई विल्नी के प्रबन्ध बोर्ड द्वारा किए आवेदन पर और उनकी सहमति से पूर्ण विन्यास अधिनियम 1890 (1890 का 6) के खण्ड 10 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्वारा आदेश देती है कि नीचे दिए गए व्यापार के अनुसार रु. 10,08,822 (दस लाख आठ हजार आठ सौ बाईस) सिलिंकट बैंक, होज खास, नई विल्नी में 46 दिनों के लिए, फिर गिरिजित योजना के अंतर्गत 7% की व्याज वर गे 28-8-94 को पुनर्निवेश की गई :

प्रम मं. राशि पिछले निवेश भुगतान की प्राप्तियुक्तियाँ
की तारीख तारीख

1. 10,00,000/- 11-7-94 28-8-94
(भुगतान तारीख के बाद देय
राशि 10,08,822/-)

2. भारत सरकार के तत्कालीन समाज कल्याण विभाग के दिनांक 2 मार्च, 1979 के समव्याप्तमय पर यथा संशोधित का.आ. 120 (ई) की अधिसूचना के साथ प्रकाशित राष्ट्रीय बाल कोष, नई विल्नी के संबंधित योजना के अनुसार प्रयोग किए जाने हेतु उपरोक्त व्याता भारतीय पूर्ण विन्यास के बंजारीची के नाम होगा ।

[म. 13-6/94-टी भा.]
रतन चत्व, प्रब्रह्म सचिव

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (Department of Women & Child Development)

IN THE MATTER OF THE CHARITABLE ENDOWMENTS ACT 1890
(6 of 1890)

IN THE MATTER OF THE NATIONAL CHILDREN'S FUND, NEW DELHI

New Delhi, the 21st September, 1994

S.O. 3108.—In the application made by and with the concurrence of the Board of Management of the National Children's Fund, New Delhi and in exercise of the powers conferred by Section 10(2) of the Charitable Endowments Act 1890 (6 of 1890) the Central Government do hereby order that the sum of Rs. 10,08,822/- (Rupees Ten lakh Eight thousand Eight hundred and Twentytwo only) as per particulars given below be reinvested in Fixed of Deposit Scheme for 46 days in Syndicate Bank, Hauz Khas, New Delhi, at the rate of interest 7% per annum w.e.f. 28-08-94.

Sl. No.	Amount (Maturity Value Rs. 10,03,822/-)	Date of Previous Investment 11-7-1994	Date of Maturity 28-08-1994	Remarks
1.				

2. The above account shall vest in the Treasurer of Charitable Endowments of India to be held by him for being applied in accordance with the scheme for the administration of the National Children's Fund, New Delhi published with the Notification of the Government of India in the then Department of Social Welfare No. S.O. 120(E) dated the 2nd March, 1979 as amended from time to time.

[F. No. 13-6/94-TR]

RATTAN CHAND, Under Secy.

नई विल्नी, 18 अगस्त, 1994

का.आ. 3109:—राष्ट्रीय बाल कोष, नई विल्नी के प्रबन्ध बोर्ड द्वारा किए आवेदन पर और उनकी सहमति से पूर्ण विन्यास अधिनियम 1890 (1890 का 6) के खण्ड 10 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्वारा आदेश देती है कि नीचे दिए गए व्यापार के अनुसार रु. 10,17,722/- (दस लाख सात हजार सात सौ बाईस) मिडिकेट बैंक, होज खास, नई विल्नी में 46 दिनों के लिए

प्रिक्षन चियाजिट योजना के अंतर्गत 7% की ब्याज दर से 11-10-94
को पुनः लिये गये गई :

क्रम सं. राखि पिछले निवेश शुभगत की शमियुकियाँ
वीं तारीख तारीख

1. 10,08,822/- शुभगतान 26-8-91 11-10-94
तारीख के बाद देय
राखि 10-17,722/-

2. भारत सरकार के तत्कालीन समाज कल्याण विभाग के द्वितीय
2 मार्च, 1979 के मध्य समय पर यथा संशोधित मा.आ. 120 (ए)
की प्रधिसूचना के साथ प्रकाशित गण्डीय गाल धोप, नई दिल्ली के संचालन
की योजना के अनुराग प्रयोग किए जाने हेतु उपर्युक्त आठा भारतीय
पूर्ण विवेस के द्वारा के नाम देखा ।

[सं. 13-6/94-टी आर]
रत्न चन्द, अवर सचिव

New Delhi, the 18th October, 1994

S.O. 3109.—On the application made by and with the concurrence of the Board of Management of the National Children's Fund, New Delhi and in exercise of the powers conferred by Section 10(2) of the Charitable Endowments Act 1890 (6 of 1890), the Central Government do hereby order that the sum of Rs. 10,17,722/- (Rupees Ten Lakh seventeen thousand seven hundred and Twentytwo only) as per particulars given below be reinvested in Fixed of Deposit Scheme for 46 days in Syndicate Bank, Hauz Khas, New Delhi, at the rate of interest 7% per annum w.e.f. 11-10-94.

Date of Maturity	Remarks	
Sl. No.	Amount	Date of Previous Investment
1.	Rs. 10,08,822/- (Maturity Value Rs. 10,17,722/-)	26-08-1994

2. The above account shall vest in the Treasurer of Charitable Endowments of India to be held by him for being applied in accordance with the scheme for the administration of the National Children's Fund, New Delhi published with the Notification of the Government of India in the then Department of Social Welfare No. S.O. (20(E) dated the 2nd March, 1979 as amended from time to time.

[F. No. 13 6/94-TR]
RATTAN CHAND, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग) :

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर, 1994

का.आ. 3110(ए) केन्द्रीय मर्कार, भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद अधिनियम, 1970 (1970 का 18) को आग 14 की उपाधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए, भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद से परामर्श करने के पश्चात उक्त अधिनियम की द्वितीय प्रस्तुती में निम्ननिवित और मर्शोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त प्रस्तुती के आग 1 में—

“केन्द्र” शब्द के अद्वित अ.रो. 43 के क्रम संख्या 43 का ए में पुर्ण स्पष्टात्मक किया जाएगा और इस प्रकार पुनः संयोक्ति क्रम

सं. 43 के 1 के पश्चात् निम्नोंका द्वारा दिये गए आगे नमितियाँ प्रतिनियत अन्तर्भावित की जाएंगी, अर्थात्—

“43 के 2 कानूनिक आपुर्वदत्तात्रय वी.ए.एम. 1985 से विवर्वाचारण (वेचवर ग्राह एम. एम. ग्राहे”

पार्टीकट आपुर्वदत्तात्रय मर्शिमन
एड मर्जरी

(ग. बी. 26015/7/90-ए.ई.)
[व्याप त्रिवेदी, अवर भवित]

टोटः भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद अधिनियम, 1970 (1970 का 48) की निर्माय गौर चुर्चा प्रस्तुती में निम्ननिवित के द्वारा भवोधन होना गया—

1. का.आ.ग. 4068, तारीख 30 अक्टूबर, 1979
2. का.आ.सं. 2635, तारीख 18 फिल्डर, 1980
3. का.आ.र. 2323, तारीख 20 अगस्त, 1981
4. का.आ.सं. 2314, तारीख 22 अगस्त, 1981
5. का.आ.ग. 137, तारीख 21 दिसम्बर, 1981
6. का.आ.भ. 638, तारीख 25 जनवरी, 1982
7. का.आ.भ. 661, तारीख 2 फरवरी, 1982
8. का.आ.भ. 973, तारीख 20 फरवरी, 1982
9. का.आ.भ. 354 (ए), तारीख 6 अप्रैल, 1983
10. का.आ.ग. 3550, तारीख 5 जून, 1983
11. का.आ.भ. 801 (ए), तारीख 11 जून, 1983
12. का.आ.ग. 462 (ए), तारीख 23 जून, 1983
13. का.आ.भ. 1911, तारीख 17 फरवरी, 1985
14. का.आ.भ. 2715, तारोप्र 23 मई, 1985
15. का.आ.ग. 3404, तारीख 5 जुलाई, 1985
16. का.आ.भ. 4057, तारीख 14 जून, 1985
17. का.आ.भ. 5603, तारीख 2 दिसम्बर, 1985
18. का.आ.ग. 5671, तारीख 5 दिसम्बर, 1985
19. का.आ.सं. 322, तारीख 17-2-86 द्वारा अना. स्वापित
20. का.आ.सं. 1832, तारीख 16-4-86 द्वारा अना. स्वार्पित
21. का.आ.सं. 627, तारीख 2 फरवरी, 1987
22. का.आ.सं. 760, तारीख 25 फरवरी, 1987
23. का.आ.सं. 1039, तारीख 30 मार्च, 1987
24. का.आ.सं. 1948, तारीख 1 जूलाई, 1987
25. का.आ.सं. 3186, तारीख 30 अक्टूबर, 1987
26. का.आ.सं. 1697, तारीख 15 अप्रैल, 1988
27. का.आ.सं. 1501, तारीख 22 अप्रैल, 1988
28. का.आ.सं. 1040, तारीख 6 अप्रैल, 1989
29. का.आ.सं. 1910, तारीख 21 जूलाई, 1989
30. का.आ.सं. 2177, तारीख 14 जून, 1989
31. का.आ.सं. 2594, तारीख 21 फिल्डर, 1990
32. का.आ.सं. 969, तारीख 29 अक्टूबर, 1990
33. का.आ.सं. 2352, तारीख 22 अगस्त, 1990
34. का.आ.सं. 3216, तारीख 31 अक्टूबर, 1990
35. का.आ.सं. 2669, तारीख 29 अगस्त, 1991
36. का.आ.सं. 630 तारीख 17 जून, 1992
37. का.आ.सं. 1435, तारीख 7 मई, 1992

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
(Department of Health)
New Delhi, the 11th October, 1994

S.O. 3110.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Indian Medicine Central Council Act, 1978 (48 of 1978), the Central Government after consulting the Central Council of Indian Medicine, hereby makes the following further amendments in the Second Schedule to the said Act, namely :—

In part I of the said Schedule :—

Under the heading "Kerala", Serial number 43A shall be renumbered as 43-A1 thereof and after 43-A1 so renumbered the following serial number and entries relating thereto shall be inserted, namely :—

43—A.2 Calicut Ayurveda, Maharesha B.A.M.S.
University (Bachelor of Ayur- from 1985
Calicut Vedic Medicine
and Surgery)

[No. V. 26015/7/89-AE]
SHYAM JINDAL, Under Secy.

NOTE : The Second Schedule and Fourth Schedule to the Indian Medicine Central Council Act, 1970 (48 of 1970) has been subsequently amended vide :—

1. S.O. No. 4068, dated the 30th November, 1979.
2. S.O. No. 2635, dated the 18th September, 1980.
3. S.O. No. 2323, dated the 20th August, 1981.
4. S.O. No. 2314, dated the 22nd August, 1981.
5. S.O. No. 137, dated the 24th December, 1981.
6. S.O. No. 638, dated the 25th January, 1982.
7. S.O. No. 661, dated the 2nd February, 1982.
8. S.O. No. 973, dated the 20th February, 1982.
9. S.O. No. 354(E), dated the 6th May, 1983.
10. S.O. No. 3550, dated the 5th September, 1983.
11. S.O. No. 804(E), dated the 11th November, 1983.
12. S.O. No. 162(E), dated the 23rd June, 1984.
13. S.O. No. 1911, dated the 17th April, 1985.
14. S.O. No. 2745, dated the 29th May, 1985.
15. S.O. No. 3404, dated the 5th July, 1985.
16. S.O. No. 4057, dated the 14th August, 1985.
17. S.O. No. 5603, dated the 2nd December, 1985.
18. S.O. No. 5671, dated the 5th December, 1985.
19. Inserted by S.O. No. 822, dated 17-2-86.
20. Inserted by S.O. No. 1832, dated 16-4-86.
21. S.O. No. 627, dated the 2nd February, 1987.
22. S.O. No. 760, dated the 25th February, 1987.
23. S.O. No. 1030, dated the 30th March, 1987.
24. S.O. No. 1946, dated the 9th July, 1987.
25. S.O. No. 3186, dated the 30th October, 1987.
26. S.O. No. 1697, dated the 15th April, 1988.
27. S.O. No. 1504, dated the 22nd April, 1988.
28. S.O. No. 1040, dated the 6th April, 1989.
29. S.O. No. 1910, dated the 21st July, 1989.
30. S.O. No. 2177, dated the 14th August, 1989.
31. S.O. No. 2594, dated the 21st September, 1989.
32. S.O. No. 969, dated the 29th November, 1989.
33. S.O. No. 2552, dated the 22nd August, 1990.
34. S.O. No. 3246, dated the 31st October, 1990.
35. S.O. No. 2669, dated the 29th August, 1991.
36. S.O. No. 630, dated the 17th January, 1992.
37. S.O. No. 1435, dated the 7th May, 1992.

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर 1994

का.आ. 3111—केन्द्रीय सरकार भारतीय ग्राम्यविज्ञान परिषद अधिनियम 1956 (1956 का 102) की धारा

11 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद से परामर्श करने के पश्चात् उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती है अर्थात् :—

उक्त अनुसूची में "मणिपुर विश्वविद्यालय" शब्द के नीचे प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टियां अंत स्थापित की जायगी अर्थात् :—

"डॉक्टर आफ मेडिसिन (बाल चिकित्सा विज्ञान) एम.डी. (बाल चिकित्सा विज्ञान)"

[संख्या वा. -11015/23/94-एम.ई. (यू.जी.)]
एस.के. मिश्र डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th October, 1994

S.O. 3111.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government after consulting the Medical Council of India hereby makes the following further amendments in the First Schedule to the said Act, namely :—

In the said schedule, under the heading "Manipur University" after the entries, the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Paediatrics) M.D. (Paediatrics)"
[No. V. 11015/23/94-ME (UG)]
S. K. MISHRA, Desk Officer

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1994

का.आ. 3112—केन्द्रीय सरकार भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 11 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद से परामर्श के पश्चात् उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती है अर्थात् :—

"पहली अनुसूची में "डा. मराठावाड़ा विश्वविद्यालय" शब्दों के स्थान पर "डा. बाबा साहेब अब्देकर भराठावाड़ा विश्वविद्यालय" अक्षर और शब्द रखे जायगे।

टिप्पणि : इस अधिसंचयन के जारी करने से पूर्व भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम 1956 की अनुसूची में सम्मिलित अर्हताओं के बारे में "मराठावाड़ा विश्वविद्यालय" द्वारा प्रदान की गई आयुर्विज्ञान अर्हता भी मान्यताप्राप्त अर्हताएं होंगी।

[सं.वी.-11015/4/94-एमई(यूजी)]
एस.के. मिश्र, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 18th October, 1994

S.O. 3112.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government after consultation with the Medical Council of India hereby makes the following

further amendments in the First Schedule to the said Act, namely :—

In the First Schedule, for the words Marathwada University the letters and words "Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University" shall be substituted.

Note :—The medical qualifications granted by Marathwada University in respect of qualifications included in the Schedule to Indian Medical Council Act, 1956 prior to issue of this notification shall also be recognised qualifications.

[No. V. 11015/4/94-ME(UG)]

S. K. MISHRA, Desk Officer

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर, 1994

का.आ. 3113—केन्द्रीय गवर्नर भारतीय आयुर्धित्वान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 11 को उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् से परामर्श के पश्चात् उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

"मंगलोर विश्वविद्यालय" शीर्ष और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित शीर्ष और प्रविष्टि अन्तःस्थापित की जाएँगी अर्थात् :—

"मनिपाल उच्चतर शिक्षा अकादमी"

वैचलर आफ मेडिसिन एण्ड वैचलर ग्राफ एम.बी.बी.एम.

सर्जरी

डाक्टर आफ मेडिसिन (सामान्य चिकित्सा)	एम.डी. (सामान्य चिकित्सा)
डाक्टर आफ मेडिसिन (रोग विज्ञान)	एम.डी. (रोग विज्ञान)
डाक्टर आफ मेडिसिन (जैव-रसायन)	एम.डी. (जैव-रसायन)
मास्टर आफ सर्जरी (सामान्य शल्य चिकित्सा)	एम.एस. (सामान्य शल्य चिकित्सा)
मास्टर ग्राफ मेडिसिन (प्रपूति और स्त्रीरोग विज्ञान)	एम.डी. (प्रपूति और स्त्रीरोग विज्ञान)
मास्टर आफ मेडिसिन (संकेतनाहरण)	एम.डी. (संकेतना-हरण)
डिप्लोमा इन एन्डर्सेमियोलाजी	डी.ए.
डिप्लोमा इन माइक्रोलाजी	ए.ए.रो. (मूक्षम-जोग विज्ञान)
मास्टर ग्राफ सर्जरी (विकलांग विज्ञान)	एम.एस. (विकलांग विज्ञान)

मास्टर आफ सर्जरी (नेक विज्ञान)	एम.एस. (नेक विज्ञान)
डिप्लोमा इन ग्यानाकालांजी एण्ड आव्सट्रेट्रिक्स	डी.जी.ओ.

गजिस्ट्रार चिर्गियाई (जेनिटो-प्रूरिनरी शल्य चिकित्सा)	एम.सी.एच. (जेनिटो-प्रूरिनरी शल्य चिकित्सा)
---	--

डिप्लोमा इन चाइर्लड हैल्थ	डी.सी.एच.
डाक्टर आफ मेडिसिन (वाल चिकित्सा विज्ञान)	एम.डी. (वाल चिकित्सा विज्ञान)
डाक्टर आफ मेडिसिन (हृदय विज्ञान)	डी.एम. (हृदय विज्ञान)

डाक्टर ग्राफ मेडिसिन (विकिरण निवास)	एम.डी. (विकिरण निवास)
-------------------------------------	-----------------------

डिप्लोमा इन मेडिसिन रेफियो डायग्नोसिस	डी.एम.यार.डी.
---------------------------------------	---------------

टिप्पण :—ये अहंताएँ तब मान्यता प्राप्त चिकित्सा अहंताएँ होंगी जब कस्तूरबा मेडिकल कालेज मनिपाल और कस्तूरबा मेडिकल कालेज मंगनौर में प्रशिक्षित किये जा रहे छात्रों के बारे में मनिपाल उच्चतर शिक्षा अकादमी द्वारा प्रशिक्षण की जाएँ।

[सं.वी.—11015/24/94-एम.ई. (यू.जी.)]

एस.के. मिश्रा डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 18th October, 1994

S.O. 3113.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consultation with the Medical Council of India, hereby makes the following further amendments in the First Schedule to the said Act, namely :—

After the heading "Mangalore University and the entries relating thereto, the following heading and entries shall be inserted, namely :—

"Manipal Academy of Higher Education"

Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery M.B.B.S.

Doctor of Medicine (General Medicine) M.D. (General Medicine)

Doctor of Medicine (Pathology) M.D. (Pathology)

Doctor of Medicine (Bio-Chemistry) M.D. (Bio-Chemistry)

Master of Surgery (General Surgery) M.S. (General Surgery)

Master of Medicine (Obstetrics and Gynaecology)	M.D. (Obstetrics and Gynaecology)
Master of Medicine (Anaesthesia)	M.D. (Anaesthesia)
Diploma in Anaesthesiology	D.A.
Doctor of Medicine (Microbiology)	M.D. (Microbiology)
Master of Surgery (Orthopaedics)	M.S. (Orthopaedics)
Master of Surgery (Ophthalmology)	M.S. (Ophthalmology)
Diploma in Gynaecology and Obstetrics	D.G.O.
Registrar (Genito-Urinary Surgery)	M.Ch. (Genito-Urinary Surgery)
Diploma in Child Health	D.C.H.
Doctor of Medicine (Paediatrics)	M.D. (Paediatrics)
Doctor of Medicine (Cardiology)	D.M. (Cardiology)
Doctor of Medicine (Radio-Diagnosis)	M.D. (Radio-Diagnosis)
Diploma in Medical Radio Diagnosis	D.M.R.D.

Note :—These qualifications shall be recognised medical qualifications when granted by the Manipal Academy of Higher Education in respect of students being trained at Kasturba Medical College, Manipal and Kasturba Medical College, Mangalore.

[No. V. 11025/24/94-ME(UG)
S.K. MISHRA, Desk Officer

कृषि मंत्रालय

(कृषि एवं सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 1994

का.आ. 3114.—केन्द्रीय सरकार, वहु राज्य सरकारी समिति अधिनियम, 1984 (1984 का 51) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार की अधिमूचना संख्या 11012/1/85—ए.ल. एंड एम. दिनांक 21 दिसम्बर, 1992 का अधिकरण करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा कृषि मंत्रालय (कृषि और सहकारिता विभाग) में उप मुख्य निदेशक (भाहकारिता) श्रीमती एस. कुमार को आगामी आदेशों तक महकारी समितियों के केन्द्रीय रजिस्ट्रार के पद पर नियुक्त करती है।

[सं.ए.ल. 11012/1/85—ए.ल. एंड एम.]
मी. एम. श्रीनिवासन, उप-सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

New Delhi, the 21st October, 1994

S.O. 3114.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 4 of the Multi-State Co-operative Societies Act, 1984 (51 of 1984) and in supersession of the Notification of the Government of India No. L-11012/1/85-L&M dated the 21st December, 1992, the Central Government hereby appoints Smt. S. Kumar, Deputy Chief Director (Cooperation) as the Central Registrar of Cooperative Societies until further orders.

[No. L-11012/1/85-L&M]
C. S. SRINIVASAN, Dy. Secy.

नागर विमान और पर्यटन मंत्रालय
(नागर विमान विभाग)
नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1994

का.आ. 3115.—प्रत्यरोद्धीय विमानपत्रन प्राधिकरण अधिनियम, 1971 (1971 का 43) की धारा 3 की उपधारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने भारत प्रत्यरोद्धीय विमानपत्रन प्राधिकरण के बोर्ड में श्री पी. के. ब्रह्मा, संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार नागर विमान और पर्यटन मंत्रालय (नागर विमान विभाग) नई दिल्ली को 06-10-1994 तारीख गे 3 वर्ष की अवधि के लिए या उनके द्वारा अपने वर्तमान पद का कार्यालय छोड़ जाने तक जो भी पहले हो अंशकालिक सदस्य के रूप में नियुक्ति के लिए अनुमोदित कर दिया है।

[संख्या प. वी. 24022/1/91-वी.ई.]
एन. एम. संयुक्त अवर सचिव

MINISTRY OF CIVIL AVIATION & TOURISM

(Department of Civil Aviation)

New Delhi, the 18th October, 1994

S.O. 3115.—In exercise of the powers conferred by sub-Section 3 of the Section 3 of the International Airports Authority Act, 1971 (43 of 1971), the Central Government has approved the appointment of Shri P.K. Brahma, Joint Secretary & Financial Adviser, Ministry of Civil Aviation & Tourism, Department of Civil Aviation, New Delhi as part-time Member on the Board of International Airports Authority of India with effect from 06-10-1994 for a period of 3 years or till relinquishing his present office whichever is earlier.

[No. AV. 24022/1/91-VET]
H. S. SANDHU, Under Secy.

डाक विभाग

कोच्ची, 19 अक्टूबर, 1994

का.आ. 3116.—केन्द्र सरकार की राय में श्री पी. पन्कजाक्षन, डाकिया, चालककुड़ी डाक घर से संबंधित विभागीय जांच में गवाहों के रूप में बुलाना/गवाहों से कोई दस्तावेज मांगना आवश्यक है।

विभागीय जांच अधिनियम, 1972 (1972 का 18वां) (गवाह की उपस्थिति एवं दस्तावेजों की प्रस्तुति का प्रबर्तन) की धारा 4 की उप धारा (i) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रत्यायोजन करते हुए, केन्द्र सरकार अब श्री पी. पन्कजाक्षन, डाकिया, चालककुड़ी डाक घर के विरुद्ध नियम 14 के अधीन प्रूछताल के सिलसिले में, उक्त अधिनियम की धारा 5 में विनिर्दिष्ट शक्तियों का प्रत्यायोजन करते हुए जांच प्राधिकारी के रूप में श्री के.ओ.वी. नारायण नायर, सहायक प्राधीकरक, डाक घर, इरिञ्जालाकुड़ा उप मंडल को एतद्वारा प्राधिकृत करती है।

[सं. सतक/4-2/12/94]
के.पी. जोसफ, सहायक निदेशक

DEPARTMENT OF POSTS

Kochi, the 19th October, 1994

S.O. 3115.—Whereas the Central Government is of opinion that for the purposes of the Departmental Inquiry relating to Shri P. Pankajakshan, Postman, Chalakudy it is necessary to summon as Witness or call for any document from the witnesses.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 4 of the Departmental Inquiries (Enforcement of Attendance of Witnesses and Production of Documents) Act, 1972 (18 of 1972), the Central Government hereby authorises Sri K.O.V. Narayanan Nair, Asstt. Suptd. of Post offices, Irinjalakuda Sub-Div. as the Inquiring Authority to exercise the power specified in Section 5 of the said Act in relation to the Rule-14 Inquiry against Shri P. Pankajakshan, Postman, Chalakudy.

[No. Vig/4 2/12/94]
K. P. JOSEPH, Asstt. Director

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1994

का.सा. 3117.—श्रीरोपिक विधाद अधिनियम, 1947 (1947 वा 14) की तारा 17 के अनुसार में केन्द्रीय भवान के प्राचलन से के श्वेष नियोजकों और उनके कर्मकारों के लिए, इन्हें में श्रीरोपिक विधाद में केन्द्रीय भवान के प्राचलन को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय भवान को 29-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[म. एक-2201/2/106/93-IR(B-II)]
राजनाल, इंडिया

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 5th October, 1994

S.O. 3117.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.B.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 29-9-94.

[No. L-22012/406/93-IR(CII)]
RAJA IAI, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, BOMBAY

PRESENT:

Shri Justice R. G. Sudhakar, Presiding Officer.

REFERENCE NO. CGIT-26 OF 1994

PARTIES :

Employers in relation to the management of Rajnagar RO of SECL.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Management : Shri R. Mukhopadhyay, Legal Manager.

For the Workmen : No appearance

INDUSTRY : Mining STATE : Madhya Pradesh

Bombay, dated the 13th day of September, 1994

AWARD

Government of India, Ministry of Labour, New Delhi has by letter dated 23-3-1994 made following reference to this Tribunal for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

"Whether the action of Sub-Area Manager, Rajnagar RO of Hasdeo Area of SECL in terminating the services of Shri Jagat Ram, S/o Hiram, Loader, 7/8 Belgaon Rajnagar RO, w.e.f. 27-9-1992 is legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. In this case parties served with notices and the workman has not so far filed any statement of claim. In the absence of any statement of claim it is not possible to find out the nature of grievance the workman has against the management. The schedule states that the Tribunal should find out whether the action of terminating the services is legal and justified. That cannot be done in the absence of any material before this Tribunal. The management has served the notice on the workman by publishing it in the newspapers, which has circulation in that area. Hence the workman is not entitled to any relief and award accordingly.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1994

का.सा. 3118.—श्रीरोपिक विधाद अधिनियम, 1947 (1947 वा 14) की तारा 17 के अनुभरण में केन्द्रीय भवान के श्वेष नियोजकों और उनके कर्मकारों के लिए, इन्हें में श्रीरोपिक विधाद में केन्द्रीय भवान के प्रचलन को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय भवान को 6-10-94 को प्राप्त हुआ था।

[म. एक-12011/57/91-IR/C-II]
नी.के. शर्मा, इंडिया

New Delhi, the 6th October, 1994

S.O. 3118.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal I, Bombay as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Bank of Baroda and their workmen, which was received by the Central Government on 6-10-94.

[No. L-12011/57/91-IR/B-II]
V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, BOMBAY

PRESENT :

Shri Justice R. G. Sindhakar, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-20 of 1992

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bank of Baroda.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Management—Shri Tulsania, Advocate.
For the Workmen—Shri M. B. Aneja, Advocate.

INDUSTRY : Banking STATE : Maharashtra.
Bombay, dated the 22nd day of September, 1994

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour has made by letter dated 27-3-1992, the following reference to this Tribunal for adjudication under Section 10(1)(d) read with Section 2-K of the Industrial Disputes Act, 1947.

"Whether the claim of Bank of Baroda Employees Union, Bombay that clause 15.2 of the settlement dated 22-9-1977 is applicable to Central Office of Bank of Baroda also, is correct ? If so, who are the persons eligible for the benefit and from what date?"

2. Statement of claim has been filed on behalf of the Union by its Vice President. It is stated therein that Memorandum of settlement has been arrived at on 22-9-1977, between the Bank of Baroda and the All India Bank of Baroda Employees Federation, on the issue of temporary appointment as Special Assistant in place of Special Assistant proceeding on leave. Clause 15.2 of the said settlement is the relevant clause.

3. The Union further states, that as per the above clause, whenever, a Special Assistant in the Central Office proceeds on leave, for more than 15 days, in any branch office in his/her place, the Bank has been promoting the next senior-most clerk to the post of Temporary Special Assistant, and pay him/her Special Allowance, except in the Central Office. There are as many as 12 Special Assistants in the Central Office, and as and when any of the Special Assistants proceeds on leave, the Bank management is not promoting anybody to that post and thereby denying the legitimate right of the seniormost clerk to promotion to the post of Special Assistant, and Special Allowance. The Union, therefore, raised a dispute with the management of the Bank, and since the Bank refused to extend the said benefit to the staff of the Central Office the Union approached the Asstt. Labour Commissioner (Central), and the failure report resulted in the present reference.

4. It is further stated that as per the provisions of Clause 15.2 of the settlement dated 22-9-1977, the Bank has been giving promotion to the seniormost clerk in all branches and also in all the offices of the Bank, i.e., the Bombay Main Office etc. However, the Bank does not extend the same benefit to the staff of the Central Office Bombay. Whenever, a Special Assistant in the Central Office proceeds on leave, for more than 15 days, the seniormost clerk in the Central Office is not assigned the responsibilities of the Special Assistant, thereby denying him of his legitimate right for promotion and allowance. The union submits that the Bombay Main Office is a part of the Central Office, and inspite of this, the benefit is extended to the staff members in the Bombay Main Office, and not to the staff of the Central Office. The Union submits that even he salaries of the staff members of both the Central Office, and the Bombay Main Office are paid under the same head. The Bombay Main Office and the Central Office has got a common seniority list for the purpose of promotions, and that the transfers are also effected from one branch to another, considering the Central Office, and Bombay Main Branch as one and the same. The Union therefore, submits that the Bank is following unfair labour practices, and that its action is illegal, unjustified, and against the principles of natural justice.

5. Prayer therefore, is, that the Bank management should be directed to extend the benefits of Special Assistant's allowance to the staff in the Central Office also from the date of the settlement dated 2-9-1977.

6. The Chief Manager Vice Administration has filed his written statement and therein it is contended that there has been a settlement arrived at between the parties on 15-2-1991, and the provisions with regard to assignment of duties carrying Special Allowance have been modified under Clause 6. The contention therefore, is that, as a result of the subsequent settlement entered into between the parties, it supersedes the provisions of the earlier settlement of 1977. As a result, whenever, an Officer in a branch proceeds on leave, or goes on deputation or for training for a period of more than 7 days but less than 3 months, the seniormost eligible Clerk, at the branch is to be assigned the duties

of the Special Assistant on temporary basis for such period. It is the contention of the Bank management, that this provision does not apply to the Central Office, and applies only to the branches of the Bank, and therefore, the employees of the Central Office cannot claim the benefit of this Clause 15.2 of the settlement of 1977 or Clause 6 of the 1991 settlement.

7. It is further denied that any dispute has been ever raised since 1977, and even after 1991, for claiming the benefit by the Union on behalf of the Employees working in the Central Office. The contention is, that, it cannot be now raised and that the Bi-partite Settlement is very clear on the point. In view of this, this reference is liable to be rejected.

8. Affidavit has been filed by Shri Bhathena on behalf of the Bank, and he has been cross-examined on behalf of the Union.

9. The management has also produced copy of the settlement of 1977 as well as that of 1991. A copy of the draft letter to be written to the clerk in the branch, who has been assigned the duties of the Special Assistant, carrying Special Allowance, and his acceptance letter is also produced on record.

10. There is no dispute on the point, that a settlement has been reached on 22-9-1977, and clause 15.2 of the said settlement reads thus :—

"TEMPORARY APPOINTMENT AS SPECIAL ASSISTANT IN PLACE OF A SPECIAL ASSISTANT PROCEEDING ON LEAVE :

Whenever a Special Assistant at a Branch proceeds on leave for a period of more than 15 days but less than three months, the next seniormost clerk at the Branch would be promoted as a temporary Special Assistant provided he has minimum three years of service in the Clerical Cadre in the Bank. Such temporary acting in the vacancy of a Special Assistant would not confer on the employee concerned any right to become a permanent Special Assistant merely by virtue of such temporary acting. No recruitment of a clerk would be made in place of such senior clerk acting as a Special Assistant on temporary basis."

11. Dispute that has been referred for adjudication, and what has been mentioned in the schedule set out above, is, as to whether the claim of the Bank of Baroda Employees' Union, Bombay that Clause 15.2 of the settlement dated 22-9-1977 is also applicable to the Central Office is correct.

12. On a plain reading of the clause 15.2, it goes to show that it is obligatory upon the management to promote the next seniormost clerk in the Branch, as a Temporary Special Assistant, whenever, a Permanent Special Assistant in that Branch, proceeds on leave. (underlining is mine). It further stipulates that, such leave should be for a period of not less than 15 days and not more than three months, and that the seniormost clerk, who is to be promoted to the post of temporary Special Assistant, should have a minimum of three years of service in the clerical cadre in the Bank. The fact remains that it is to be followed in the case of a Branch Office. It however, does not speak of vacancies occurring in the Central Office. The learned counsel appearing on behalf of the Bank emphasised this aspect, and submitted that the dispute is on this point and the reference made to this Tribunal for adjudication, is based on Clause 15.2 of the 1977 settlement, and present claim is not justified on a plain reading of Clause 15.2. He, also referred to the relevant provisions of the 1991 settlement, under Clause 6. There also provision is made for appointment of the senior most 'eligible' Clerk at the Branch as Officiating Special Assistant on temporary basis. Therein, the period of such vacancy should not be for less than 7 days and more than 3 months. The word 'eligible Clerk' is added in Clause 6.1, of 1991 settlement which is not to be found in Clause 15.2 of 1977 settlement. Clause 6.1 also applies to a case, where the Special Assistant goes on deputation or for training, which is not to be found in 15.2 of 1977 settlement. Therefore, it is submitted on behalf of the management, that this applied to a case, whenever a

vacancy arose in a branch and not in the Central Office.

13. Mr. Anchan appearing on behalf of the Union however, submitted that, Clause 15.1 has to be read with Clause 15.2. I however, do not think that it would make any difference. Clause 15.1 has no reference to this and the residuary clause speaks of a case of the vacancy of an officer in a Branch, and also does not speak anything about the Special Assistant in the Central Office. The position therefore, is not different even after reading Clause 15.1 of the settlement.

14. Mr. Anchan then submitted that the management has been appointing Special Assistants in the Bombay Main Office, and not restricting the practice to the branches only.

15. It is further submitted that, even in the Central Office, one Mr. Mirchandani was given Special Allowance by appointing him as temporary Special Assistant, and at the time of argument, Mr. Anchan offered to produce the salary slip of Mr. Mirchandani. On behalf of the management however, Mr. Talsania objected to the production of any document, at the time of argument. Today (1-9-1994) the Organising Secretary of the Union, Mr. Deepraj Damey has produced that salary slip for perusal.

16. In fact, the dispute that has been referred for adjudication, and which has been set out at the outset, clearly shows that this Tribunal has to find out, whether the claim made by the Bank of Baroda Employees Union, Bombay, that Clause 15.2 of the settlement dated 22-9-1977 is applicable to the staff of the Central Office of Bank of Baroda also is correct. On a plain reading of Clause 15.2, it is evident, that it applies when the Special Assistant at a branch, proceeds on leave, the seniormost clerk in the branch is to be promoted as temporary Special Assistant. Therefore, it does not apply to the Central Office, nor does it apply to the Main Office. That point therefore, will have to be answered against the union and therefore the claim cannot be said to be correct.

17. However, the Union is trying to come out with a case, that inspite of this provision of Clause 15.2, the benefit is being extended to the Bombay Main Office. That can hardly justify the argument, that in the case of Central Office also it should be made applicable by virtue of clause 15.2. I do not find this argument is sound and cannot be accepted. The pay slip of Shri Mirchandani even if accepted would not go to show that the claim made by the union is just. On the contrary, I find that even then, in the given case the benefit is extended to the employees on the establishment of Central Office, as evidenced by this pay slip produced the very contention, that it has not been extended to the employees in the Central Office will have to be rejected. I must mention that, this document, now produced could not be allowed to be produced, because a new case is sought to be made out at the stage of argument and, it is contrary to the case made out in the statement of claim. The case of the union was, that, the employees on the establishment of the Central Office are not being promoted in the leave vacancy of the Special Assistant, who are about 12 in numbers in the Central Office, and therefore at the first instance, to come out with a totally different case and to say that the benefit was being extended to them, will hardly be of any assistance to the Union for the very reasons mentioned above.

18. It is therefore, evident, that, the parties arrived at a settlement in the year 1977, which provided for promotion of the seniormost Clerk as Special Assistant on temporary basis, whenever a Special Assistant in branch proceeded on leave for more than 15 days, and less than 3 months. It further stated that such Seniormost Clerk should have minimum three years of service in the clerical cadre in the Bank, to be eligible for this promotion. It did not however, speak anything about the Special Assistants working in the Main Office. In my view, therefore, the claim of the union is not correct.

19. The management has also stated in the written statement that, this Memorandum of Settlement, dated 22-9-1987, has been superseded by another Memorandum of settlement dated 16-2-1991. Clause 9.4 of the said settlement mentions, that this settlement supersedes all the provisions made under

earlier settlements, and practices prevailing in all the branches, Regional, Central and Zonal Offices in respect of all the matters covered under this Settlement. Assignment of duties of the Special Assistants on temporary basis to the clerks is to be found in clause 6, and this clause is the successor of clause 15.2 of the earlier settlement of 1977. Some changes have been brought about. However, one thing is to be noted that, Clause 15 of the earlier settlement dated 22-9-1977 is no more operative, because of the subsequent settlement entered into in 1991. Reference has been made for adjudication on 16-2-1991, and at that time, the settlement of 1977 was not operative, and was superseded by the subsequent settlement of 1991. However, since the dispute referred to me for adjudication and what is mentioned in the schedule is related to the settlement of 1977, I have dealt with the same. However, in order to avoid a separate reference for adjudication I would also say that Clause 6.2 which is corresponding to clause 15.2 also deals with the date of appointment in place of Special Assistant at a Branch, proceeding on leave. The additional situations contemplated are, a Special Assistant proceeding on deputation, or for training. The period of 15 days in clause 15.2 has been reduced to 7 days, as minimum, and there is no change with regard to the maximum limit and that the seniormost clerk to be promoted will not be only on the basis of seniority as in Clause 15.2, but, he has to be also "eligible". Other things remain constant. Clause 6.3 makes things more clear by stating that, the seniority of the eligible clerks working in the branch is to be considered. I therefore, find that even if the matter was required to be examined in the light of the subsequent settlement of 1991, the result would have been the same.

20. For the reasons well known to the parties to the settlement and who are parties to the dispute, they agreed to assign the allowance post of the Special Assistants in the branches only and recorded that part of the settlement in the Memorandum of Settlement. They did not think then at any rate, to include the categories of Special Assistants working in the Central Office proceeding on leave and about filling in their vacancies on temporary basis. Since 1977, it appears that, even this Union had not raised any dispute, till they raised one which has given rise to the present reference. The settled position for about 15 years also indicates that the parties had agreed upon that the Clause 15.2 applied only to the branches. Even therein, the branches in the Metropolitan Cities and cities where there was more than one branch were excluded. Inspite of this, in 1991 they reiterated the same position in the settlement dated 16-2-1991. In the circumstances, I hold that the claim of the union is not correct.

Award accordingly.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1994

का.प्रा. 4119.—श्रीद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मिडिकेट बैंक के प्रबन्धतात्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीद्योगिक विवाद में श्रीद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-10-94 को प्राप्त हुआ था।

[मं.पल-12012/300/92-शाई आर बी -2]
वी.के. शर्मा, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 7th October, 1994.

S.O. 3119.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute

between the employees in relation to the management of Syndicate Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 6-10-1994.

[No. L-12012/300/92-IR(B-II)]

V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri V. Venkatachalam, M.A., B.L., Industrial Tribunal-I.
Dated, 28th day of September, 1994
Industrial Dispute No. 87 of 1992

BETWEEN

Sri M. Chenchu Reddy, I.D. No. 37-1-24(A),
Annavarapu Colony, Ongole-523001. . Petitioner.

AND

Deputy General Manager, Syndicate Bank,
Zonal Office, Somajiguda, Hyderabad. . Respondent.

APPEARANCES :

S/Sri L. Ravichander and C. V. Surya Narayana, Advocates for the Petitioner.
Sri E. Madan Mohan Rao, Ch. Laxminarayana, Advocates for the Respondent.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. L-12012/300/92-IR(B-II), dated 11-12-1992 referred the following dispute under Section 10(1)(d)(2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Management of Syndicate Bank and their workmen to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the Management of Syndicate Bank in dismissing Sri M. Chenchu Reddy, Ex-Clerk is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 87 of 1992 and notices were served to both the parties.

2. The brief facts of the claim statement filed by the Petitioner-workman read as follows :—That the petitioner was appointed as Clerk in the service of the Respondent on 7-1-1978. While so, a Memo was issued to the Petitioner on 2-4-1985 by the Respondent alleging that the petitioner had presented a withdrawal slip on 22-9-1983 and had withdrawn a sum of Rs. 5,000.00, that the Petitioner had withdrawn the said amount dishonestly and fraudulently and that the petitioner had misused his official position to derive under pecuniary advantage. The petitioner was issued a charge sheet dated 7-1-1986 charging him with gross misconduct of "doing acts prejudicial to the interests of the Bank" vide Clause 19.5(j) of the Bipartite Settlement. In the charge sheet it is mentioned that on 15-9-83 while Mr. Chenchu Reddy was working as Cashier at Tenali Branch, he unauthorisedly took a withdrawal slip bearing No. 751843 pertaining to Savings Bank Account 6435 of Sri K. Ramachandriah, a customer that on 22-9-1983 Chenchu Reddy presented the withdrawal slip for Rs. 5,000.00 purported to have been signed by Sri K. Ramachandriah, that he was not working in the S.B. Department on the relevant date, he himself entered the above withdrawal slip in the S.B. Ledger and got the same passed for payment by prevailing up Sri G. Rama Rao, Officer Incharge of the S.B. Department to pass the withdrawal slip for payment and received the payment thereunder. That on 5-5-1984 the Holder of S.B. Account No. 6435 visited the Branch to operate his S.B. Account and noticed that a sum of Rs. 5,000.00 was withdrawn from his S.B. Account on 22-9-1983 unauthorisedly and he disowned the withdrawal made from his Account. That Sri Chenchu Reddy knowing or having reasons to believe that the acts committed as stated above amounts to criminal misconduct and rushed to the seat of Mr. Raja Rao, Assistant Manager and interfered in the discussions between the customer and Assistant Manager and took the customer Mr. K. Ramachandriah outside the premises of the Bank, that after some

time Chenchu Reddy entered the Bank along with Mr. K. Ramachandriah and got his signature on the withdrawal slip No. 751843 without the knowledge of the Asstt. Manager concerned, that thereafter he issued a cheque bearing No. 761521 dated 5-5-1984 for Rs. 5,000.00 drawn on his S.B. Account No. 4226 in favour of Sri K. Ramachandriah obviously towards the proceeds of the withdrawal slip No. 751843, dated 15-9-1983 of which he obtained the payment. Thus on 10-5-1984 Chenchu Reddy credited a sum of Rs. 5,000.00 to his S.B. account 4226 through P. Adi Laxmi when the said cheque 761521 issued to Ramachandriah was received by the Branch for payment through clearing. It is evident from the above that he with a dishonest intention had fraudulently withdrawn a sum of Rs. 5,000.00 from the S.B. Account of the customer and misused his official position in order to derive undue pecuniary advantage. The petitioner submitted his explanation on 16-1-1986. By an order dated 9-3-1988 i.e. over 2 years after the petitioner submitted his explanation, the Respondent appointed Sri Y. Kagatha Rao as Enquiry Officer. It is therefore obvious that the Respondent has been using the charge sheet to harass the petitioner. The Enquiry Officer submitted his report to the Disciplinary Authority on 4-3-1991. Unfortunately, the Disciplinary Authority acted in a mechanical manner and imposed a punishment of dismissal from service by proceedings dated 18-7-1991. The order of the Disciplinary Authority dated 18-7-1991 as confirmed by the Appellate Authority on 6-11-1991 is liable to be set aside. For the reasons stated above, it is prayed that this Hon'ble Authority may be pleased to quash the order of the Disciplinary Authority dated 18-7-1991 as confirmed by the Appellate Authority on 6-11-1991 and answer the reference in favour of the Petitioner by declaring the action of the Management in dismissing the petitioner as illegal and unjust and direct the authorities to reinstate the petitioner with back wages and all consequential benefits and pass orders as are deemed fit and proper.

3. The brief facts of the counter filed by the Respondent-Management read as follows :

It is true that the petitioner was appointed as a Clerk in the service of the Respondent on 7-1-1978. It is also true that the Memo dated 2-4-1985 was issued against the petitioner alleging that the petitioner has presented a withdrawal slip on 22-9-1983 and had withdrawn a sum of Rs. 5,000.00 dishonestly and fraudulently by abusing official position to derive undue pecuniary advantage. It is true that the charge sheet dated 7-1-1986 was issued to on the allegations mentioned therein and the petitioner submitted an explanation on 16-1-1986. As explanation submitted by the petitioner was not satisfactory, the competent authority has appointed Enquiry Officer and enquiry was conducted in accordance with the Bipartite Settlement by providing reasonable opportunity to the petitioner. The customer Sri K. Ramachandriah when came to know complained to the Manager about the withdrawal and also orally denied of having withdrawn the said amount. Subsequent verification of records on the basis of oral complaint Sri K. Ramachandriah (the customer) it was revealed that the petitioner has committed the fraud with an intention to get undue pecuniary advantage. If the Petitioner wanted to produce Sri K. Ramachandriah as witness in the Departmental enquiry, who was not examined by the Management, he was free to do so and if Sri K. Ramachandriah was a key witness in the case, the petitioner could have brought him as witness since he has claimed that Sri K. Ramachandriah is his friend and he introduced him to the Bank. The Disciplinary Authority awarded the punishment of dismissal to the petitioner after being satisfied with the findings of the Enquiry Officer and also the petitioner did not bring any extenuating factors during the personal hearing to reconsider the proposed punishment of dismissal. It is clear that the Petitioner has committed an act of forgery which is a criminal offence and the Petitioner could have been proceeded against in the court of law. The Bank Management taking a lenient view in the matter issued a Charge Sheet to the petitioner and conducted departmental enquiry in accordance with the procedure laid down in the Bipartite Settlement and after the Enquiry Officer found the petitioner guilty, the Disciplinary Authority imposed the penalty on the petitioner after careful consideration of all the evidence brought on record and subsequently the Appellate Authority confirmed the penalty. Therefore the claim of the disputant is not maintainable. It is submitted that in the instant case, the misconduct committed by the petitioner is proved during the enquiry and the misconduct is grave and serious and criminal in nature. It is submitted that the Respondent Bank

being financial institution dealing with the public and their money, the acts of the claimant speak his dishonesty and integrity which should be viewed seriously. It is submitted that the claim preferred by the Petitioner is devoid of merits, punishment imposed by the Disciplinary Authority is proper, justified and valid as per rules. It is therefore prayed that the Hon'ble Court may be pleased to dismiss the I.D. with costs.

4. The point for adjudication is whether the Respondent Bank in dismissing Sri M. Chencha Reddy, Ex-Clerk is justified or not?

5. No oral evidence has been adduced by both the parties. No documentary evidence has been adduced by the Petitioner-workman but Exs. M1 to M18 were marked on behalf of the Respondent-Management.

6. Before going into the merits of the case, this Tribunal decided the validity of the domestic enquiry, passed Order, On 20-9-1994 holding that the domestic enquiry conducted against the Petitioner-workman by the Respondent as valid and it is not vitiated.

7. Now this Tribunal has to decide taking into consideration the quantum of punishment imposed on the petitioner and also commensurate with the gravity of the charge alleged to have been proved against the petitioner which is an act of victimisation and unfair labour practice.

8. The contention of the Petitioner-Workman that the orders of the Disciplinary Authority and the Appellate Authority referred to as the authorities are vitiated for non-examination of Sri K. Ramachandraiah. That Mr. K. Ramachandraiah did not file any complaint against the petitioner and ought to have drawn proper legal inference from the same, that the sum of Rs. 5,000.00 was withdrawn by Sri K. Ramachandraiah himself as the withdrawal slip contained his signature, that no complaints are forthcoming from any of the Bank officials prior to 5-5-1984 or after 10-5-1984 and ought to have drawn proper legal inference from the same, that the authorities ought to seen that Sri K. Ramachandraiah is a Sub-Inspector of Police who would not have kept quite without making a complaint if the case of the management is true and ought to have drawn proper legal inference from the same, that non-examination of Sri K. Ramachandraiah vitiates the entire proceedings and that the Enquiry Officer did not consider the written statement submitted by the Petitioner and ought to have drawn proper legal inference from the same.

9. The allegation of the Respondent-Bank on the other hand is that the charges are based on the fact that the petitioner fraudulently withdrawn an amount of Rs. 5,000.00 from a customer's account. The customer Sri K. Ramachandraiah when came to know complained to the Manager about the withdrawal and also orally denied of having withdrawn the said amount, that subsequent verification of records it was revealed that the petitioner has committed the fraud with an intention to get undue pecuniary advantage, that the Management did not feel the necessity to produce Sri K. Ramachandraiah as witness since the evidence available on record was sufficient to substantiate the charge levelled against the petitioner. If the Petitioner wanted to produce Sri K. Ramachandraiah as witness in the departmental enquiry, who was not examined by the Management, he was free to do so and is Sri K. Ramachandraiah was a key witness in the case, the petitioner could have brought him as witness since he has claimed that Sri K. Ramachandraiah is his friend and he introduced him to the Bank, and that the petitioner has committed an act of forgery which is a criminal offence and the petitioner could have been proceeded against in the court of law, that the Bank Management taking a lenient view in the matter issued a charge sheet to the petitioner and conducted departmental enquiry in accordance with the procedure laid down in the Bipartite Settlement, and after the Enquiry Officer found the petitioner guilty, the Disciplinary Authority imposed the penalty on the petitioner after careful consideration of all the evidence brought on record and subsequently the appellate authority confirmed the penalty and that therefore the claim of the petitioner is not maintainable.

10. In the enquiry the Respondent examined two witnesses namely Sri V. D. Durg, Manager who did investigation into the alleged misconduct of the petitioner and the other one is Sri G. Raja Rao, Asstt. Manager of the Tenali Branch at the material time. M.W.2 is an important witness. According to this witness, in case of customers, withdraw forms

are issued by counter clerk and in case of staff members, the individual employees will take the withdrawal slips themselves. According to this witness no requisition letter was submitted in respect of the withdrawal slip in question. The statement of the witness remained unrebutted by the defence representative of the petitioner. Moreover in Ex. M2 explanation and in the letter dated 17-10-1990 submitted to the Enquiry Officer, the petitioner admitted of having taken the withdrawal slip. Therefore it is not in dispute that the Petitioner has taken the withdrawal slip from the books of the bank out from the above evidence it is proved that he had taken the slip unauthorisedly. Now another question arises as to whether the petitioner is involved in irregularities regarding signature of customer on the withdrawal slip. With regard to this, M.W.2 deposed that the withdrawal slip came up for passing and that while passing the withdrawal slip for payment he observed the signature appearing on withdrawal slip does not tally with signature available with him and that after some time Sri Chencha Reddy came and requested for passing the withdrawal and that he insisted Chencha Reddy for witnessing the signature of Ramachandraiah and that accordingly Chencha Reddy signed on reverse of the withdrawal slip and that on 5-5-1984 Sri Ramachandraiah visited the Bank and disowned the withdrawal and that there was altercation between Ramachandraiah and Chencha Reddy and that Chencha Reddy took Ramachandraiah outside the bank and obtained signature on withdrawal slip without his (M.W.2) knowledge. In the cross-examination MW-2 categorically stated that the witness signature on reverse of the withdrawal slip is of Mr. Chencha Reddy and that the signature done by Sri Ramachandraiah on 5-5-84 were infact done by Ramachandraiah at the time of passing of the withdrawal on 22-9-1993 as suggested by defence representative. It is observed from the enquiry proceeding that the petitioner did not examine himself in the enquiry to say that the witness signature on the withdrawal slip is not that of his own. If these suggestions of the defence representative are correct, the question remains unanswered as to why the petitioner failed to examine Sri Ramachandraiah particularly when Ramachandraiah was his close friend as per Ex. M2 explanation. Therefore in view of these observations, I am of the firm opinion that the petitioner is guilty of the charges framed under Ex. M1 charge sheet. It is argued by Sri Ch. Lakshminarayana, Advocate for the Respondent Bank and contended that no relief be granted to the petitioner for the reasons that the misconduct committed by the petition is serious and grave and the Bank which is a financial institution dealing with the public and their money cannot repose any confidence in the petitioner whose honesty and integrity fell through. Sri Ch. Lakshminarayana, Advocate for the Respondent filed the xerox copy of the judgment of Karnataka High Court reported on 1984(85) FJR pac 277 wherein it was held :

"(i) That a Bank is the custodian of the money of the customers and the cashier is a person who deals with the money and he must be more diligent and honest and justify the trust reposed in him by the bank and by the customer. It once the customers lose the confidence in the dealings, the entire organisation suffers since the confidence of the customers is the basis on which the entire edifice of the banking system is built;

(ii) that the intentional temporary retention of the money which did not belong to a person was also misappropriation and mere repayment would not absolve the liability of the misconduct committed by the first respondent. When once money is put in to a bank by a customer, the bank owes a duty to repay the money to the customer.

(iii)

(iv)"

However the Respondent being a model employer can take the petitioner into service affording an opportunity to the petitioner to reform himself in future in the service of the Bank with a hope that the Petitioner would maintain honesty and integrity. Under Section 11-A of the Industrial Disputes Act, I hereby set aside the punishment of dismissal of the Petitioner-workman by the Respondent-Bank. Having considered the material available on record. I am of the clear opinion that the petitioner be reinstated into service

of the Respondent Bank from the date of publication of this Award without back wages which is sufficient punishment to the petitioner for the acts committed by him.

11. In the result, the action of the Management of Syndicate Bank in dismissing Sri M. Chenna Reddy, Ex-Clerk is not justified. The concerned workman is liable to be reinstated into service of the Respondent Bank from the date of publication of this Award but without any back wages but continuity of service. The workman is not entitled for any kind of monetary relief.

Award passed accordingly.

Typed to my dictation, given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 28th day of September, 1994.

Y. VENKATACHALAM, Industrial Tribunal-I

Appendix of Evidence

Witnesses Examined for Petitioner/Workman:	Witnesses Examined for Respondent/Management:
NIL	NIL

Documents marked on behalf of Petitioner/Workman:
NIL

Documents marked on behalf of Respondent/Management:
Ex. M1/7-1-86—Xerox copy of charge sheet.

Ex.M2 Xerox copy of explanation of the petitioner.

16-1-1986

Ex.M3

9-3-88

Ex.M4

5-12-88

Ex.M5

7-12-88

Ex.M6

7-12-88

Ex.M7

24-1-89

Ex.M8

16-11-89

Ex.M9

6-10-89

Ex.M10

6-5-91

Ex.M11

14-9-90

Ex.M12

Ex.M13

4-3-91

Ex.M14

10-6-91

Ex.M15

24-6-91

Ex.M16

18-7-91

Ex.M17

3-8-91

Ex.M18

6-11-91

Witnesses Examined for Petitioner/Workman:	Witnesses Examined for Respondent/Management:
NIL	NIL

Documents marked on behalf of Petitioner/Workman:
NIL

Documents marked on behalf of Respondent/Management:
Ex. M1/7-1-86—Xerox copy of charge sheet.

Ex.M2 Xerox copy of explanation of the petitioner.

16-1-1986

Ex.M3

9-3-88

Ex.M4

5-12-88

Ex.M5

-do-

7-12-88

Ex.M6

7-12-88

Ex.M7

24-1-89

Ex.M8

16-11-89

Ex.M9

6-10-89

Ex.M10

6-5-91

Ex.M11

14-9-90

Ex.M12

Ex.M13

4-3-91

Ex.M14

10-6-91

Ex.M15

24-6-91

Ex.M16

18-7-91

Ex.M17

3-8-91

Ex.M18

6-11-91

सरकार सिडिकेट बैंक के प्रवन्धनतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रौद्धोगिक विवाद में श्रौद्धोगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचपट का प्रकाशित कानूनी है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-10-94 को प्राप्त हुआ था।

[सं.ए.ल-12012/475/90-श्रावि आर बी -2]

बी.के. शर्मा, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 7th October, 1994

S.O. 3120.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Syndicate Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 6th October, 1994.

[No. L-12012/475/90-IR (B-II)]

V. K. SHARMA, i/Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD

PRESIDENT

Sri Y. Venkatachalam, M.A., B.L., Industrial Tribunal-I
Dated, the 28th day of September, 1994

Industrial Dispute No. 41 of 1991

BETWEEN

Sri P. Bhaskar, No. 12/127, Katakaraja Street
Gammalapalem, Gudur,
Nellore-524 101.

...Petitioner.

AND

Asstt. General Manager,
Syndicate Bank Zonal Office
Somajiguda,
Hyderabad.

...Respondent.

APPEARANCES :

M/s. A. K. Jayaprakash Rao, K. Muralidhar Reddy &
V. Narasimha Goud, Advocates—for the Petitioner.
M/s. E. Madan Mohan Rao & Ch. Lakshminarayan,
Advocates—for the Respondent.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. L-12012/475/90-IRB-II, dated 24th June, 1991 referred the following dispute under Section 10(1)(d)(2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Management of the Assistant General Manager, Syndicate Bank, Vijayawada Zone and their workmen to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the Management of Syndicate Bank in dismissing Shri P. Bhaskar, Attender from the services of the Bank w.e.f. 3rd October, 1989 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 41 of 1991 and notices were served to both the parties.

2. The brief facts of the claim statement filed by the Petitioner—workman read as follows: The petitioner submits he was appointed in the Respondent Bank as an Attender on 23rd October, 1981 and put in unblemished record of service till he was illegally dismissed by the Respondent Bank by order dated 5th October, 1989. The Petitioner preferred an Appeal and the same was erroneously rejected by order dated 20th January, 1990. The petitioner submits that while he was working as an Attender at Chintavaram Branch in Nellore District, he was issued with the charge sheet dated 20th December, 1986 alleging that while the petitioner working in the said Branch and at that time one Sri Peddabbi was the Branch Manager who processed the loan applications and the petitioner demanded an illegal gratification. The charge levelled in the charge sheet is against the Manager and not against the Petitioner. The Manager is the competent authority to process the loan applications and the petitioner being a staff has no control or jurisdiction to process the loan applications. That the said Manager is in service and the action initiated against the petitioner is therefore illegal. As per the records the loan was sanctioned on 4th February, 1983 and the charge sheet was issued on 20th December, 1986 after a lapse of three years and there is no explanation for issuing

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1994

का.आ. 3120.—श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947
(1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय

the charge sheet after a lapse of 3 years. The petitioner submits no complaint has been lodged by the beneficiaries at any time against the petitioner. When the amounts are being tried to recover in order to dupe the Bank the beneficiaries have resorted to illegal methods of involving the petitioner and the Branch Manager. The petitioner submits he has submitted a detailed explanation to the show cause notice and further submits the said show cause notice was only empty formality as the Respondent has come to definite and irrevocable conclusion to remove the petitioner from service. The petitioner submits the order of dismissal is illegal and invalid for the reason the Respondent while imposing the maximum punishment has failed to take into consideration the past conduct of the petitioner which is mandatory as per the provisions of Bipartite Settlement. The Respondent has failed to take into consideration the quantum of punishment to be imposed on the petitioner but imposed the maximum punishment which is shockingly disproportionate and do not commensurate with the gravity of the charge alleged to have been proved against the petitioner. The petitioner reiterates that he has not committed any misconduct malicious gross misconduct nor done any act prejudicial to the interest of the Bank. The petitioner therefore prays that this Hon'ble Court may be pleased to set aside the order of dismissal dated 3rd October, 1989 passed by the Respondent by granting the relief of reinstatement with full back wages and all other attendant benefits.

3. The brief facts of the counter filed by the Respondent read as follows: It is submitted that the action of the Respondent bank in dismissing the petitioner from services is lawful, justified and valid as the same has been done in terms of the relevant services conditions applicable to the employer duly affording him fair opportunity to defend his case at every stage and by following the principles of natural justice. It is submitted that Sri Peddabbi was the Manager of Chinavaram Branch and is brother-in-law of the petitioner who alleged to have obtained the illegal gratification of Rs. 600.00 each from 8 beneficiaries with a promise that the amount would be paid to the Manager i.e. Sri Peddabbi for sanctioning/disbursing 8 loans of Rs. 4,000.00 each. The contention of the petitioner that the charge levelled in the charge sheet is against the Manager and not against him is not correct. It can be observed from the charge sheet that the charges/allegations i.e. obtaining illegal gratification from customer/borrowers of the Bank are specific. The charges were proved during enquiry beyond any reasonable doubt. The contention of the petitioner that the beneficiaries would have lodged a complaint immediately after paying the illegal gratification is also not tenable because there is no reason for the beneficiaries to lodge a complaint against him, as he was instrumental in getting their loans sanctioned. It is true that while imposing the punishment of dismissal the disciplinary authority has to consider the past conduct of the petitioner. But, in the instant case the misconduct committed by the Petitioner which is revealed during the enquiry does not deserve any consideration as the same is grave, serious and criminal in nature involving moral turpitude and as such nothing will turn in his past records. It is submitted that the claim preferred by the petitioner is devoid of merits. The punishment imposed by the Disciplinary Authority is proper, justified and valid as per rules. It is therefore, prayed that the Hon'ble Court may be pleased to dismiss the above J.D. with costs.

4. The point for adjudication is whether the action of the Respondent in dismissing Shri B. Bhaskar, Attender from the services of the Bank w.e.f. 3rd October, 1989 is justified or not?

5. Before going into the merits of the case, this Tribunal decided the validity of the domestic enquiry conducted by the Respondent and passed an Order on 21st September, 1994 holding that the domestic enquiry conducted by the Respondent Management against the Petitioner workman as fair and proper.

6. Now this Tribunal has to decide the quantum of punishment imposed by the Respondent against the Petitioner. In this case it is seen in the Enquiry Report the Enquiry Officer observed the following:

"In view of the above, on a careful appreciation of the evidence recorded during the course of the en-

quiry I do not have any hesitation to believe the Management's charge that Sri Bhaskar had accepted illegal gratification @ Rs. 600.00 each from M.W.1 to M.W.8 with a promise that the same would be paid to Sri D. Peddabbi the Manager as a consideration for sanctioning the loans. Hence I hold Sri Bhaskar the CSE guilty of the charge of misconduct of "doing acts prejudicial to the interest of the Bank" vide Cl. 19.5(j) of the Bipartite Settlement."

7. In the Domestic Enquiry, the Management examined ten witnesses on its behalf. Out of these ten witnesses, eight of them (M.W.1 to M.W.8) are loan beneficiaries in question. All these eight witnesses deposed before the Enquiry Officer that they were residents of Pallamala Village. M.W.1, M.W.2, M.W.4, M.W.6 and eight of them deposed that the petitioner took the amount at the time of disbursement of the loans. M.W.3, M.W.5 and M.W.7 deposed that the petitioner collected the amount at his residence. During the cross examination, except putting the questions such as Why did he take? Why did you pay? Where you have paid? When did you complain? Was anybody present at the time of giving money? At what time did you go to Bhaskar? Thus no suggestion was made to these eight witnesses that the petitioner did not obtain the illegal gratification. M.W.9 was Manager of the Branch and he was not cross examined by the petitioner. M.W.10 is K.D.O. of the Branch. His version was that he went to Pallamala Village for recovering loans and that also met many persons to whom sheep loans were sanctioned and that they stated the insurance cover was not extended to the Sheep although insurance amount was collected by the Branch from proceeds of the loan. The petitioner had not rebutted the statement of M.W.10. During the examination of the Petitioner, the Petitioner was asked a question by the Management that he collected Rs. 600.00 from each informing that the said money was to be paid to Sri Peddabbi, the Manager for sanction of loan. For this question the petitioner replied casually that he does not have any connection. From this evidence it is very clear the petitioner never denied the allegation of the Respondent Bank. This entire evidence is sufficient to say that the petitioner obtained illegal gratification from the loan beneficiaries.

8. The counsel for petitioner argued that there was delay of three years in issuing the charge sheet and that the loan beneficiaries were residence of Pallamala Village to which the petitioner belongs and that there was land disputes between them and that the beneficiaries falsely implicated him in the loan transactions. That at the time of examination of these beneficiaries before Enquiry Officer, not a single suggestion was made to them by the Petitioner to substantiate the above contention. Hence I do not find any merit in the argument of the Petitioner. The Counsel for the petitioner further argued that in fact the charge sheet was meant for Sri Peddabbi, the Manager of the Branch and that in the charge sheet it is very clearly mentioned that while functioning as Manager of the Branch he had processed loan application of the beneficiaries and demanded an illegal gratification at the rate of Rs. 600.00 from each for sanction of loan and that the Respondent is not justified in issuing charge sheet and punishing the petitioner. Sri Ch. Lakshminarayana, Advocate on behalf of Sri E. Madan Mohan Rao, Advocate for the Respondent Bank argued and made a successful attempt to convince this Tribunal that this is the fact that at the time of and after the disbursement of loan amounts the petitioner obtained illegal gratification from the beneficiaries as evident from the examination of the loan beneficiaries and that the petitioner obtained the illegal gratification on the pretext that these amounts were to be paid to the Manager and that in fact the Manager was not at all involved in the affair. Hence in the light of the evidence recorded by the Enquiry Officer and in view of the above observation made by this Tribunal, I am of the clear opinion that the Petitioner-Workman is guilty of the charges of obtaining illegal gratification from the loan beneficiaries. Now the argument of the counsel for the Petitioner that the Respondent is not justified in punishing the petitioner alone and instead of punishing the petitioner, the Respondent must have punished the real culprit namely the Manager of the Branch Sri Peddabbi. This Tribunal is of the opinion that the Respondent-Bank is the model employer can afford an

opportunity to the petitioner to reform himself by reinstating him into service. Though the misconduct committed by the petitioner is viewed seriously, for the above reason I do not hesitate to set aside the dismissal order and direct the Respondent-Bank to reinstate the petitioner into service with the firm belief that the Petitioner would be more careful in future and maintain honesty. I am of the clear view that non-payment of back wages would be sufficient punishment for the Petitioner for the acts committed. Hence I hold that the Petitioner-workman is liable to be reinstated into service with effect from the date of the publication of this Award but without back wages from the date of dismissal to the date of publication of this Award.

9. In the result, the action of the Management of Syndicate Bank in dismissing Shri P. Bhaskar Attender from the service of the Bank w.e.f. 3rd October, 1989 is not justified. The concerned workman is entitled to be reinstated into service from the date of publication of his Award but without back wages, but with continuity of service. The workman is not entitled for any kind of monetary relief.

Award passed accordingly.

Typed to my dictation, given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 28th day of September, 1994.

Y. VENKATACHALAM, Industrial Tribunal-I

Appendix of Evidence

NIL

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1994

का. आ. 3121.—श्रीद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार देना बैंक के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में लिहिए श्रीद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीद्योगिक अधिकरण 2, बम्बई के पंचायत को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-10-94 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/317/92-आई आर वी -2]
वी. के. शर्मा, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 7th October, 1994

S.O. 3121.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, 2, Bombay as shown in the Annexure to the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Dena Bank and their workmen which was received by the Central Government on 7-10-1994.

[No. L-12012/317/92-IR (B-1D)]
V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

PRESENT :

Shri S. B. Panse Presiding Officer
Reference No. CGIT-2/9 of 1993

Employers in Relation to the Management of Dena Bank

AND

Their Workmen

APPEARANCE:

For the Employers—Mr. S. K. Talsania Advocate
For the Workmen—No Appearance.

INDUSTRY : Banking STATE : Maharashtra
Bombay, dated 26th September, 1994

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by its letter no. L-12012/317/92 dated 16-2-93 has referred to the following industrial dispute under section 10 of the Industrial Disputes Act for adjudication. It states as follows:

"Whether the action of the management of Dena Bank in relation to its Pune region in giving preference to part-time sweepers (in filling up the existing vacancies of full time sub-staff) by ignoring the claim of badli sepoys is justified? If not, what is the relief to which the badli sepoys named in the schedule appended herbelow are entitled?"

2. After the receipt of the reference notices were issued to the concerned parties. The management and the Union appeared initially and thereafter no statement of claim was filed by the union. Several opportunities were granted to it. For convenience sake the matter was also posted at Pune, but it was of no use, the Union was absent. It did not file the claim. There is no evidence to show that the action of the management is illegal. Hence I pass the following order:

ORDER

1. The action of the management of Dena Bank in relation to its Pune region in giving preference to part-time sweepers (in filling up the existing vacancies of full time substaff) by ignoring the claim of badli sepoys is justified.

2. No order as to costs.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 1994

का. आ. 3122.—श्रीद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में लिहिए श्रीद्योगिक विवाद में श्रीद्योगिक अधिकरण, जयपुर के पंचायत को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-10-94 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-29011/10/89-आई आर (विवाद)]

वी. प. म. डेविड, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th October, 1994

S.O. 3122.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of the Industrial Tribunal, Jaipur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Gulab Chand Kochhar, Bikaner and their workmen, which was received by the Central Government on 7-10-1994.

[No. L-29011/10/89-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer.

अनुबन्ध

केन्द्रीय श्रीदौगिक व्यापारिकरण, जयपुर

केस नं. मा.आई.टी. 62/1989

रेफरेंसः केन्द्र सरकार, थम मंत्रालय, नई दिल्ली का अधिकारी
क्रमांक ए.ल-29011/10/89-आई.आर. /विविध

दिनांक 5-6-89

सचिव, बदान मंजदूर यूनियन, जयपुर —प्रार्थी
बनाममै. गुलाब चन्द कोचर, बीकानेर —प्रार्थी
उपस्थितमाननीय व्यापारिक श्री शंकर लाल जैन, प्रार.एच.जे.एम.
प्रार्थी की ओर से : श्री कान्त सिंह गठोड़प्रार्थी की ओर से : श्री एस.पी. सिंह
दिनांक अवार्डः 15-2-1993

श्रवार्ड

श्री शानसिंह गठोड़ यूनियन की ओर से तथा श्री
एम.पी. सिंह विपक्षी की ओर से उपस्थित है। श्री गठोड़
ने जाहिर किया कि इस प्रकरण की पत्रवली उनसे यूनियन
द्वारा ले गये हैं और वे इस केंद्र में पैरवानी नहीं करना चाहते।
आज यूनियन की ओर से भी कोई हाजिर नहीं है। ऐसा
लगता है कि यूनियन अब इस मामले में रुचि नहीं ले रही है।
अतः मामले की परिस्थिति को देखते हुए इस प्रकरण
में नो डिस्ट्रिक्ट अवार्ड पारित किया जाता है जो केन्द्र सरकार
को प्रकाशनार्थ भेजा जावे।

शंकर लाल जैन, पिंडासीन अधिकारी

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 1994

का.आ. 3123.—श्रीदौगिक विवाद अधिनियम, 1947
(1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय
सरकार मैसर्व सोसाइटी सरवीस स प्रा.लि. के प्रबन्धतात्र के
संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में
निर्दिष्ट श्रीदौगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीदौगिक
अधिकरण, नं. 2, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है,
जो केन्द्रीय सरकार को 7-10-94 को प्राप्त हुआ था।

[मं.ए.ल-31012/17/91-आईआर. (विविध)]
बी.एम. डेविड, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th October, 1994

S.O. 3123.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Seascan Services Pvt. Ltd., Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on 7-10-1994.

[No. L 31012/17/91-IR (Misc.)]
B. M. DAVID, Desk Officer.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

PRESENT :

Shri S. B. Panse, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-2/34 of 1992

Employers in relation to the management of
M/s. Seascan Services Pvt. Ltd., Bombay.

AND

Their workmen

APPEARANCES :

For the Management.—1. Shri K. M. Naik,
Advocate.

2. Shri C. Siwadasan, Representative.

For the Workmen.—Shri J. Sawant, Representa-
tive.INDUSTRY : Port & Docks STATE : Maharashtra
Bombay, the 26th September, 1994

AWARD

After receipt of the reference from the Government of India, the parties were duly served with the notices. A statement of claim was filed on 22-12-92. It was opposed by a written statement on 7-6-1993. My Learned Predecessor framed issues at Exh. 5 on 5-7-1993.

2. Today by pursuance at (Exh. W7) the union informed the Tribunal that the workman is not interested in pursuing the matter. He did not approach the Union.

3. Today the workman was called out, but he was not present in the Court. The management was present. For all these reasons, it appears to me that the workman does not want to pursue the matter and hence I pass the following order :

ORDER

- The reference is disposed of for want of prosecution.
- No order as to costs.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 1994

का.आ. 3124.—श्रीदौगिक विवाद अधिनियम, 1947
(1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय
सरकार मैसर्व भगवान दास, चन्द्र कुमार एण्ड कम्पनी,
प्रोपराइटर के प्रबन्धतात्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्म-
कारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीदौगिक विवाद में
श्रीदौगिक अधिकरण, जयपुर के पंचपट को प्रकाशित करती
है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-10-94 को प्राप्त हुआ था।

[मं.ए.ल-29012/27/90-आईआर. (विविध)]
बी.एम. डेविड, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th October, 1994

S.O. 3124.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of the Industrial Tribunal, Jaipur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Bhagwan Das Chandra Kumar and Co., Proprietor and their workmen, which was received by the Central Government on 7-10-1994.

[No. L-29012/27/90-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

अनुबन्ध

केन्द्रीय श्रीदौषिंग न्यायाधिकरण जयपुर

केम नं. सी.आई.टी. 27/1990

रैफरेंस: भारत सरकार, श्रम मंत्रालय नई दिल्ली का आदेश
क्रमांक एल-29012/27/90—आई आर/विविध दिनांक
18-4-1990

सचिव, खाद्यान मजदूर यूनियन (एटक) कोलायन बीकानेर
—प्रार्थी

वनाम

मैमर्स भगवान दाम, चन्द्र कुमार एण्ड कम्पनी प्रोपर्टीस्ट्राईटर
श्रम नाथ चान्दना—बीकानेर
—विपक्षी

उपस्थित

माननीय न्यायाधीश श्री शंकर लाल जैन, आर.एच.जे.एस.
प्रार्थी की ओर से : श्री कान विह राठोड़
विपक्षी की ओर से : नोई हाजिर नहीं
दिनांक अवधार्ड : 15 फरवरी, 1993

द्रवदार्द

श्री कान मिह राठोड़ यूनियन की ओर से उपस्थित है, विपक्षी की ओर से कोई हाजिर नहीं है। श्री राठोड़ ने जाहिर किया कि इस प्रकरण की पत्रावली यूनियन वाले उनसे ले गये हैं इसलिए श्री राठोड़ इस केस में पैरवी नहीं करना चाहते। आज यूनियन की ओर से कोई हाजिर नहीं है। यूनियन को दिनांक 1-6-91 में विपक्षी को नोटिस तामील के लिए दिया जा रहा है अब तक विपक्षी को नोटिस तामील नहीं हुआ है और ना ही विपक्षी की ओर से आज तक कोई हाजिर हुआ है। प्रकरण की परिस्थिति को देखते हुए इस मामले में नो डिस्पूट अवधार्ड पारित किया जाता है जो केन्द्र सरकार को प्रकाशनार्थ नियमानुसार भेजा जावे।

शंकर लाल जैन, पीठासीन अधिकारी

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 1994

का.श्रा. 3125.—श्रीदौषिंग विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार मैमर्स शिवरतन ज्वाला प्रमाद कोठारी के प्रत्यन्तव्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुवंश 2399 GI/94—11

में निर्दिष्ट श्रीदौषिंग विवाद में श्रीदौषिंग अधिकरण, जयपुर के अंतर्पाल को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-10-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-29012/17/89-प्राई.आर. (विविध)]
बी.एस. डेविड, इन्स्प्रिक्टर अधिकारी

New Delhi, the 10th October, 1994

S.O. 3125.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of the Industrial Tribunal, Jaipur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Shivratan Jwala Prasad Kothari and their workmen, which was received by the Central Government on 7-10-1994.

[No. L-29012/17/89-IR (Misc.)]
B. M. DAVID, Desk Officer.

अनुबन्ध

केन्द्रीय श्रीदौषिंग न्यायाधिकरण, जयपुर
केम नं. सी.आई.टी. 61/89

रैफरेंस: भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश
क्रमांक एल-29012/17/89-IR 2/विविध दिनांक
6-6-89

महामंचिक, खाद्यान मजदूर यूनियन रो-3, नेताजी सुभाष
नगर, हरि राम, टांक रोड, जयपुर —प्रार्थी

वनाम

मैमर्स शिवरतन ज्वाला प्रमाद कोठारी, खाद्यान कार्डिन को,
बीकानेर
—प्रप्रार्थी

उपस्थित

माननीय न्यायाधीश श्री शंकर लाल जैन, आर.एच.जे.एस.
प्रार्थी की ओर से : श्री कान मिह राठोड़

अप्रार्थी की ओर से : श्री एस.पी. सिंह
दिनांक अवधार्ड : 15-2-1993

अवधार्ड

श्री कान मिह राठोड़ यूनियन की ओर से नथा श्री
एस.पी. मिह विपक्षी की ओर से उपस्थित हैं। श्री राठोड़
ने जाहिर किया कि इस प्रकरण की पत्रावली यूनियन वाले
उनसे ले गये हैं इसलिए वे इस प्रकरण में पैरवी नहीं करना
चाहते। आज यूनियन की ओर से कोई हाजिर नहीं है।
ऐसा प्रतीत हाता है कि यूनियन इस प्रकरण में सचि नहीं
ले रहा है अतः मामले के परिस्थितियों को देखते हुए
प्रकरण में नो डिस्पूट अवधार्ड पारित किया जाता है जो
केन्द्र सरकार द्वारा प्रकाशनार्थ नियमानुसार भेजा जावे।

शंकर लाल जैन, पीठासीन अधिकारी

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर, 1994

का.आ. 3126.—श्रीद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, में, भारत कोकिंग कॉल लिमि. की निचितपुर कंपनियरों के प्रबन्धनतंत्र के संबद्ध नियोजकों श्रीराम उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आंदोलिक अधिकरण, (म. 1), धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-10-1994 को प्राप्त हुआ था।

[मंद्या एल-20012/240/91—आई आर (कोल-1)]
वृत्त मालूम, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th October, 1994

S.O. 3126.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Nichipur Colliery of M/s. BCCL and their workmen, which was received by the Central Government on 11-10-1994.

[No. L-20012/240/91-IR (Coal-I)]
BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD
In the matter of a reference under Section 10(1)(d)
of the Industrial Disputes Act, 1947
Reference No. 73 of 1992.

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Nichipur Colliery of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri P. K. Sinha, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers.—Shri H. Nath, Advocate.
For the Workmen.—None.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dated, the 4th October, 1994

AWARD

By Order No. L-20012(240)91-I.R. (Coal-I), dated, the 13th August, 1992, the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial

Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Nichipur Colliery in superannuating Shri Rama Bhuiya w.e.f. 13-7-1990 instead of 1-7-1997 is justified ? If not to what relief the workman is entitled ?

2. The order of the reference was received in this Tribunal on 25-8-1992. Thereafter notice was sent to the sponsoring Union to file written statement on behalf of the workmen. Despite several adjournments neither the concerned workman nor the sponsoring Union appeared and filed written statement. Even on 29-9-1994 no one was present in the Tribunal on behalf of the workman.

3. It, therefore, appears that the sponsoring Union has lost interest in this reference case or that it now has no dispute to prosecute. In the circumstances, I am constrained to render a 'no dispute' award in this case.

4. Therefore I render a 'no dispute' award in the present reference case.

P. K. SINHA. Presiding Officer

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर, 1994

का.आ. 3127.—श्रीद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बम्बई पोर्ट ट्रस्ट के प्रबन्धनतंत्र के संबद्ध नियोजकों श्रीराम उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आंदोलिक अधिकरण नं. 2, नावर्ड के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-10-1994 को प्राप्त हुआ था।

[मंद्या एल-31012/22/92—आई आर (विविध)]

रा.एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th October, 1994

S.O. 3127.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bombay Port Trust and their workmen, which was received by the Central Government on 11-10-1994.

[No. L-31012/22/92-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY
PRESENT :

Shri S. B. Panse, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-2/83 of 1993

Employers in relation to the management of
Bombay Port Trust.
AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers.—Shri M. B. Anchan, Advocate.

For the Workmen.—Shri S. R. Kulkarni, Representative.

INDUSTRY : Ports and Docks

STATE : Maharashtra

Bombay, dated 13th September, 1994

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by its letter No. L-31012/22/92-IR (Misc.) dated 12-10-1993 had referred to the following industrial dispute for adjudication. It is in the following words :

"Whether the action of the management of B.P.T., Bombay in dismissing Shri S. M. Jagatap, Scavenger, Docks Deptt w.e.f. 4-7-1989 is just, proper and legal? If not, to what relief is the workman entitled to?"

2. After receipt of the reference the parties were served with the notices. The matter was adjourned from time to time and at last the Secretary, Transport and Dock Workers Union, Bombay filed pursvis at Exh. 2 informing the Court that the workman is not approaching the Union. The dismissal is in respect of the individual demand backed by the Union. Under such circumstance the Union does not wish to pursue the reference. Under such circumstance there is nothing to be done in the matter. Hence I pass the following order :

ORDER

1. The reference is disposed of for want of prosecution.
2. No order as to costs.

S. B. PANSE, Presiding Officer

सही दिनलो, 13 अक्टूबर, 1994

कानूनी 3128.—आंदोलिक दिवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में केन्द्रीय सरकार ग्रिंडलैंस थैंक, मद्रास के प्रबन्धनाल के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अन्वंध में निर्दिष्ट आंदोलिक

क्षिप्राद में आंदोलिक अधिकरण, मद्रास के प्रबन्धन को प्रताशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 11-10-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या पत्र-12012/15/88-डीआई(बी) [बी आई]
बौद्धिक शर्मा, डीएस अधिकारी

New Delhi, the 13th October, 1994

S.O. 3128.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Grindlays Bank, Madras and their workmen, which was received by the Central Government on the 11-10-94.

[No. L-12012/15/88-DI(B)[B.I]]
V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL,
TAMILNADU, MADRAS

Monday, the 22nd day of August, 1994

PRESENT :—

Thiru K. Ponnusamy, M.A.B.L., Industrial Tribunal

Industrial Dispute No. 65/88

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Workman and the Management of Grindlays Bank, P.I.C., Madras-600 001.

BETWEEN :—

The Workman represented by
The Grindlays Bank Employees Union,
19, Rajaji Salai,
Madras-600 001.

AND

Chief Manager (Operations).
Grindlays Bank P.I.C.,
19, Rajaji Salai,
Madras-600 001.

Reference :—Order No. L-12012/15/88-DI(B), dated 26-9-88, Ministry of Labour, Govt. of India, New Delhi.

This dispute after restoration coming on this day for final disposal in the presence of Thiru Georgian P. Moroos for King & Patridge Advocates appearing for the Management, upon perusing the reference, Claim and Counter Statements and other connected papers on record, and the workman being absent, this Tribunal passed the following :

AWARD

This dispute between the workman and the Management of Grindlays Bank, arises out of a reference by Government of Tamil Nadu, for adjudication of the following issue :

"Whether the action of the Management of Grindlays Bank P. Ic. is justified in selecting Shri T. D. Rajan as Head Cashier, by overlooking the claim of Asst. Head Cashier ? If not, to what relief are the Asst. Head Cashier entitled ?"

Now the time is 3.16 p.m. No representation for the petitioner. Petitioner's Counsel is absent. Petitioner is called. He is absent. Today this Industrial dispute is posted for petitioner's arguments as last chance. Hence this Industrial dispute is dismissed for default. No. costs.

Dated, this the 22nd day of August, 1994.

K. PONNUSAMY, Industrial Tribunal

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर, 1994

कांस्या० 3129.—आंदोलिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार समस्तीतुर अंतर्राष्ट्रीय प्रार्थी बैंक, समस्तीतुर के प्रबंध-तंत्र के संवद नियोजकों और उनके कर्मकारों के दीव अवधि में निर्दिष्ट आंदोलिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आंदोलिक अधिकरण नं० 1 धनवाद के पंचपट को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-10-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या पन्—12011/30/92—आईयार(बी-3)/बी-1]
वी०क०० शर्मा, डैम्प अधिकारी

New Delhi, the 13th October, 1994

S.O. 3129.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, No. I Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Samastipur Kshetriya Gramin Bank, Samastipur and their workmen, which was received by the Central Government on the 11-10-94.

[No. L-12011/30/92-JR(B-3)[B.I.]
V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I AT DHANBAD

In the matter of an industrial dispute under Sec. 10(1)
(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 129 of 1992

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Samastipur Kshetriya Gramin Bank,
Samastipur

AND

Their Workmen

PRESENT :

Shri P. K. Sinha, Presiding Officer

APPEARANCES :

For the Employers.—Shri P.C.N. Sinha, Manager, Personnel.

For the Workmen.—Shri B. Prasad, President, Bihar Provincial Gramin Bank Employees' Association

STATE : Bihar INDUSTRY : Banking.

Dated, the 28th September, 1994

AWARD

The Govt. of India, in the Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1) (d) of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-12011/30/92-JR (B-3) dated, the 22nd October, 1992 :—

"Whether the action of the management of Samastipur Kshetriya Gramin Bank in suddenly withdrawing one additional annual increment in pay was just and proper ? If not, to what relief the workmen are entitled ?"

2. From the pleadings of the parties and the materials on the record it will appear that certain facts are established or are admitted facts. Admittedly, Samastipur Gramin Bank is a regional rural bank (hereinafter referred to as RRB), which was established at Samastipur in the year 1980 under Section 3 of the Regional Rural Bank Act, 1976 (hereinafter referred to as 1976 Act). Admittedly, the RRB was sponsored by the State Bank of India (SBI in short).

3. Again, admittedly, three Writ Petitions were filed in the Hon'ble Supreme Court from the year 1982 to 1984 on behalf of the employees relating to the disparity in the pay scales, allowances and other benefits of the employees of the RRB with that of the employees of the sponsor Banks on the ground that since the employees of both the Banks were performing the same duties there should be parity in pay and privileges. Those three petitions were heard by the Hon'ble Supreme Court together and the Hon'ble Court by order dated 1-9-87 directed the Union of India to constitute a National Industrial

Tribunal to which that dispute was to be referred for decision.

4. Admittedly, by notification dated 25-11-1987 the Union of India constituted a National Industrial Tribunal which gave its Award dated 30-4-1990. Admittedly, the National Tribunal in its award held that the officers and the other employees of the RRB would be entitled to claim parity with the officers and other employees of sponsor banks in the matter of pay scales, allowances and other benefits. It was also directed that the Award should be given effect from 1-9-1987.

5. Admittedly, an Equation Committee was constituted to give effect to the Award of the National Industrial Tribunal, which Committee filed its report to the Govt. of India in the Ministry of Finance which report was dated 1-9-1991. The aforesaid documents are on the record being Exts. W-1 and W-2.

6. It will further appear from the written statement of the sponsoring Union, which has not been expressly controverted in the written statement of the management, that the Union of India, in consultation of the National Bank of Agriculture and Rural Development (hereinafter referred to as the NABARD, in short) accepted the report of the Equation Committee and circulated the same. Then the Union of India issued letter dated 22-2-91 addressed to the different Chairman and Managing Directors of the sponsor Banks to implement the Award rendered by the National Industrial Tribunal, taking into account the recommendation of the Equation Committee. It has also been claimed that this was implemented with regard to the employees of Samastipur RRB and was given effect, retrospectively, from 1-9-87.

7. It has further been claimed in the written statement of the sponsoring Union that in terms of Vth Bipartite Settlement the employees of the SBI were given an additional increment with effect from 1-11-87 which benefit the employees of the Samastipur RRB were also given, being an unit sponsored by the SBI. This benefit was given with effect from 1-11-87, i.e., at par with the employees of the sponsor Bank. The sponsoring Union has claimed that this benefit filtered to the employees of the Samastipur RRB in view of the National Industrial Tribunal Award and the recommendation of the Equation Committee.

8. The sponsoring Union has alleged that the management suddenly ordered withdrawal of the aforesaid additional annual increment, given to the employees of the Samastipur RRB, with effect from 1-1-92 on the plea that such additional increment was given to the employees of SBI on account of computerisation but computerisation did not prevail in the RRBs. The sponsoring Union has asserted in its written statement in para 16 that this was done despite the fact that this additional increment in pay was granted to the employees of the sponsor Bank in all its Branches though in most of those Branches the system of computerisation was not prevalent. It has been pointed out that this order has adversely affected about 150 employees of the RRBs at Samastipur. Despite pleas the management did not relent on this point, hence this reference. It has also been submit-

ted in the written statement that by sudden withdrawal of the aforesaid benefit without proper notice, the management had violated the provision of Section 9A of the Industrial Disputes Act, 1947.

9. The management in its written statement has stated that the Govt. of India vide its letter dated 22-2-1991 issued under the provision of Section 17 of the 1976 Act provided that the pay scales and allowances for the staff of the RRBs would be governed by Vth Bipartite Settlement between the workmen's Union in commercial Banks and Indian Bank Association. It has been submitted that one additional increment was provided to the staff of the sponsor Bank, but that additional increment was wrongly paid to the employees of the RRB concerned.

10. According to the management a Telex message was received by the sponsor Bank from the Under Secretary to the Govt. of India, Finance Banking, a copy of which was sent by the sponsor Bank to the management of the RRB, which communication related to the non-admissibility of the additional increment to the staff of the RRB. The sponsor Bank had received the instruction that since conditions of computerisation did not prevail in the RRBs, only industry level settlement benefits should be extended to the RRB employees. In the written statement it has also been made clear that, as per para 16 of the Govt. of India's letter dated 22-2-91, any interpretation/clarification on the equation and fitment was to be obtained from the Ministry of Finance, Banking Division, Govt. of India through NABARD, and as per para 15 of that letter, any interpretation/clarification of the Bipartite settlement in respect of the employees was to be sought from the sponsor Bank. It was in view of the clarification received from the Under Secretary to the Govt. of India, Finance Ministry, that the decision about non-admissibility of one additional increment to the RRB employees was communicated by the sponsor Bank. The management has held in its written statement that since one additional increment was wrongly paid to the employees of the RRB earlier, the withdrawal of it did not amount to a change in the condition of service, hence there was no violation of the provision of Section 9A of the Industrial Disputes Act, 1947.

11. The management has also stressed that the pay and allowances to the employees of RRB are payable as provided under the Vth Bipartite settlement applicable to the workmen of the sponsor Bank, but the aforesaid additional increment in question was in addition to the entitlement under the Vth Bipartite settlement and since the said additional increment (on account of computerisation) was not covered under the Vth Bipartite Settlement, that was not legally payable to the employees of the RRB. Therefore, nothing wrong was done if the additional increment was withdrawn when it became clear to the management that the same was wrongly paid to the employees of the RRB.

12. The point for consideration is that whether the withdrawal of the additional increment to the employees of the concerned RRB by the management was or was not legally justified.

13. The management has not examined any witness in this case whereas the sponsoring Union has examined one Shri Bhunesh Prasad Chowdhury, a Clerk-cum-Typist at Samastipur RRB, in its head office at Samastipur. This witness has spoken about the award of the NIT and its implementation in the RRB concerned. He submitted that the employees of the RRB were given the same pay and allowances as admissible to the similarly situated employees of the sponsoring Bank. It was on this count that the employees of the concerned RRB were given one additional increment in the pay, and were paid the same with effect from 1-11-87.

14. Before further proceeding with the evidence it may be recalled that the admitted position is that one additional increment was made admissible to the employees of the sponsor Bank (SBI) on account of computerisation.

15. Coming back to the evidence, the witness has stated that there were 19 branches of SBI within the Samastipur district and though computer was installed in none of those 19 branches, yet all the employees of those 19 branches of the SBI were being paid one additional increment.

16. This witness has asserted that the management had issued circular dated 30-12-91 withdrawing the facility of one additional increment from the employees of the RRB, but before withdrawal no notice was served upon the workman. According to the witness this additional increment was withdrawn with effect from January, 1982.

17. During cross-examination also this witness stuck to the position that the workmen were not given one month's notice about the withdrawal. He said that the withdrawal was affected on the last day of January on which day the pay for January was disbursed. He denied that the withdrawal circular was served either upon the Union or upon the concerned workmen on 30-12-91. This witness asserted that on that day he was the President of the sponsoring Union.

18. From the evidence of this witness one point atleast has remained unrefuted that all the employees of the CBI were being paid one additional increment in pay on the ground of computerisation irrespective of the fact as to whether or not in their branches any computer facility was installed. The sponsoring Union has claimed in similar tune in its written statement also, as already seen.

19. From the evidence of this witness it also appears that no notice prior to the withdrawal was served either upon the sponsoring Union or the workmen, who were members of the Union, in terms of Section 9A of the I. D. Act. In course of argument an attempt was made by the management to show that the order of withdrawal of increment was dated 30-12-91 whereas, on the admission of this witness himself, this was implemented on 31-1-92. It was pointed out that, therefore, the workmen of the sponsoring Union had notice of more than 21 days which was the statutory period required under Section 9A. The validity of this particular line of

argument I will discuss later after deciding as to whether or not withdrawal of additional increment in pay amounted to affecting change in the condition of service applicable to the workmen in respect of a matter specified in the 4th Schedule of the Act.

20. But before doing that it is desirable to cast a glance over the documents relied upon by the respective parties which have been introduced in the evidence.

21. Ext. M-1 is the letter from the Under Secretary to the Govt. of India, in the Ministry of Finance, Deptt. of Economic Affairs (Banking Division) dated 22-2-91 addressed to the Chairman-cum-Managing Directors of all sponsoring Banks as well the Chairman of all RRBs. This communication relates to the implementation of NIT Award and the recommendation of the Equation Committee. This letter provides as to how the fitments are to be done. This communication in para-6 provides that after fixation of pay scales as on 1-9-87, further fitment from 1-11-87 shall be in accordance with the Vth Bipartite Settlement in respect of the workmen staff. The management has brought this exhibit on the record to point out paras 15 and 16 of the same relating to the clarification or interpretation about the equation and fitment, or about the Bipartite Settlement, as already mentioned while summarising the written statement of the management. It is on the basis of para 16 of this letter that it has been argued that a clarification was sought about additional increment from the Ministry of Finance, Govt. of India which clarification was received by the sponsor bank in a telex message from the Under Secretary to the Govt. of India, Ministry of Finance (Banking Division) on the basis of which the management had passed the order of withdrawal of increment. In this regard Ext. M-3 with annexure may be seen through which the State Bank of India had sent to the management of the RRB the telex message received from the Banking division in the Finance Ministry. In the letter in Ext. M-3 it has been mentioned that the telex message provided the basis for non-admissibility of the additional increment, which was admissible to the sponsor bank staff on account of computerisation, to the RRB staff.

22. In the accompanied telex message the Finance department to the Govt. of India informed in para 7 that a question had arisen in past regarding the applicability of additional increment, in respect of the computerisation, in the RRB. The telex message further stated that a view was taken that since the conditions of computerisation did not prevail in the RRBs, only industrial level agreement benefits should be extended to the RRB employees. It was also opined that the conditions between the RRBs and the State Bank of India were not similar in this case.

23. From this communication through fax message it is clear that in the opinion of the Govt. of India, when the conditions between the RRBs and the sponsor Bank were not similar, the logic to extend the benefits of only Industrial level agreement was sound and proper.

24. Admittedly under the Award of the National Industrial Tribunal and in view of the direction con-

tained in para 14 of the Ext. M-1 it would appear that for similar work the employees of both the sponsor bank and of the RRB, were to get equal pay and equal allowances. No doubt, one additional increment was allowed to the employees of the sponsoring Bank on account of computerisation, but it has come into evidence that on the general ground of computerisation even the employees of all those branches of the SBI were being paid additional increment in which branch the computerisation was not introduced.

25. On behalf of the sponsoring Union I have been taken through a publication by the Personnel Department of the State Bank of India, per circular : IR : 27 of 1990, containing different agreements between the Union and the management. A number of agreements such as at pages 148 and 158 were pointed out wherein small number of branches or local head offices were selected for computerisation.

26. I have already stated that the management on the record has not disputed that the workmen of all those branches of SBI were also being paid additional increment where there was no computerisation.

27. Clearly in its award the National Industrial Tribunal had held that the officers and the employees of the RRBs would be entitled to claim parity with the officers and other employees of the sponsor Banks in the matter of pay scales, allowances and other benefits. This award does not say that benefit allowed to the employees and the officers of the sponsor Bank under a particular agreement would not be admissible to the employees and officers of the RRBs. What follows from this award is simply that the parity has to be maintained in the pay scales, allowances and other benefits.

28. On the record, in the shape of Ext. W-2, is only a part of the report of Equation Committee. As already stated, Ext. M-1 is a letter issued from the Ministry of Finance, Banking Division to the Chairman and Managing Director of all sponsor Banks & to the Chairman of all RRBs relating to the implementation of National Industrial Tribunal Award and Equation Committee recommendations. This letter provides guidelines as to how fitment should be done in order to implement the Award. In para 14 this circular says that the allowances|special allowances and other benefits which are provided in Bipartite Settlement and the service regulation of the concerned sponsor Banks be extended to the employees|officers of RRBs, respectively.

29. In the written statement of the management it has been claimed that the additional increment which was withdrawn was in addition to the entitlement under the Vth Bipartite agreement, hence that was not legally payable to the employees of the RRBs. It is not clear from the materials on record as to whether this one additional increment on account of computerisation in the Sponsor Bank was granted to the employees by the management on its own or under an agreement between the management of SBI and some union working within this Bank.

30. Though Ext. M-1 provides that the pay and allowances and other benefits of the two Banks should

be at par in accordance with the Vth Bipartite Settlement, yet this circular does not prohibit the employees of the RRBs getting any other benefit at par with the employees of the sponsor Bank even though that benefit did not come through Vth Bipartite settlement.

31. Admittedly, Vth Bipartite settlement was reached between the Indian Banks' Association and the All India Unions of Bank employees, which was subsequently modified. Thereafter, some Bipartite agreements were signed on certain subjects. But this settlement or the agreements, in terms of the Award of the National Industrial Tribunal, cannot be treated to be a bar against the employees of the RRBs from getting the benefit at par with the employees of the sponsor Bank which the employees of the sponsor Bank beyond the Bipartite settlement.

32. When a large number of branches of the sponsor Bank not having computerisation facility paid to its employees one additional increment, it can hardly be argued that similar benefit should not percolate to the employees of the RRBs who did the same work as done by the employees of the sponsor Bank in the branches without computer facility. In this view also I do not find any justification in the action of the management in withdrawing one additional facility granted earlier to the employees of the RRBs.

33. What I have discussed above was not related to the objection of the sponsoring union relating to the non-observance of the provision of Section 9A of the Industrial Disputes Act, 1947. Now I will deal with this aspect. To do this firstly I have to see whether withdrawal affected any change in the condition of service applicable to the workmen in respect of the matter specified in the 4th Schedule. To find this it has to be seen as to whether the grant of one additional increment was an express or implied condition of service of the workmen of the RRB.

34. The sponsoring union has claimed in para 15 of its written statement that in terms of Vth Bipartite settlement the employees of the SBI were given an additional increment with effect from 1-11-87 and, similarly, the employees of the sponsored Gramin Bank at Samastipur were also given an additional increment, at par, also with effect from 1-11-87 in terms of the National Industrial Tribunal Award and according to the recommendation of the Equation Committee. The averments in para 15 have been replied to in paras 2 and 3 of the written statement of the management, in which the fact that the employees of Samastipur Gramin Bank were also allowed the additional increment with effect from 1-11-87 has not been controverted though it has been mentioned that this was wrongly given. Obviously, the Award was implemented after 22-2-91 which is the date of the circular letter of the Govt. of India in Ext. M-1. Therefore, the admitted position or, at least, the uncontroversial position would be that the employees of the Samastipur Gramin Bank were given one additional increment in pay as allowed to their counterparts in the sponsor Bank on account of computerisation sometimes after 22-2-91, with retrospective effect, i.e. with effect from 1-11-87. From Ext. M-2, which is a letter dated 30-12-91 from the Head Office,

Samastipur Kshetriya Gramin Bank issued to all the branches, it will appear that the aforesaid additional increment was stopped from January, 1992. This was done on the basis of the clarification made by the Govt. of India, which was conveyed to them by the sponsor Bank. This letter also makes it clear that the aforesaid additional increment was paid while implementing the National Industrial Tribunal Award. It is therefore clear that this additional increment was paid to the workmen of the concerned rural Bank for a period of 4 years and 2 months. From Ext. M-2 it will also appear that while implementing the Award of the National Industrial Tribunal, this additional increment was consciously given to the employees of the RRB, or the Gramin Bank, at par with their counterpart in the sponsor Bank.

35. In this regard a decision reported in 1975 Lab. I.C. 1429=AIR 1975 Supreme Court 1856 (The management of Indian Oil Corporation Ltd. Vs. its workmen) may be referred to. The management of Assam Oil Refineries, Gauhati, had taken an independent and voluntary decision on their own in September, 1959 to grant to all its employees Assam Compensatory allowance, on the basis of Central Government circular dated 3-9-1957 which granted such allowance to all Central Govt. employees posted in Assam, though the aforesaid circular was not binding on the management. There was nothing to show that the allowance was granted only by way of an interim measure which could be withdrawn at the will of the employer. Thereafter, by another notification dated 8-12-1960 the Central Govt. provided that its employees receiving the aforesaid compensatory allowance would be given an option to choose between the H.R.A. or compensatory allowance, but would not be entitled to both. The management thought that the contents of the circular were binding upon the company and they, unilaterally, without giving any notice to the workers withdrew the aforesaid compensatory allowance with effect from July, 1960. Therefore, it will appear that this compensatory allowance was paid to the employees of the Corporation from September, 1959 to June, 1960 only.

36. In the circumstances of the aforesaid case their Lordships of the Hon'ble Supreme Court held that Section 9A of the I.D. Act, 1947 was clearly applicable since the grant of the allowance was an implied condition of service and by withdrawing that, the employer had sought to effect a substantial change which adversely and materially affected the service condition of the workmen for all time to come. It was held that as Section 9A of the Act had not been complied with the withdrawal of the concession of the compensatory allowance was clearly illegal.

37. The parallel between the two cases cannot be missed. In that case also the management granted compensatory allowance to its employees on its own, though it was not bound to do it. The management paid the compensatory allowance for a few months only which was withdrawn without compliance of Section 9A of the Act. In the present case, therefore, even if the argument of the management be accepted that it granted additional increment under wrong notion, that will not help. In the case of Assam Oil Refineries also the management had withdrawn

the concession of compensatory allowance after the Central Govt. had issued a notification providing that the employees could choose between the H.R.A. and the compensatory allowance, thinking that the contents of that circular were binding upon the company. Obviously, neither notification of the Central Govt. granting the aforesaid allowance, nor the subsequent notification dated 8-12-1960, were binding upon the management, yet when the management granted that allowance to its employees and continued paying the same for a few months, it was held by their Lordships that the compensatory allowance was to be treated as an implied condition of service. Here also the management had paid the additional increment to its employees in the concerned Gramin Bank (RRB) for a continuous period of more than 4 years. Thereafter, all of a sudden, without complying with Section 9A, the additional increment was ordered to be withdrawn. When the management paid additional increment on its own and continued paying it for more than four years, the payment of that additional increment has to be construed as an implied condition of service by withdrawal of which the management had sought to effect a change which adversely and materially affected the service condition of the concerned workmen.

38. In this regard another decision of the Hon'ble Supreme Court reported in (1950-67) 3 SCLJ at page 2183 (Between Indian Overseas Bank Ltd. and their Workmen) may also be seen. That case related to the payment of "Key allowance" to Cashiers of Indian Overseas Bank though the Desai Award did not include the "Key allowance" in the special allowances admissible to the cashiers. The management, as a gesture of goodwill, allowed continuance of payment of "Key allowance" though it had rested with the Bank to continue or to discontinue it. It was held by their Lordships that, therefore, the payment of "Key allowance" should be treated as condition of service of the cashiers concerned and that under the provision of Section 9A of the I.D. Act read with rule 34 of the I.D. Act (Central) Rules, 1957, a notice of change in the condition of service applicable to the cashiers concerned had to be given in Form E appended to the Rules.

39. Therefore, I have no hesitation in holding that the payment of additional increment to the employees of the concerned Gramin Bank (RRB) was to be treated as an implied condition of service and the management, for effecting change in that condition of service, had to comply with Section 9A of the I.D. Act and was bound to give the notice mentioned therein, in Form E, as provided under Rule 34 of the I.D. (Central) Rules, 1957.

40. While the argument was going on behalf of the management it was argued that the order of withdrawal was dated 30-12-1991 which was effected on 31-1-1992, i.e., on the expiry of a period of 21 days as provided under Section 9A of the I.D. Act. But Ext. M-2=Ext. W-6 was an order of withdrawal of the additional increment, whereas under Section 9A the management had to give prior notice before ordering any change in the service condition. So what was required was a notice prior to issuance of Ext. M-2. Moreover, the notice had to be issued in Form E.

Obviously on such notice was issued. Indeed, in its written arguments dated 23-8-1994 submitted to the Tribunal, it has been conceded by management that it was not considered essential to give notice to the workmen before withdrawing the additional increment. Obviously the management before issuing order in Ext. M-2 did not serve a notice in accordance with Section 9A.

41. Taking whatever view of a matter, it is manifest that the order of the management for withdrawal of the additional increment granted to the employees of RRB concerned was illegal and unjustified. The workmen of the RRB who were deprived of the additional increment were entitled to the continuance of that under the circumstances discussed above.

42. In the result, following is the award :—

Withdrawal of additional increment to the employees of Samastipur Kshetriya Gramin Bank by the management was not justified. The concerned workmen are entitled to the continuance of that additional increment from the date it was withdrawn.

P. K. SINHA, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 1994

कांस्ट्रो. 3130.—आंशिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार अधिकारी टैलीफोन एक्सचेंज डिपार्टमेंटल कैन्टीन एम टी एल के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट आंशिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आंशिक अधिकरण नं 2 बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, को केन्द्रीय सरकार को 13-10-1994 को प्राप्त हुया था।

[संख्या एल-40012/71/89-आई.आर. (डी.यू.)]

के.बी.वी. उन्नी, डैस्ट्रॉक्ट्रो अधिकारी

New Delhi, the 17th October, 1994

S.O. 3130.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Andheri Telephone Exchange Departmental Canteen, MTNL and their workmen, which was received by the Central Government on 13-10-94.

[No. L-40012/71/89-IR DU]
K. V. B. UNNY, Desk Officer.

ANNEXURE
BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY
PRESENT :

Shri S. B. Panse, Presiding Officer.
Reference No. CGIT-2/1 of 1990

Employers in relation to the management of
Andheri Telephone Exchange Departmental
Canteen, MTNL, Bombay.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers.—Mr. J. S. Sugavaneswaran,
Representative.

For the Workmen.—Mr. P. M. Devadiga, Rep-
resentative.

INDUSTRY : Telecom STATE : Maharashtra

Bombay, dated 13th September, 1994

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by its letter No. L-40012/71/89-IR(DU) dated 15th January, 1990 has referred to the following industrial dispute for adjudication under Section 10 of the Industrial Disputes Act. It is in the following words :

"Whether the action of the management of Andheri Telephone Exchange Departmental Canteen in terminating the services of Mr. Ramachandra Moolya, Bearer w.e.f. 12-1-1988 is legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. Shri Moolya alongwith the other employees of the Andheri Telephone Exchange Departmental Canteen formed an Association. The Association was formed to implement the directions issued by the Supreme Court. There were certain irregularities in the said telephone exchange canteen. The wages were not paid on the first day of each succeeding month, the employees were not granted benefits of the third and the fourth Pay Commission, a sum of Rs. 274.62 was being deducted alleged to be for food allowance and the PF amount though deducted was not paid to the PF Commissioner nor was it deposited with the departmental provident fund.

3. Shri Moolya joined the services of the Mahanagar Telephone Nigam Limited at its departmental canteen at Andheri Telephone Exchange on or about January, 1983. He was doing the work of a bearer. His duty hours were from 7 a.m. to 5 p.m. with lunch recess from 12.15 p.m. to 1.15 p.m. He was not granted leave with wages such as the Privilege leave, casual leave and the sick leave. He was an active member of the Association.

4. There was a settlement in conciliation before Shri Dash, Asstt. Labour Commissioner (Centre)

and the said minutes were signed by Mr. V. D. Gokhale, D.E., Andheri Telephone Exchange, who was also the Chairman of Andheri Telephone Canteen. It was agreed therein that the leave is granted to the five workers on their applications and the management was to pay their salaries within two weeks thereafter and the Union has agreed to withdraw the case of Mr. Moolya and raise the same separately if it is required. An agreement was arrived at on January 5, 1988. Thereafter, all the five employees filed their written application for leave for the period from 24-4-1987 to 12-5-1987. Except for Mr. Ramachandra Moolya, the workman in the present reference, all other workers were allowed to join the duty. This act of the management is impermissible.

5. The Worker was victimised. The decision of the Enquiry Officer to remove the workman is malafide and perverse. It is submitted that under such circumstances the workman is entitled to re-instatement with full back wages, continuity of service and other consequential benefits.

6. On behalf of the management a written statement is filed at Exh. M/3. It is averred that the Court has no jurisdiction to try and entertain the dispute as the service conditions of the departmental canteen employees are governed by the Departmental Canteen Employees (Recruitment and Service conditions) Rules 1980 as per the Item No. 16 (II). The provisions of the Industrial Disputes Act are not applicable to the canteen employees. It is asserted that the contention of the workman is that the employees were not paid wages or granted benefits of the third and the fourth Pay Commission Recommendations is wrong. It is averred that a claim of Rs. 274.62 was deducted by the management towards the food allowance. They deny that the provident fund amount, though deducted was not deposited.

7. The management denied that the services of the workman was continuous and unblemished. It is asserted that he was granted leave. It is averred that on July 1, 1987 Mr. Moolya the workman was chargesheeted and an inquiry was conducted against him under Rule 20 of the Departmental Canteen Employees (Recruitment and Service Conditions) Rules, 1980. On 15-12-1987, the inquiry report was submitted by the Enquiry Officer. On January 11, 1988 the Chairman imposed a penalty of removal of the workman for violating the conduct of rules of the service. He was removed from the services w.e.f. 12-1-1988. It is averred that the services of the workman were not terminated by the management. It is admitted that the dispute between the four workers and the management was settled before the Asstt. Labour Commissioner, but the question of considering the dispute of the workman Shri Moolya did not arise as he was removed from the services with effect from 12-1-1988, in view of the disciplinary action taken against the workman after conducting departmental inquiry. It is denied that Mr. Moolya was victimised. It is averred that the workman should have filed an appeal against the order of dismissal, which the rules provide. As he did not do so, this reference is not tenable. It is submitted that the prayer of the workman to reinstate with full back wages with other consequential reliefs may be dismissed.

8. My Learned Predecessor framed issues at Lixh. 4. The issues and my findings thereon are as under :

ISSUES	FINDINGS
1. Whether this Central Government Industrial Tribunal has jurisdiction to entertain and decide the present reference.	Yes
2. Whether in view of the fact that the workman did not file any appeal against the order terminating his services, this Tribunal is not competent to set aside that order ?	This Tribunal is competent
3. Whether the action of the management of Andheri Telephone Exchange Departmental canteen in terminating the services of Mr. Ramachandra Moolya, Bearey w.e.f. 12-1-1988 is legal and justified ?	Yes
4. If not, what relief the workman is entitled to ?	Does not arise
5. What Award ?	As per the order below.

In the statement of claim it is averred that an objection was tried to be taken regarding the applicability of the provisions of the Industrial Disputes Act, 1947. The workman sought clarification from the union of India. The Ministry of Labour and Rehabilitation, India, New Delhi, by its letter dated May 27, 1984 had informed that the question whether the Departmental Canteen should be treated as an Industry or not in the Industrial Disputes Act was under consideration in consultation with the Ministry of Home Affairs and the Ministry of Law. It is said that unless exemption is provided in the Industrial Disputes Act, the Canteen will be covered under the definition of Industry in the Act.

9. So far as this letter is concerned, nothing is brought before me to show that the present dispute does not fall under the Industrial Disputes Act. It is tried to suggest that Item No. 16(2) of the Departmental Canteen Employees (Recruitment and service conditions) Rules, 1980 it is averred that :

"Canteen run as departmental in the Central Government offices are excluded from the definition of the Industry under Section 2J of the Industrial Disputes Act. As such the employees of such canteen do not come in the preview of the Industrial Disputes Act 1947".

This appears to be in the rules, but what is mentioned in law in granting exemption under the Act is to be seen.

10. Section 2(J) of the Industrial Disputes Act defines Industry as :

"It means any business, Trade, undertaking manufacture or calling of Employers and includes any calling service employment, handicraft or Industrial Occupation or avocation of work".

Sovereign findings of the State excluded from the definition of Industry. Running of a departmental Canteen is not a Sovereign finding. The Departmental Canteen charging price for the food stuffs and Drinks sold even when it is highly subsidised by the Union Government is clearly an 'Industry' satisfying the triple tests of systematic activity.

11. There was an appeal bearing No. 21 of 1989 in writ petition No. 3298 of 1988 between the Bombay Telephone Association v/s. M. C. Venkatraman and Others wherein the stand of the Government was that the Canteen in the Telephone department is an Industry. This appears to have been affirmed in that appeal. For all these reasons I have no hesitation for coming to the conclusion that the working in the Canteen are governed under the Industrial Disputes Act. As such the reference which is made to this Tribunal is perfectly legal and proper and this Tribunal has jurisdiction to try the same.

12. It is tried to suggest that as the workman did not prefer the appeal against the order of dismissal the reference is not tenable. No provision is brought to my notice to substantiate this preposition. In Markandey Singh v/s. M. L. Bhanot (1988) 3 Supreme Court case wherein Their Lordships have observed that :

"It appears that there is provision for appeal in the order of this nature. Failure to prefer an appeal or apply for review was no bar to submission of memorials to the President."

13. The test to another aspect of the matter namely termination of service of Mr. Moolya bearing effect from 12-1-1988 is that he had filed his affidavit (Exh. W/6) supporting the contention taken by him in the statement of claim. He affirmed that they raised demand before the management in view of the Supreme Court decision. He affirmed that the so called inquiry was against him and against the principles of natural justice. No proper inquiry was held, no opportunity was given to him to cross-examine the prosecution witnesses. No documents were given in advance. He also affirmed that the Tutored witnesses were produced against him. He in the cross-examination had admitted that before the termination, he was given chargesheet. He was allowed to defend by the representative, he was given copy of the findings of the Enquiry Officer.

14. The proceedings of the Enquiry Officer are before the Court. After the perusal of the enquiry proceeding I do not find any illegality or irregularity in the matter. The chargesheet which was given

against the workman is clearly in its term. He was given an opportunity to defend himself. He was represented by the representative. The statement of the witnesses were recorded, they were thoroughly cross-examined and thereafter the Enquiry Officer had given a detailed report giving reasons for coming to the conclusion that all the charges are proved except that non-relying of the letter dated 24-4-1987 by the workman.

15. It is tried to argue that there was a meeting between the Labour Commissioner and the Workmen and it was agreed that the five workmen who gave an application for leave should be granted the leave and they should be given salaries thereafter. The charge to that effect is held to be proved. His i.e. the worker in the present reference's application was not granted. Even if it is said that the application is granted, in view of the minutes it is to be said as a settlement between the parties and the enquiry which was held against the workman cannot be said to be an illegal one.

16. There are other three charges which are held to be proved against the workman. But in the settlement there is nowhere mentioned that the inquiry which was initiated against the workman has to be dropped. If really the Association wanted the same, they would have asked for dropping of the inquiry before the Labour Commissioner. But nothing was done at that stage. The workman affirmed that he did not avail all the leave. That appears to be incurred statement. There is a record (Annexure F) to show that he applied for leave from 21-10-1986 to 15-11-1986. The application falsifies the version of the workman.

17. It is tried to argue on behalf of the workman on the basis of the different charges that the action of the management in terminating the services of the workman is mala fide, as he has taken active part in the Association. Even though if it is accepted that he had taken an active part in the work of the Association, I am not inclined to accept that the action of the management is with a Mala fide intention. The inquiry which was held against the workman is perfectly legal and proper and I do not find any illegality in the same. Under such circumstance the conclusion which the workman draws cannot be arrived at. For all these reasons I record my findings on the point accordingly and pass the following order :

ORDER

- The action of the Management of Andheri Telephone Exchange Departmental Canteen in terminating the services of Mr. Ramchandra Moolya, Bearer w.e.f. 12-1-1988 is legal and justified.
- No order as to costs.

13-9-1994.

S. B. PANSE, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 1994

का०आ० 3131.—बर्मवारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा 1-11-1994 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और अध्याय-5 और 6 धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबंध कर्तिक राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

गजस्व ग्राम का नाम व नगरपालिका होवली तालुक जिला सीमा

नेरालुर, ग्राम पंचायत	} नेरालुर, तीसमागोन्डा हूली,
वालेगरनाहल्ली इलापुर कृष्णा सागर	
(बी०आ०) गिरुडेना हूली	} अतीवेले अनेकल बंगलौर
(बी०आ०) यादवानाहल्ली हूली	
बेन्दीगना हूली	
के०आ०इ०ए०डी०बी० बैंगोगिक क्षेत्र, अतीवेले अनेकल बंगलौर	

अतीवेले अतीवेले अनेकल बंगलौर

[संख्या : एम-38013/16/94-एमएस-1]

जे०पी० शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 20th October, 1994

S.O. 3131.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st November, 1994 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Karnataka namely :—

Name of the revenue Village or Municipal limits	Hobli	Taluk	District	1	2	3	4
Neraluru, Tirumagonda Halli Neraluru Grama Panchayat Neraluru, Tirumagonda Halli							

1	2	3	4
Balegaranahalli, Ichhanagar, Krishna Sagar (B.R.) Giddena Halli (B.R.) Bendigana Halli Yadavana Halli	Attibele	Anekal	Bangalore
K.I.A.D.B. Industrial Area, Attibele	Attibele	Anekal	Bangalore
Attibele	Attibele	Anekal	Bangalore

[No. S-38013/16/94-SS. I]
J.P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 1994

का०आ० 3132.—बर्मवारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा 1-11-1994 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसकी उक्त अधिनियम के अध्याय-4 धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और अध्याय-5 और 6 धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबंध पंजाब राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे अर्थात् :—

“तहसील एवं विला नुधियाना के अन्तर्गत आठे धारे राजस्व ग्राम तरफ काराबारा (काराबारा) हूदवस्ता संख्या 161”।

[संख्या एस-38013/14/94-एम एस -1]
जे०पी० शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 21st October, 1994

S.O. 3132.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Punjab namely :—

“The areas comprising the revenue Village Tarf Kara Bara (Kara Bara) Had Bast No. 161 in Tehsil and District Ludhiana”.

[No. S-38013/14/94-SS. I]

J. P. SHUKLA, Under Secy.